वर्ष 20 | अंक 28 | पृष्ठ 12
देवघर
सोमवार, 28 जुलाई 2025
मूल्य ₹ 3/-

हिन्दी दैनिक
श्वेत पत्र
आपकी बात सच के साथ

पेज 12 : गर्लफ्रेंड की मौजूदगी...

www.shwetpatra.co.in | देवघर व रांची से प्रकाशित एवं पूरे झारखंड, बिहार तथा बंगाल में प्रसारित | E-mail : shwetpatra10@gmail.com

सावन की तीसरी सोमवारी आज

रावणेश्वर बैद्यनाथ वाले कांवर को कांधे पर उठाये कांवरिये बाबाधाम की ओर जाते हुए

प्रधानमंत्री ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर ने विश्व को दिया संदेश

आतंकवादियों के लिए कहीं भी सुरक्षित पनाहगाह नहीं है : मोदी

चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे विश्व को ये दिखा दिया है कि अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के खिलाफ किसी भी खतरे को लेकर को लेकर भारत का रूख कितना दृढ़ और निर्णायक है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने ये साफ संदेश भी दे दिया है कि आतंकवादियों और देश के दुश्मनों के लिए कोई भी सुरक्षित पनाहगाह नहीं है।

प्रधानमंत्री ने गंगईकोंडा चोलपुरम में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत के लोगों को नया आत्मविश्वास दिया है और पूरा विश्व इसे देख रहा है। श्री मोदी गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आदि तिरूवथिराई उत्सव के मौके पर यहां आये थे जो राजा राजेन्द्र चोल-1 की दक्षिण पूर्व की समुद्रीय यात्रा, उनकी जयंती और राजा द्वारा गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर के निर्माण के 1000 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित किया गया है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आज का भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'दुनिया ने भारत का उसकी संप्रभुता के विरुद्ध किसी भी खतरे का दृढ़ और निर्णायक जवाब देखा है। ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट संदेश भी दिया है कि आतंकवादियों और राष्ट्र के दुश्मनों के लिए कोई सुरक्षित पनाहगाह नहीं है।'

राजा राजेन्द्र चोल की विरासत का जिक्र करते हुए मोदी ने गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर का उल्लेख किया और कहा कि उन्होंने अपने पिता के सम्मान में इस मंदिर के गोपुरम (मंदिर टावर) की ऊंचाई को पिता द्वारा तंजावुर में बनवाये गये बृहदेश्वर मंदिर से नीचे रखा।

उन्होंने कहा, 'चोल काल की आर्थिक और सामरिक प्रगति आधुनिक भारत के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनी हुई है। राजराजा चोल ने एक शक्तिशाली नौसेना की स्थापना की, जिसे राजेंद्र चोल ने और मजबूत किया। चोल साम्राज्य ने नए भारत के निर्माण के लिए एक प्राचीन रोडमैप के रूप में कार्य किया।' श्री मोदी ने कहा कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देनी होगी। इसके साथ ही अपनी नौसेना और रक्षा बलों को मजबूत करना होगा तथा नए अवसरों की तलाश करनी होगी। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि देश इसी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर आगे बढ़ रहा है।

राजेंद्र चोल प्रथम की छवि वाला सिक्का किया जारी

गंगईकोंडा चोलपुरम (अरियालुर)। तमिलनाडु के दो दिवसीय दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगईकोंडा चोलपुरम त्रिवली उत्सव में भाग लिया और राजेंद्र चोल की छवि वाला एक सिक्का जारी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु में ऐतिहासिक चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम को श्रद्धांजलि देते हुए उनके सम्मान में एक विशेष स्मृति सिक्का जारी किया। यह सिक्का सम्राट के महान योगदान और भारत के गौरवशाली इतिहास को सम्मान देने के उद्देश्य से जारी किया गया है। इस विशेष अवसर पर प्रधानमंत्री ने सम्राट राजेंद्र चोल के योगदान को याद करते कहा कि राजेंद्र चोल सिर्फ तमिलनाडु ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के सामरिक और सांस्कृतिक इतिहास के महान शासक रहे हैं।

मनसा देवी मंदिर हादसा

करंट की अफवाह से मची भगदड़, छह की मौत व 35 घायल

हरिद्वार। धर्मनगरी में एक पहाड़ी पर स्थित मनसा देवी मंदिर के सीढ़ी मार्ग पर रविवार सुबह करंट फैलने की अफवाह से भगदड़ मचने से छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 35 लोग घायल हुए हैं। घायलों को हरिद्वार जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और गंभीर रूप से घायलों को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है। हादसे पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने छह श्रद्धालुओं की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री धामी ने भगदड़ की दुर्घटना की मजिस्टेट जांच के आदेश दिए हैं। इसके अलावा हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को पचास-पचास हजार रुपये की सहायता देने की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

पश्चिम सिंहभूम में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता

नक्सल विरोधी अभियान के अंतर्गत 35 लाख रु. बरामद

संवाददाता

पश्चिम सिंहभूम । झारखंड में पश्चिम सिंहभूम जिला पुलिस और सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है। जिला पुलिस, झारखंड जगुआर और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने चाईबासा के कराईकेला थाना क्षेत्र के जंगली क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 35 लाख रुपये बरामद किए हैं।

झारखंड पुलिस और सुरक्षाबलों के संयुक्त अभियान के दौरान यह रकम बरामद हुई। यह रकम जमीन के नीचे छिपाकर रखी गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इसका इस्तेमाल माओवादी संगठन द्वारा विस्फोटक और हथियार खरीदने के लिए किया जाना था। चाईबासा के पुलिस अधीक्षक ने इस अभियान की पुष्टि करते हुए कहा कि यह बरामदगी माओवादी फंडिंग नेटवर्क पर एक बड़ी चोट है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के पीछे विशेष खुफिया जानकारी थी और अभी इस मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस इस बात का पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी रकम का स्त्रोत क्या था और इसके पीछे कौन-कौन से लोग शामिल हैं। रांची रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) मनोज कोशिक ने इस संबंध में बताया कि सुरक्षाबलों को खुफिया जानकारी मिली थी कि नक्सली हथियार और विस्फोटक खरीदने के लिए रुपये जमा कर रहे हैं। इसी सूचना पर चाईबासा पुलिस, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ ने संयुक्त रुप से कराईकेला थाना क्षेत्र के जंगली क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान लगभग 35 लाख रुपये बरामद किए गए हैं।

एक नजर

कांवरियों के बीच दिलीप सिंह एवं श्वेता किन्नर ने किया फल का वितरण

धनबाद(एप्र)। सेवा में अग्रणी युवा संघर्ष मोर्चा की टीम धनबाद से देवघर नगरिया तक काँवरियों की सेवा में लगातार लगी हुई है।इसी क्रम में रविवार को बस्ताकोला गौशाला से देवघर के लिए निकले काँवरियों के जत्थे के बीच युवा संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष दिलीप सिंह एवं झारखंड किन्नर समाज सचिव सह पूर्व निगम ब्रांड एंबेसडर श्वेता किन्नर द्वारा संयुक्त रूप से फल और जूस का वितरण किया गया। दिलीप सिंह और श्वेता किन्नर ने सभी यात्रियों को उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएँ दीं। समाजसेवी दिलीप सिंह द्वारा सुल्तानगंज में भी डाक बम सेवा के तहत मणियां मोड़,सुइयां पहाड़,ईनारा और बरन क्षेत्र में लगातार सेवा का कार्य जारी है।इस अवसर पर दिलीप सिंह ने कहा कि सेवा सबसे बड़ा धर्म है और हमारे सभी कार्यकताओं ने बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम व्यक्ति की मदद करने का संकल्प लिया है। जिसके तहत लगातार सेवा कार्य जारी है।वही श्वेता किन्नर ने कहा कि बाबा भोलेदानी सभी कांवरियों की यात्रा को सफल बनाएंगे और उनके इस निःस्वार्थ भक्ति भाव की सेवा का फल भी उन्हें अवश्य देंगे। बातदें की सावन के शुरूआत से ही बाबा नगरी की सेवा में दिलीप सिंह और उनकी संस्था लगे हुए हैं। श्री सिंह ने कांवरियों को किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर युवा संघर्ष मोर्चा से संपर्क करने का आग्रह किया है। मौके पर टाइगर चौरसिया, सुजीत कुमार, राम लखन,टार्जन भुईया,रामआशीष चौरसिया,गोलू , कुंदन सिंह और अनिल अग्रवाल उपस्थित थे।

जेपीएससी में सफल गौरव और विवेक को किया गया सम्मानित

बाघमारा(एप्र)। लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल ने अध्यक्ष शशीकांत शरण के कुशल नेतृत्व में जेपीएससी परीक्षा में 63वां स्थान प्राप्त कर डीएसपी पद के लिए चयनित केशरगढ के गौरव और बाघमारा के लाल विवेक कुमार चौधरी को उनके आवास पहुंचकर शाल ओढ़ाकर, पुष्प देकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल के सदस्यों ने विवेक कुमार चौधरी की सफलता पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विवेक कुमार चौधरी की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार को, बल्कि पूरे क्षेत्र को गर्व है। इसके अलावा, लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल ने बाघमारा बाजार पहुंचकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में क्लर्क पद के चयनित अजय साहू की सुपुत्री अनुराधा कुमारी को भी शाल ओढ़ाकर, पुष्प देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर लायंस क्लब के सदस्यों ने अनुराधा कुमारी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की सम्मानित करने वाले में मुख्य रूप से अध्यक्ष लायन शशीकांत शरण, पूर्व अध्यक्ष लायन लक्ष्मण रवानी, लायन मदन मोहन महतो, लायन लक्ष्मी कांत मिश्रा (बब्लू मिश्रा), लायन बिनोद कुमार मिश्रा, और लायन गणेश कुम्हार उपस्थित थे। लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल की इस पहल से क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी और वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल के इस सम्मान समारोह ने न केवल विवेक कुमार चौधरी और अनुराधा कुमारी को सम्मानित किया, बल्कि क्षेत्र के युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

अवैध खनन के खिलाफ हुई छापेमारी अवैध मुहानों को किया बंद

अलकडीहा(एप्र)। पहाड़ी गोड़ा में हो रहे अवैध खनन के खिलाफ एनटीएसटी जिनागोडा प्रबंधन,अलकडीहा ओपी पुलिस और सीआईएसएफ ने रविवार को मिलकर छापामारी की। छापे के दौरान कोयला तस्कर और अवैध उत्खनन में संलग्न लोग भाग गए। छापेमारी के बाद मिले अवैध मुहानों को प्रबंधन द्वारा भर दिया गया है। प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि वे किसी भी हालत में अवैध उत्खनन को नहीं चलने देंगे। इस भराई के दौरान सीआईएसएफ की टीम और अलकडीहा पुलिस भी उपस्थित थी। यह बताया गया है कि पहाड़ी गोड़ा कोयला तस्करों का एक प्रमुख केंद्र बन गया है, जहां सालभर अवैध खनन होता है। हालांकि, जब भी छापेमारी होती है और मुहानों को भर दिया जाता है, तस्कर जल्दी से किसी दूसरी जगह नया मुहाना खोल लेते हैं। इन नए मुहानों से वे बाहरी श्रमिकों को लाकर कोयला निकालते हैं और फिर इसे जंगल में छिपा देते हैं। रात में ट्रकों के माध्यम से कोयले को कुसमाटांड़ और सिंदरी की ओर भेजा जाता है।सुरूंगा शिव मंदिर के पास भी अवैध उत्खनन हो रहा है, जिसके कारण एक साल पहले मंदिर का एक हिस्सा धंस गया था और उस समय भारी मात्रा में कोयला जब्त किया गया था। जंगल में जाने वाले रास्तों को झाड़ियों से ढका जाता है ताकि कोई बाहर न जा सके, जिससे तस्करों को कोयले के कारोबार में आसानी हो। इसके अलावा, तस्करों के गुर्गे विभिन्न स्थानों पर तैनात रहते हैं और आने-जाने वालों पर नजर रखते हैं।

हमें अपनी भारतीय संस्कृति और ऋषियों की ज्ञान परंपरा पर गर्व होना चाहिए: दीपिका पांडेय

रांची(एप्र)। पुराना विधानसभा सभागार में रविवार को केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा और अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य भारती, झारखंड इकाई के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा और समकालीन समाज विषयक एक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिंदी साहित्य, भारतीय संस्कृति और शिक्षा से जुड़े अनेक विद्वानों, साहित्यकारों, शोधार्थियों और प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। इस अवसर पर झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने मोबाइल के जरिए सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी भारतीय संस्कृति और ऋषियों की ज्ञान परंपरा पर गर्व होना चाहिए।

जब तक हम अपनी परंपराओं और मूल्यों को आत्मसात नहीं करेंगे, तब तक भारत को पुनः विश्वगुरु के रूप में स्थापित करना कठिन होगा।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य भारती द्वारा वैश्विक स्तर पर हिंदी व संस्कृति संवर्धन के प्रयासों की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी में सांस्कृतिक चेतना विकसित होती है। हमारी संस्कृति और परंपरा केवल गौरवशाली अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि एक जीवंत धरोहर है : सीपी सिंह मुख्य अतिथि रांची विधायक, सी.पी. सिंह ने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपरा केवल गौरवशाली अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि एक जीवंत धरोहर है, जो हमारे जीवन को दिशा देती है। आज जब दुनिया में सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है, ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम अपनी अगली पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। हिंदी साहित्य भारती और केंद्रीय हिंदी संस्थान का यह प्रयास अनुकरणीय है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे भारतीय दर्शन, इतिहास और भाषा को आत्मसात करें और जीवन के हर क्षेत्र में भारतीयता को गौरव के साथ स्थापित करें। अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र शुक्ल ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा हमारे ऋषियों की वाणी और वैदिक संस्कृति की वह मूलभूत अवधारणा है, जो संपूर्ण विश्व को दिशा दे सकती है। हमें इसे आधुनिक संदर्भों में पुनर्परिभाषित कर समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाना होगा। गौ सेवा आयोग, झारखंड के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना का यह एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने इसे विचारों का उत्सव बताया। इसके अलावा केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रंजन कुमार दास हिंदी साहित्य भारती के केंद्रीय महामंत्री रामनिवास शुक्ल थे द्वितीय सत्र की अध्यक्षता करते हुए ,डॉ. नरेंद्र मिश्र ने संगोष्ठी की सफलता की प्रशंसा करते हुए संयोजकों को बधाई दी। संयोजन अजय राय ने कहा कि यह संगोष्ठी भारतीय संस्कृति और झारखंड की स्थानीय परंपराओं के समन्वय का सशक्त माध्यम है।

प्रमुख रूप से बलराम पाठक, कुमार मनीष अरविंद, राकेश कुमार,डॉ. संगीता नाथ, डॉ. आशा गुप्ता, जिला अध्यक्ष, सिंहभूम ,श्रीमती रेणु बाला मिश्रा, श्रीमती अरुणा झा, डॉ. स्नेह लता, दीपेश निराला मुकेश साहू सहित कई अन्य ने भाग लिया।

बाल कांवड़ियों ने किया पहाड़ी बाबा का जलाभिषेक, हर- हर बम-बम से गूंजा मंदिर

रांची(एप्र)। हर-हर बम-बम पहाड़ी बाबा दूर है जाना जरूर है भगवान भोले नाथ के जयकारों के साथ रविवार को नक्षत्र वन से बाल कांवड़ यात्रा 2025 निकाली गयी। इसमें काफी संख्या में बाल कांवड़ियां शामिल हुए। यात्रा की शुरूआत शिव पार्वती के स्वरूप सजीव झांकी की आरती के साथ हुई। इसमें शामिल बाल कांविरया हाथों में कांवर-जल लेकर पहाड़ी विभीन्न मार्गो से होकर पहाड़ी मंदिर पहुंचे और महाकाल मंदिर में बाबा का जलाभिषेक किया। कावड़ यात्रा में मुख्य आकर्षण का केंद्र रथ में सवार शिव-पार्वती की सजीव झांकी थी। इस बार रांची के अलावा पलामू, दुमका, हजारीबाग सहित कई जिलों के बच्चें भी कांवड़ यात्रा में शामिल हुए. मारवाड़ी युवा मंच रांची नारनौलिया अग्रवाल संघ ने भी बच्चों का भव्य स्वागत किया। संस्थापक अध्यक्ष राजेश साहू विधायक सी पी सिंह पत्रकार विजय पाठक, गौ सेवा आयोग अध्यक्ष राजीव रंजन, कुणाल अजमानी , स्वामी दिव्यानन्द जी,रवि प्रसाद , महेश सोनी , मुरारी मंगल, राम सिंह, रंजीता पांडेय, सुनील यादव, बादल सिंह सहित कई अन्य गणमाण्य व्यक्ति शामिल थे।

नाग पंचमी 29 को, पहाड़ी मंदिर के नाग मंदिर में होगी विशेष पूजा-अर्चना

रांची(एप्र)। सावन मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर मनाया जाने वाला पवित्र पर्व नाग पंचमी मंगलवार को मनाया जाएगा। इसे लेकर राजधानी के ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर के नाग मंदिर में नाग देवता की विशेष पूजा-अर्चना होगी। जहां पर पाहन अपने पारंम्परीक रिती रिवाज के साथ नाग देवता की पूजा-अर्चना दूध, लावा के साथ करेगें।

इसके अलावा आम भक्त भी नाग देवता की पूजा-अर्चना के साथ पहाड़ी बाबा की पूजा-अर्चना करेंगे। नाग पंचमी की पूजा की पौराणिक जड़ महाभारत से जुड़ी है। राजा परीक्षित की मृत्यु के बाद उनके पुत्र जनमेजय ने सर्प-यज्ञ आरंभ किया था, जिससे समस्त नाग जाति अग्नि में जलने लगी। तब ऋषि आस्तिक ने यज्ञ रोक दिया और इसी पंचमी तिथि को नाग जाति की रक्षा की गई। तब से यह दिन सर्पों की पूजा के रूप में मनाया जाता है।इसके अतिरिक्त, इस दिन भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कालिया नाग को पराजित करने की कथा भी जुड़ी हुई है, जो पवित्र ऊर्जा एवं अहंकार विनाश का प्रतीक है। नाग देवता को हिंदू धर्म में पशु नहीं, कभी-कभी दिव्य शक्तियों के रूप में पूजा जाता है। माना जाता है कि उनकी पूजा से कालसर्प दोष, पितृ दोष, सर्प काटने का भय, तथा अन्य ग्रह दोषों का निवारण संभव है। साथ ही नागों को वर्षा, उर्वरता और प्राकृतिक संतुलन से जोड़ा जाता है, इसलिए उनकी पूजा से धन-धान्य, स्वास्थ्य, और परिवारिक शांति की कामना की जाती है। इस पर्व की एक गहरी सामाजिक शिक्षा भी है,प्रकृति के साथ सह अस्तित्व। संसाधन सतत रहने के लिए खेतों की खुदाई न करने की परंपरा, सांपों को नुकसान न पहंचाने का संदेश और ग्रामीण जीवन में जीव-जन्तु के प्रति संवेदनशीलता का सम्मान इस पर्व के मूल में है।

स्कूटी सवार युवक ने की 40 हजार की छिनतई, जांच में जुटी पुलिस

धनसार(एप्र)। धनसार थाना क्षेत्र के टेम्पल रोड के पास रविवार को आशीर्वाद कंपनी के दूध के कर्मचारी करण कुमार साव से एक युवक ने 40 हजार रुपये की छिनतई की। करण ने इस मामले में धनसार थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। भुक्तभोगी ने पुलिस को बताया कि कंपनी का नाम श्री लक्ष्मी मिल्क है। वह हर दिन की तरह कंपनी के टेम्पो से दूध बेचने और पैसे इकट्ठा करने के बाद हीरापुर से लौट रहे थे, जब टेम्पल रोड के पास एक युवक स्कूटी से आया। उसने उनका टेम्पो रोका और उनपर हमला कर दिया, जिसके दौरान करण की जेब से 40,000 रुपये छीन लिए गए और उनका मोबाइल भी तोड़ दिया गया। करण ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद जब उन्होंने युवक के बारे में जानकारी जुटाई, तो पता चला कि उसका नाम गुड्डू है और वह टिकियापाड़ा का निवासी है। सूचना मिलते ही धनसार पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की, साथ ही गुड्डू की तलाश कर रही है।

भाकपा-माले सचिव गोपाल महतो के नेतृत्व में स्थानीय समिति का चुनाव हुआ संपन्न

गुरु चरण मोहली बने स्थानीय समिति सचिव

धनबाद(एप्र)। बड़ा पिछड़ी मोहली टोला में रविवार को गोविंदपुर प्रखंड के भाकपा-माले के सचिव गोपाल महतो के नेतृत्व में बड़ा पिछड़ी पंचायत की स्थानीय समिति का चुनाव शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से सम्पन्न हुआ। इस चुनाव में पंचायत के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में सभी सदस्यों की सहमति से गुरु चरण मोहली को स्थानीय समिति का सचिव चुना गया, जो उनकी नेतृत्व क्षमता और लोगों के बीच लोकप्रियता को प्रदर्शित करता है। बैठक में विभिन्न वर्गों और समुदायों की भागीदारी देखी गई, जिसमें विशेष रूप से महिलाओं की उपस्थिति उल्लेखनीय थी, जो पंचायत में उनकी बढ़ती भागीदारी का संकेत देती है। बैठक में सखी दास, जलेश्वर मोहली, कालाचंद मोहली, बन्धु मोहली, शंकर रजक, जितेन्द्र मोहली, सुनील मोहली और कई महिलाएं जैसे आशा देवी, सुभद्रा देवी, किरण देवी, अनिता कुमारी, अंजली देवी, सावनी देवी, लक्ष्मी कुमारी, हेमंती देवी, निर्मला देवी, संजली देवी, सिम्माती देवी, जमुना देवी, लाल मुनी, देवी भवानी देवी, प्रमुला देवी, पंचमी देवी आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहीं। इस अवसर पर गांव के सामुदायिक और सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई और एरिया कमिटी की प्राथमिकताओं पर सहमति बनी। बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने नवनिर्वाचित सचिव गुरु चरण मोहली को शुभकामनाएं दीं और पंचायत के विकास के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। इस चुनाव और बैठक की प्रमुख विशेषता सर्वसम्मति, प्रतिनिधित्व, और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता थी, जो स्थानीय लोकतंत्र और सहयोग की भावना को मजबूत बनाती है।

गौतम मंडल बने शहीद मनींद्र नाथ मंडल फाउंडेशन के अध्यक्ष

धनबाद(एप्र)। शहीद मनींद्र नाथ मंडल की 76वीं जयंती और शहीद मनींद्र नाथ मंडल चौक, मेमको मोड़, धनबाद के स्थापना दिवस के अवसर पर एक विशेष तैयारी बैठक का आयोजन रविवार को मिलोनो होटल एंड बैकक्वेट परिसर हीरक रोड, धनबाद में संपन्न हुआ।बैठक की अध्यक्षता मंडल समाज के केंद्रीय अध्यक्ष और महाधिवक्ता कंसारी मंडल ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव शैलेन मंडल ने किया।इस बैठक में विभिन्न समाज के समाजसेवी और प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए।सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि शहीद मनींद्र नाथ मंडल केवल मंडल समाज तक सीमित नहीं थे, बल्कि झारखंड आंदोलनों के लिए भी एक महत्वपूर्ण नेता थे। इसलिए सभी समाज के सामाजिक व्यक्तियों से एक सामूहिक बैठक में शहीद मनींद्र नाथ मंडल फाउंडेशन, धनबाद का गठन किया गया।इस फाउंडेशन के संरक्षक कंसारी मंडल, रेखा मंडल, मोहम्मद पैगाम अली, गणेश चौरसिया, विश्वनाथ मंडल, सारथी मंडल, राजकुमार कर्मकार, धरनीधर मंडल, सुनील मंडल, फटीक मंडल, बी. सी. मंडल, डोरा मंडल, डॉ. माधव चंद्र मंडल और प्रो. प्रमोद मंडल को नियुक्त किया गया।वही फाउंडेशन के अध्यक्ष बने गौतम कुमार मंडल, सचिव पंकज मंडल, कोषाध्यक्ष चिरंजीत मंडल, उपाध्यक्ष मोहम्मद जलालुद्दीन अंसारी, राजेश मंडल, विष्णु हाजरा, कैलाश महतो, प्रकाश मंडल, जॉन स्मिथ और बेबी मंडल। संयुक्त सचिव के रूप में किरिटी मंडल, पप्पू मंडल, और संतोष हेंब्रम को नामित किया गया। सलाहकारों में प्रफुल्ल मंडल, शैलेन मंडल और राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में जमशेदपुर के सन्नत मंडल शामिल हैं, और मीडिया प्रभारी जादू मंडल एवं अंकुर मंडल हैं। इसके अलावा, 15 कार्यकारी सदस्यों की नियुक्ति भी की गई।इस फाउंडेशन का उद्देश्य शहीद मनींद्र नाथ मंडल के जयंती और पुण्यतिथि का आयोजन, स्थापना दिवस और राष्ट्रीय त्योहारों जैसे 15 अगस्त और 26 जनवरी का सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य करना है। इसके साथ ही, शहीद मनींद्र नाथ मंडल की प्रतिमा की देखभाल और सौंदर्यकरण जल्दी ही फाउंडेशन के माध्यम से किया जाएगा।बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय अध्यक्ष कंसारी मंडल, रेखा मंडल, सन्नत मंडल, धरनीधर मंडल, मंडल समाज के जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मंडल, शैलेन मंडल, सुनील मंडल, विजय मंडल, नारायण मंडल, सत्यजीत मंडल, हिरेन मंडल, प्रदीप मंडल, खिरोधर मंडल, प्रभाष मंडल, अशोक मंडल, फटीक मंडल, साधन मंडल, सुबल मंडल, सुनील मंडल, विष्णु हजारा, कुमोद महतो, मोहम्मद जलालुद्दीन, संतोष हेंब्रम, जॉन स्मिथ, कैलाश महतो, रणजीत हाजरा, राहुल, अनिकेत, सचिन, रवि और कई अन्य उपस्थित थे।

अवैध मिनी शराब फैक्टरी का पुलिस ने किया उद्भेदन

अलकडीहा(एप्र)। झरिया पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली। लगातार मिल रही गुप्त सूचनाओं के आधार पर रविवार को पुलिस ने छापेमारी की और भारी मात्रा में अवैध नकली अंग्रेजी शराब बरामद की। बताया जाता है कि झरिया थाना क्षेत्र के भागा दो नंबर 3 एस क्लब के पीछे एक घर में अवैध नकली शराब बनाने की मिनी फैक्टरी का पदार्फाश हुआ है, जहां से पुलिस ने रॉयल स्टैग, ब्लेंडर, सिग्नेचर, एंटी क्विटी, रेड लेबल समेत कई ब्रांडों की नकली शराब बरामद की। इसके अलावा, घर से स्प्रिट, ड्रम, पैकिंग मशीन, विभिन्न ब्रांड के रैपर और शराब बनाने के कई उपकरण भी प्राप्त हुए हैं। बरामद की गई अवैध शराब और अन्य सामान को झरिया पुलिस थाने लाया गया है। हालांकि, इस मामले में किसी की गिरफ्तारी हुई है या नहीं, इस पर पुलिस की ओर से खबर लिखे जाने तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

एक नजर

मुखिया संघ ने प्रदीप यादव को सौंपा ज्ञापन

मोहनपुर (एप्र)। मोहनपुर प्रखंड मुखिया संघ की एक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बैठक में घोंघा पंचायत के मुखिया पति अनिल यादव पर हाल ही में हुई घटना की निंदा की गई। मुखिया संघ ने इस घटना को जनप्रतिनिधियों की गरिमा और लोकतंत्र पर सीधा प्रहार बताते हुए इसमें शामिल सभी नामजद आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की। संघ ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो प्रखंड स्तर पर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। बैठक के दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव भी उपस्थित थे। विधायक को मुखिया संघ की ओर से उन्हें इस गंभीर घटना को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें उन्होंने इस मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेने और पीड़ित को न्याय दिलाने हेतु उचित स्तर पर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

भारत विकास परिषद् के मुकेश जैन और पूरण चंद्र पहुंचे देवघर

देवघर (का.प्र)। भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं राष्ट्रीय संयोजक संस्कार मुकेश जैन तथा पूर्वी क्षेत्रीय महासचिव पूरण चन्द्र खूंटिया का दो दिवसीय उत्तर झारखण्ड प्रवास में दोनों अधिकारी देवघर और धनबाद के प्रवास पर हैं। दोनों पदाधिकारियों ने बाबा मंदिर में दर्शन किया। शाखा के कोषाध्यक्ष एसपी भुईयां बिलास ने दोनों को दर्शन कराने में सहयोग किया। परिषद के देवघर और बैद्यनाथधाम शाखा की कार्यकारिणी समिति के साथ अलग-अलग संगठनात्मक और गतिविधि संचालन पर चर्चा किया गया और आवश्यक निर्देश दिए गए। दोनों शाखाओं देवघर और बैद्यनाथधाम शाखा की संयुक्त बैठक हुई, जिसमें दोनों पदाधिकारी शामिल हुए। इनके साथ उत्तर झारखंड प्रांत के महासचिव प्रकाश चन्द्र सिंह तथा संगठन मंत्री बी. बी. दास भी बैठक में शामिल रहे। मुकेश जैन ने परिषद के सबसे प्रमुख संस्कार प्रकल्प के कार्यक्रमों और राष्ट्रीय कैलेंडर पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। संयुक्त बैठक के उपरांत मुकेश जैन, पूरण चन्द्र खूंटिया और बी. बी. दास ने परिषद के श्रावणी मेला शिविर आए जहां शाखा सचिव श्रीमती कंचन शेखर और प्रीति कुमारी, किरण बरनवाल ने उनका स्वागत किया। तीनों अतिथियों ने शिविर में कांवरियों की स्वास्थ्य सेवा एवं फल वितरण भी किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में शाखा सचिव कंचन शेखर, कोषाध्यक्ष एसपी. भुईयां बिलास, संपर्क संयोजक अभय कुमार, सेवा संयोजक रंजीत बरनवाल, पर्यावरण संयोजक प्रशांत कुमार सिन्हा सहित संजीत सिंह, निरंजन कुमार सिंह, राम किशोर सिंह, संतोष सिंह, निर्मल कुमार, आशा कुमारी प्रसाद आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निशा की सफलता पर गांव में जश्न बधाई देने वालों का लगा तांता

देवीपुर (एप्र)। प्रखंड के जितजोरी पंचायत स्थित गिधैया गांव की बेटी निशा यादव ने जेपीएससी की मुख्य परीक्षा में 87 वीं रैंक प्राप्त कर पूरे जिले का मान बढ़ाया है। निशा ने 25 वर्ष की उम्र में यह सफलता प्राप्त की है। वह एक साधारण किसान परिवार से आती हैं। उनके पिता राजेंद्र यादव खेती करते हैं और माता झरना यादव एक घरेलू महिला हैं। इस सफलता पर देवीपुर सीओ खोपलाल राम, थाना प्रभारी संदीप कृष्णा, भाजपा नेता बबलू पासवान, राजद प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश यादव, प्रमुख प्रमिला देवी, मौके पर निशा के बड़े पापा नरेश यादव, राजेंद्र यादव पापा, मम्मी कुमारी झरना यादव , देवेंद्र यादव, प्रमुख प्रतिनिधि नीलम यादव, प्रखंड अध्यक्ष कांग्रेस नरेश यादव, शिव शंकर यादव निशा के घर पहुंचे और उन्हें बधाई दी। ग्रामीण परिवेश में सीमित संसाधनों के बीच पली-बढ़ी निशा ने जिस तरह से यह सफलता अर्जित की है, वह समाज के हर वर्ग, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। निशा की इस उपलब्धि से न केवल उनका परिवार, बल्कि पूरा गिधैया गांव और देवीपुर प्रखंड गौरवांवित है। गांव में जश्न का माहौल है, और लोग मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। हर कोई इस होनहार बेटी को आशीर्वाद दे रहा हैं। निशा ने अपने मेहनत और लगन से यह संदेश दिया है कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और संकल्प दृढ़ हो, तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती। उनकी यह सफलता निश्चित ही उन हजारों युवाओं को प्रेरित करेगी, जो संघर्ष कर रहे हैं।

कोयले की कमी से गहरा सकता है बिजली संकट : अशोक

देवघर (का.प्र)। डेमोक्रेटिक कोलियरी मजदूर यूनियन के संस्थापक महासचिव अशोक वर्मा ने कहा कि वर्षों पुरानी चितरा कोलियरी में 19 वां दिन भी कोयले की ढुलाई ठप रही। इस संबंध में हुए आधे दर्जन बैठकें बेनतीजा रही। लगता है इन दिनों चितरा पर काली छाया लग गई है, जो दुखद और चिंता का विषय है। कोलियरी से 50 हजार लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। अशोक ने कहा कि डंपर और हाईवा के चक्कर में ढुलाई बंद है, जिसके वजह से बिजली उत्पादन करने वाली थर्मल पावर बाढ़ और फरक्का में यहां से कोयले की आपूर्ति ठप है। हफ्ता भर ढुलाई की स्थिति यही रही तो बाढ़ और फरक्का थर्मल पावर में भी विद्युत आपूर्ति पर संकट पैदा हो जाएगा। प्रबंधन द्वारा निर्दोष मजदूरों का एक दिन का वेतन काटना आग में घी डालने का काम किया। मजदूरों की मांग जायज है मजदूर और कर्मचारी आक्रोश में सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कल देवघर में

देवघर(का.प्र)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश 29 जुलाई को देवघर आ रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस के सेवा शिविर में कांवरियों की सेवा करेंगे। जिलाध्यक्ष प्रो. उदय प्रकाश के नेतत्व में प्रदेश अध्यक्ष के आगमन पर देवघर एयरपोर्ट पर स्वागत से लेकर सेवा शिविर तक देवघर जिला कांग्रेस के नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित रहेंगे। उक्त आशय की जानकारी जिला महासचिव-सह-प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

सूरज झा ने सेवा और समर्पण की पेश की मिसाल, कांवरियों को करा रहे भोजन

शिविर में हर दिन कांवरियों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था

श्वेत पत्र/देवघर (का.प्र)। झामुमो नेता सह समाजसेवी सूरज झा श्रावणी मेले में सेवा और समर्पण की अद्भुत मिसाल पेश कर रहे हैं। कांवरिया पथ दर्शनियां मोड़ के पास परिणय वाटिका में सेवा शिविर लगाकर हर दिन कांवरियों को निःशुल्क भोजन करवा रहे हैं। शिविर में रोजाना 1200 से अधिक कांवरियों को भोजन कराया जा रहा है। रविवार रात को कांवरियों को पुड़ी, सब्जी, चावल और बुंदिया खिलाया गया। कांवरियों ने लंगर में भोजन किया और सूरज झा के प्रयासों की सराहना की। मौके पर झामुमो के वरिष्ठ नेता सरोज सिंह भी मौजूद थे। उन्होंने भी अपने हाथों से कांवरियों के बीच लंगर का प्रसाद वितरित किया।

शिविर से गंगा-जमनी तहजीब का संदेश

सूरज झा ने बताया कि उनका शिविर गंगा-जमनी तहजीब की एक मिसाल भी है। यह शिविर पूर्व मंत्री सह झामुमो के वरिष्ठ नेता रहे स्व. हाजी हुसैन अंसारी की याद में लगाया गया है। क्योंकि हाजी साहब हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे और मुस्लिम होने के बाद भी श्रावणी मेला में कांवरियों की सेवा व सत्कार में लगे रहते थे। इसलिए उनके विचार को जीवित रखने के लिए शिविर का संचालन किया जा रहा है।

शुद्धता का विशेष ख्याल

सूरज झा ने बताया कि उनके शिविर में निःशुल्क भोजन के अलावा कांवरियों के आवासन, शौचालय, स्नान, मोबाइल चर्जिंग, विश्राम, चाय-शर्बत, प्राथमिक उपचार आदि की व्यवस्था भी निःशुल्क है। शिविर में परोसे जा रहे व्यंजन सभी की शुद्धता व स्वच्छता का विशेष ख्याल रखा जाता है। शिविर के सफल संचालन में टीम सूरज के दर्जनों समर्पित सदस्य अपना योगदान दे रहे हैं।

सावन की तीसरी सोमवारी आज

चार लाख कांवरियों के देवघर पहुंचने का अनुमान

डीसी ने लिया कांवरिया पथ और मेला क्षेत्र का जायजा

देवघर (का.प्र)। सावन की तीसरी सोमवारी 28 जुलाई को है। इसे लेकर प्रशासन मुस्तैद है। तीसरी सोमवारी पर चार लाख से अधिक भक्तों के जलार्पण करने का अनुमान प्रशासन ने लगाया है और उस अनुरूप तैयारी की गई है। सोमवारी को लेकर रविवार दोपहर से ही कांवरिया पथ में शिव भक्तों की भीड़ बढ़ने लगी थी। सोमवारी पर जलार्पण करने के लिए रविवार रात से ही कांवरिये कतारबद्ध होने लगे थे। दुम्मा से लेकर देवघर और संपूर्ण मेला क्षेत्र बोलबम के जयघोष से गुंजायमान हो रहा है। उधर, सावन के 17 वें दिन रविवार को बाबाधाम में कांवरियों की भीड़ उमड़ पड़ी। कांवरिया पथ से लेकर पूरा रूट लाइन बाबा मंदिर का आसपास का क्षेत्र का शिवभक्तों से पटा रहा। रविवार सुबह से ही कांवरियों का काफिला निरंतर बाबा धाम की ओर बढ़ता रहा। बोल बम के नारे के साथ कांवरिया बाबा की भक्ति में बढ़ते चले जा रहे थे। बिहार झारखंड की सीमा दुम्मा में प्रवेश करते ही कांवरिये पूरे जोश एवं उत्साह से भरकर सोमवारी पर जलार्पण के लिए बाबा धाम की ओर बढ़ने लगे। पूरा कांवरिया पथ कांवरियों से गुलजार रहा। दिन भर कांवरियों के आने का सिलसिला निरंतर चलता रहा। कांवरिया पथ में कहीं तिल रखने तक की जगह नहीं थी।

सोमवारी का असर रविवार से दिखने लगा

इधर रविवार को भी कांवरियों की कतार नंदन पहाड़ तक पहुंच गई थी। रविवार सुबह 3:05 बजे बाबा मंदिर का पट खोल गया और सबसे पहले कांचा जल एवं प्रातः कालीन पूजा के बाद सुबह 4:00 बजे से कांवरियों का जलार्पण आरंभ कराया गया। सुबह जैसे ही जलार्पण आरंभ कराया गया कतार में लगे कांवरिया पूरे जोश में भर गई और बोल बम के नारे के साथ आगे बढ़ने लगे। वही मंदिर प्रांगण में लगे बाहरी अर्घ में भी जलपान के लिए कांवरियों की भारी भीड़ लगी रही लंबी कतार से बचने के लिए बहुत से कांवरिया बाहरी अर्घा में ही जलार्पण कर रहे थे। बाहरी अघार्में भी कांवरियों की कतार लगी रही। इधर रविवार एवं सोमवार की होने वाले भीड़ को लेकर प्रशासनिक स्तर पर पूरी तैयारी की गई थी। रूट लाइन में तैनात सभी अधिकारियों को कडा दिशा निर्देश दिया गया था कांवरियों के साथ विनम्रता पूर्वक व्यवहार करते हुए बिना गैप के कांवरियों की कतार को आगे बढ़ते जाएं और प्रशासन का लक्ष्य रहा था कि अधिक से अधिक कांवरियों को रविवार को ही जलार्पण कराया जा सके ताकि सोमवारी पर भीड़ का दबाव ज्यादा ना हो। इसके लिए पूरी तेजी के साथ कतर को बढ़ाया जा रहा था। इधर रविवार जैसे जैसे दिन चढ़ता जा रहा था कांवरियों के आने का सिलसिला भी बढ़ता जा रहा था।

तीसरी सोमवारी पर प्रशासन की होगी अग्नि परीक्षा

रविवार शाम होते-होते कांवरियों की भीड़ का महाकुंभ बाबा नगरी में जमा होने लगा।हर कोई सोमवारी पर जलार्पण के लिए बाबा नगरी में जमा होने लगे। सावन की तीसरी सोमवारी प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित होती है। तीसरी सोमवारी पर ही कांवरियों की सबसे अधिक भीड़ बढ़ती है। सोमवारी पर जलार्पण के लिए रविवार रात से ही कांवरिये कतार में लगने लगे। रविवार को भी रात दस बजे के बाद तक जलार्पण का सिलसिला चलता रहा। रविवार को पट बंद होने तक लगभग 2.75 लाख से अधिक कांवरियों ने बाबा का जलाभिषेक किया। इधर सोमवारी पर जलार्पण के लिए रात से ही कांवरिये कतार में लगने लगे। रविवार आधी रात को ही कांवरियों की कथा मंदिर से 5 किलोमीटर दूर चमारीडीह तक पहुंच गई थी और कांवरियों के आने का काफिला भी निरंतर चलता ही जा रहा था।

आज फिर शिवलोक परिसर में होगा ड्रोन शो

देवघर (का.प्र)। राजकीय श्रावणी मेला- 2025 को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां विश्वस्तरीय हुई है। साथ ही मेले की भव्यता और दिव्यता के अनुरूप श्रद्धालुओं को कई नए और अनोखे अनुभव भी प्राप्त होंगे। इसी क्रम में तीसरी सोमवारी पर 28 जुलाई को दोबारा ड्रोन शो का आयोजन शिवलोक परिसर से हो रहा है। साथ ही बाबा मंदिर की परिधि से पांच किलोमीटर तक के दायरे में ये अद्भुत नजारा श्रद्धालुओं को शाम 8 बजे के बाद आकाश में देखने को मिलेगा।

नहीं पहुंची एनडीआरएफ, ग्रामीणों ने तालाब से निकाली लाश

मोहनपुर (एप्र)। प्रखंड के सिकटिया गांव में शनिवार को कपड़ा धोने के दौरान 12 वर्षीय किशोरी सीता कुमारी की तालाब में डूब गई थी। स्थानीय गोताखोरों के प्रयास के बाद भी बच्ची नहीं मिली थी। तब जाकर एनडीआरएफ की टीम को सूचना दी गई। लेकिन शनिवार को शाम हो जाने के कारण टीम नहीं पहुंची। ग्रामीण रविवार सुबह में टीम के पहुंचने का इंतजार कर रहे थे, लेकिन टीम नहीं आई तो स्थानीय गोताखोरों ने दोबारा प्रयास किया तो बच्ची की लाश तालाब में मिल गई। मौके पर पहुंची मोहनपुर पुलिस ने लाश को कब्जे में कर पोस्टमार्टम को भेज दिया। ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन एवं स्थानीय विधायक के द्वारा आश्वासन मिला था कि रविवार की सुबह में एनडीआरएफ की टीम पहुंच जाएगी लेकिन सभी कागजी का प्रक्रिया तैयार हो जाने के बाद भी टीम नहीं पहुंची, जिससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। मृतका के पिता पवन तांती ने बताया कि बेटी का पैर फिसल जाने से तालाब में डूब गई थी। स्थानीय गोताखोर ननदेव तांती ने बताया कि काफी मशक्कत के बाद लाश मिली। लाश तल में जाकर मिट्टी में धंस गई थी।

कल्लू ने किया चलंत कांवरिया सेवा कार्यक्रम का उद्घाटन

देवघर (का.प्र)। वैद्यनाथ चित्रगुप्त सभा की ओर से संचालित चलंत कांवरिया सेवा का उदघाटन रविवार को मशहूर भोजपुरी नायक अरविंद अकेला 'कल्लू' ने सभा के सचिव विनायक सिन्हा के बरमसिया स्थित आवास पर किया। मौके पर सभा के सचिव विनायक सिन्हा ने शॉल ओढ़ा कर कल्लू का स्वागत किया। चलन्त कांवरिया सेवा के जरिए सभा कांवरिया पथ में पुड़ी-हलवा और पानी का वितरण शुरू कर दिया गया है। सचिव विनायक सिन्हा ने कहा कि देवघर आने वाले शिवभक्तों की सेवा शिव पूजा के समान है। अतः वैद्यनाथ चित्रगुप्त सभा के सदस्य मास भर कांवरियों की सेवा में निःस्वार्थ भाव से लगे रहते हैं। शिविर के संचालन में सहयोग करने वाले मीरा सिन्हा, संजय सिन्हा, रश्मि बरियार, प्रवीण बैरियार, सिम्मी बैरियार, निम्मी सिन्हा, संदीप शंकर, मीनाक्षी सिन्हा, संगीत सिन्हा, रक्षित रंजन, रितिक रंजन का सचिव ने आभार जताया। मौके पर प्रदीप कुमार सिन्हा, विनायक सिन्हा, अजय प्रसाद, शैलेन्द्र कुमार, सौरभ कुमार, रमन अम्बष्ठ, विनय सिन्हा, अनय कुमार सिन्हा, प्रणय कुमार सिन्हा, उमेश कुमार सिन्हा, पंकज कुमार, राजेश कुमार, अजय प्रताप सिन्हा, संजय आनन्द, सुमन सिन्हा, अतुल सिन्हा, उदय प्रसाद, राजकुमार सिन्हा, अन्य सिन्हा, कुमार अभिषेक, अमिताभ कुमार सिन्हा, अजय प्रताप सिन्हा, संजय आनंद, सुमन कुमार सिन्हा, अतुल कुमार सिन्हा, उदय प्रसाद, राजकुमार सिन्हा, मनोज कुमार सिन्हा, प्रकाश चन्द्र वर्मा, गौरव सिन्हा, सुरज कुमार सिन्हा, प्रत्युष सिन्हा, विद्या सागर प्रसाद, लंबोदर प्रसाद, आशुतोष प्रसाद, राकेश रंजन, आदित्य प्रसाद, अदविक सिन्हा सहित दर्जनों सदस्य उपस्थित थे।

निगम ने आवारा पशुओं को पकड़ने का अभियान शुरू किया

देवघर (का.प्र)। श्रावणी मेले में कांवरियों की सुविधा को देखते हुए डीसी नमन प्रियेश लकड़ा के निर्देश पर नगर निगम आवारा पशुओं को पकड़ने और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का अभियान शुरू किया है। इस कड़ी में मंदिर व आस-पास के क्षेत्रों में सड़कों पर घूम रहे साड़ों को पकड़ा गया और उन्हें पशु एंबुलेंस से सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। श्रद्धालुओं व आमजनों से सुरक्षित करने के उदेश्य से कार्य किया जा रहा है। नगर आयुक्त रोहित सिन्हा के नेतृत्व में नगर निगम द्वारा आज अभियान चलाकर दर्जन भर सांड़ को पकड़ कर सुरक्षित स्थानों पर रखा गया। नगर आयुक्त ने बताया कि हरियाणा से बुल कैचर टीम और बुल कैचर वाहन के सहयोग से नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सांडों के साथ आवारा पशुओं को पकड़ने का काम किया जा रहा है। इस कड़ी में नगर निगम द्वारा सांडो को पकड़ने का काम शुरू कर दिया गया है। साथ ही जितने भी आवारा जानवर शहर के सड़कों पर घूम रहे है, उन्हें नगर निगम द्वारा पकड़ कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जायेगा। इसके अलावे नगर आयुक्त ने पशुपालकों से अपील की है कि अपने जानवर को सड़कों पर न छोड़े।

श्री राणी शक्ति दादी माताजी मंदिर में सिंधारा उत्सव संपन्न

देवघर(का.प्र)। बंपास टाउन स्थित श्री राणी शक्ति दादी माताजी मंदिर में हरियाली तीज पर सिंधारा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर माताजी के मंदिर के गर्भगृह को सुगन्धित पुष्पों से सजाया गया था। महिलाओं ने दादी जी का श्रृंगार किया। विशेष पूजन के पश्चात फूल एवं पत्तों से सजे झूले पर दादी जी को झुलाया गया। स्थानीय भजन गायिकाओं ने राजस्थानी लोक गीतों एवं मधुर भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों के साथ भाव नृत्य की भी प्रस्तुति की गई। संध्या आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। यह जानकारी मंदिर प्रबंध कमेटी के सचिव जगदीश प्रसाद मुंदड़ा ने दी।

हिन्दी दैनिक
श्वेत पत्र
आपकी बात सच के साथ
देवघर, सोमवार, 28 जुलाई, 2025

एक नजर

असम में मुसलमानों पर जुल्म का आरोप एसडीपीआई का विरोध प्रदर्शन

पाकुड़ (एप्र)। असम में मुसलमानों पर जुल्म, बेदखली, बुल्डोजर की कार्रवाई एवं दमनकारी नीति के आरोप में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी

ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन सदर प्रखंड अंतर्गत चांचकी गांव के पास किया गया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व एसडीपीआई के जिला अध्यक्ष मोबारक शेख ने किया। जिसमें सैंकड़ों की संख्या में एसडीपीआई के कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। असम सरकार के रवैए से कार्यकताओं में आक्रोश देखा गया। इस दौरान कार्यकताओं ने असम सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। कार्यकताओं ने बुलडोजर नहीं संविधान चलेगा, असम के मुसलमान अकेले नहीं है, जुल्म बंद करो, इंसाफ दो आदि के गगन भेदी नारे लगाए। एसडीपीआई जिलाध्यक्ष मोबारक शेख ने कहा कि असम सरकार जानबूझकर मुसलमानों को निशाना बना रही है। उन्हें घरों से बेदखल किया जा रहा है। उनके घरों को बुल्डोजर से गिराया जा रहा है और उन्हें अवैध घुसपैठिए कहकर बदनाम किया जा रहा है। यह सब संविधान, मानवाधिकार और न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। कार्यकताओं ने मांग किया कि असम में चल रही बुल्डोजर की कार्रवाई को तुरंत रोका जाए। जिन परिवारों को जबरन उजाड़ा गया है, उन्हें पुनर्वास की गारंटी दी जाए। असम सरकार की मुस्लिम विरोधी नीतियों की न्यायिक जांच कराई जाए। यह भी मांग किया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और न्यायपालिका इस मसले पर संज्ञान लें। जिलाध्यक्ष मोबारक शेख ने कहा कि एसडीपीआई यह स्पष्ट करती है कि वह हर मजलूम के साथ खड़ी है और जब तक जुल्म जारी रहेगा, संघर्ष भी जारी रहेगा। इस मौके पर एसडीपीआई के प्रदेश अध्यक्ष हंजिला शेख, उपाध्यक्ष पाकुड़ वाहेदुल शेख आदि मौजूद थे।

दिव्यांग बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर किट्स का किया गया वितरण

पाकुड़िया (एप्र)। प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित दीदी कैफे सभागार में शनिवार को समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत 3 से 18 आयु वर्ग दिव्यांग बच्चों के लिए जांच एवं वितरण शिविर का आयोजन किया गया। वहीं शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि झामुमो केंद्रीय कमेटी सदस्य पिंकी उपासना मरांडी, बीडीओ सोमनाथ बनर्जी, बीईईओ सुमिता मरांडी, डॉ मंजर आलम, बीपीएम प्रभात दास एवं एलिम्को टीम सहित अन्य के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया । इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के दिव्यांग बच्चों के बीच ट्राई साइकिल, व्हील चेयर,एमएसआईईडी किट, एडीएल, ब्रेल किट आदि कुल 51 दिव्यांग बच्चों बे बीच किट का वितरण किया गया। शिविर में झामुमो केंद्रीय कमेटी सदस्य पिंकी उपासना मरांडी ने उपस्थित अभिभावक एवं दिव्यांग बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा में जोड़ने के लिए सरकार की यह एक सार्थक प्रयास है। दिव्यांग बच्चे विद्यालय में आकर बाधा रहित वातावरण में शिक्षा ग्रहण करें एवं समाज का एक उत्पादक सदस्य बनकर समाज में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। इसके साथ ही शिविर में मौजूद दर्जनों बच्चों को एलिम्को डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य जांच की गई एवं नए दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण हेतु चयन किया गया। मौके पर रिसोर्स शिक्षक कवि कुमार, राजकुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीपीएम प्रभात दास, एलिम्को टीम के डॉक्टर सहित क्षेत्र के विभिन्न विद्यालय के शिक्षक एवं दिव्यांग बच्चे व अभिभावक उपस्थित थे।

मुख्य सड़क से मुहल्ले में घुस रहा गंदा पानी सीओ से कार्रवाई की मांग

महेशपुर (एप्र)। प्रखंड मुख्यालय स्थित अंबेडकर चौक के ग्रामीणों ने मोहल्ले में जाने वाली मुख्य सड़क पर घरों के गंदा पानी बहाने के मामले को लेकर सीओ संजय कुमार सिन्हा को लिखित आवेदन सौंपा है। ग्रामीण योगेश कुमार, महेश प्रसाद सिंह, कमलेश कुमार, महबूब आलम, सुमन कुमार साहा, दिलीप माल, अजय पाल, दिवाकर मंडल समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया है कि एक तरफ उपायुक्त के द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान के तहत सफाई अभियान चलाई जा रही है। अंबेडकर चौक से उन लोगों के मोहल्ले जाने वाले मुख्य सड़क पर कुछ लोग गंदे नाली का पानी और शौचालय का पानी बहा रहे हैं। साथ ही मुख्य सड़क पर बना नाली को भी अतिक्रमण कर जाम कर दिया गया है। जिससे मुख्य सड़क पर ही घरों के गंदा पानी बह रहा है जिससे आम जन आवाजाही करने में मजबूर है। ग्रामीणों ने बताया कि गंदा पानी रोड पर बहाने से मना करने पर विवाद होता है। तथा कहां जाता है कि जो करना है करो गंदा पानी रोड पर ही बहाएंगे। ग्रामीणों ने इसकी प्रतिलिपि उपायुक्त को भी सौपा है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारी से मांग किया है कि वैसे लोग जो अपने घरों के गंदा पानी सड़क पर बहा रहे हैं।

घर में घुसकर महिला से मारपीट, तोड़-फोड़

हिरणपुर (एप्र)। थाना क्षेत्र के कमलघाटी निवासी एक महिला के साथ मारपीट एवं गाली-गलौज का मामला प्रकाश में आया है। इसको लेकर पीड़िता अंजुमन खातून के लिखित शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। शिकायत में पीड़िता ने उल्लेख किया है कि बीते 4 जुलाई को हाथकाठी निवासी जियाउल अंसारी, राजू अंसारी, इकबाल अंसारी, यासिर अंसारी एवं एजाज अंसारी मेरे घर आकर मेरे बेटे की खोजबीन कर रहे थे। साथ ही भद्दी-भद्दी गालियां दे रहे थे। जिसका विरोध करने पर उक्त लोग मेरे साथ अभद्र व्यवहार करने लगे। वहीं मेरे घर मे घुसकर मेरे साथ मारपीट और गाली-गलौच करने लगे। जब बीच-बचाव के लिए मेरे पति आए तो सब ने मेरे पति के साथ भी मारपीट की एवं मेरे घर में तोडफोड़ किया। वहीं मेरे सोने का चेन छीन लिया। महिला ने आरोप लगाया है कि बकरीद में मेरे बेटे के कहने पर यासिर अंसारी को पांच हजार रुपए उधार दिए थे। जिसे वापस मांगने पर नाराज होकर मारपीट की गई। इसको लेकर थाना कांड संख्या 79/25 में विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। इस बाबत थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पियादापुर में 726 ग्राम गांजा के साथ मकान मालिक गिरफ्तार

दो इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन, प्लास्टिक पैकेट व 2920 रुपए कैश बरामद

पाकुड़ (एप्र)। एसपी निधि द्विवेदी की पूरी टीम गैर कानूनी धंधा चलाने वालों के नाक में दम कर रखा है। अवैध धंधों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। लॉटरी से लेकर ड्रग्स और गांजा जैसे गैरकानूनी धंधों का भंडाफोड़ हो रहा है। इसी बीच पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसपी निधि द्विवेदी को गुप्त सूचना मिलने के बाद नगर थाना क्षेत्र के पियादापुर में एक घर में छापेमारी कर गांजा के अवैध धंधे का पदार्फाश किया है। नगर थाना प्रभारी प्रयाग दास ने अपनी टीम के साथ छापेमारी कर 726 ग्राम गांजा बरामद किया है। इस दौरान धंधा चलाने वाले मकान मालिक दुलाल रविदास को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एसपी निधि द्विवेदी ने रविवार को अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस वार्ता में मीडिया कर्मियों से पूरी जानकारी साझा किया। एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिल रही थी कि नगर थाना क्षेत्र में अवैध तरीके से गांजा का व्यापार किया जा रहा है। इस पर अंकुश लगाने के लिए छापेमारी दल का गठन किया गया। इस छापेमारी टीम में दंडाधिकारी के रूप में बीडीओ समीर अल्फ्रेड मुर्मू शामिल थे। नगर थाना प्रभारी प्रयाग दास ने टीम का गठन कर अवैध गांजा की खरीद बिक्री और भंडारण करने वाले अपराध कर्मियों के विरुद्ध छापेमारी के लिए विशेष अभियान चलाया। एसपी ने बताया कि 25 जुलाई को विशेष अभियान में पियादापुर के बेलडांगा स्थित दुलाल रविदास नामक व्यक्ति के घर में गांजा के व्यापार की जानकारी मिली। इसके बाद टीम दुलाल रविदास के घर में छापेमारी कर 726 ग्राम गांजा बरामद किया गया।एसपी ने बताया कि गांजा के व्यापार में संलिप्त दुलाल रविदास को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में नगर थाना में कांड संख्या 203/2025 धारा 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया गया है। एसपी ने बताया कि मामले का अनुसंधान जारी है। इस धंधे में गिरफ्तार दुलाल रविदास ने अपनी संलिप्तता को स्वीकार किया है। एसपी ने बताया कि गांजा के व्यापार में और भी कई लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। एसपी ने बताया कि छापेमारी में घर से दो इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन बरामद हुए हैं। इनमें एक छोटा और एक बड़ा इलेक्ट्रोनिक वेट मशीन शामिल है। इसके अलावा गांजा पैकिंग करने वाला प्लास्टिक का ढाई सौ ग्राम पैकेट बरामद हुआ है। जबकि 2920 रुपए नगद भी बरामद किए गए हैं। इस छापेमारी टीम में पुलिस अवर निरीक्षक राहुल गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक विनोद कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सनातन मांझी, सहायक अवर निरीक्षक सुशीला माड़ी, हवलदार रिंकू यादव एवं आरक्षी संख्या 182 गंगा सागर भी शामिल थे। प्रेस वार्ता में नगर थाना प्रभारी प्रयाग दास मौजूद थे।

एमएसीपी सहित अन्य मांगों को ले विधायक को सौंपा ज्ञापन

पाकुड़िया (एप्र)। झारखंड राज्य झारोटेफ संघ के कर्मियों ने राज्य कमिटी के आह्वान पर महेशपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के नेतृत्व में पाकुड़िया प्रखंड इकाई ने प्रखंड अध्यक्ष इबरार आलम के नेतृत्व में जनसमर्थन रैली के माध्यम से महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रो स्टीफन मरांडी को उनके आवास पर मांग पत्र सौंपा। प्रखंड अध्यक्ष इबरार आलम ने कहा कि अन्य राज्य कर्मियों की भांति शिक्षक संवर्ग को एमएसीपी का लाभ देने, राज्यकर्मियों की सेवानिवृति की उम्र 62 वर्ष करने तथा केन्द्रीय कर्मियों की भांति राज्य कर्मियों को शिशु शिक्षण भत्ता का लाभ प्रदान करने को लेकर मांग पत्र सौंपा गया है। उन्होंने बताया कि प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्णयानुसार कर्मचारियों के 11 सूत्री ज्वलंत एवं न्यायोचित माँगो की पूर्ति हेतु पाँच चरणों में आन्दोलन आहूत है। आन्दोलन के प्रथम चरण 'हस्ताक्षर महाअभियान' में जिले के हजारों कर्मियों ने अपना हस्ताक्षर करते हुए सरकार से विषयांकित मोंगो को पूरा करने का अनुरोध किया है तथा दूसरे चरण में सभी प्रखण्ड मुख्यालयों में ध्यानाकर्षण रैली आहूत कर उपरोक्त मुद्दों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित कराने का प्रयास किया गया। इसी क्रम में आन्दोलन के तीसरे चरण में इन न्यायोचित मुद्दों पर विधायक का सहयोग एवं समर्थन हेतु जनसमर्थन रैली आहूत की गई। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव 2024 में सत्तारूढ़ दल ने उपरोक्त प्रमुख मुद्दों को अपने घोषणा-पत्र में सम्मिलित करते हुए इसे पूरा करने का वादा भी किया है। अतः उपरोक्त माँगो के समर्थन में कर्मचारियों का हस्ताक्षरित प्रति संलग्न करते हुए विधायक से आग्रह किया कि इन न्यायोचित माँगो की पूर्ति हेतु यथोचित पहल किया जाय। मौके पर संघ के सचिव सरीफ अंसारी, संजीव घोष, अशोक कुमार साह, माधव तिवारी, मुंसी मुर्मू, बिकास भक्ता, दुमका इकाई के वरिष्ठ नेता बैधनाथ सिंह एवं जुलकर अंसारी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

हाथीपांव ग्रस्त मरीजों को एमएमडीपी किट का वितरण

पाकुड़िया (एप्र)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया में शनिवार को डॉ मंजर आलम की उपस्थिति में डोमनगड़िया पंचायत के मुखिया सुभाष हेंब्रम के हाथों हाथीपांव से ग्रसित मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का वितरण किया गया। इस संबंध में डॉक्टर आलम ने बताया कि हाथी पांव से ग्रसित मरीजों को विकलांगता तथा एक्यूट अटैक से बचने के लिए रुग्णता प्रबंधन और विकलांगता रोकथाम किट प्रदान किया गया है ताकि मरीज अपने सूजन वाले स्थान को साफ सफाई एवं देखभाल कर सके। किट में एक बड़ा टब, मग, तोलिया, एंटीसेप्टिक, क्रीम,चप्पल, साबुन एवं एंटीसेप्टिक दवा दिया गया है। डॉ आलम ने हाथी पांव से ग्रसित मरीजों को प्रत्येक दिन सुबह एवं शाम को सुजन वाले जगह को साफ रखना है एवं रात को सोने के दौरान पैर को ऊंचे स्थान तथा तकिया में रखकर सोने को कहा। उन्होंने सभी मरीजों को सुजन कम करने के लिए प्रतिदिन व्यायाम करने की भी सलाह दी। मौके पर केटीएस संजय मुर्मू, बीपीएम प्रभात दास,डॉक्टर गंगा शंकर शाह सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

भानु ऑर्गेनिक एनजीओ के एमडी के विरुद्ध एससी एसटी थाना में शिकायत

ब्लॉक को-ऑर्डिनेटर ने जाति सूचक गाली गलौज व जान से मारने की धमकी का लगाया आरोप

पाकुड़ (एप्र)। भानु ऑर्गेनिक किसान सहायता फाउंडेशन एनजीओ के साथ एक और विवाद जुड़ गया है। एमडी ऋषभ कुमार पर सात लाख की ठगी के आरोप का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है और जातिसूचक गालियां तथा जान से मारने की धमकी का नया मामला सामने आ गया है। एमडी ऋषभ कुमार पर उनके ही फाउंडेशन से जुड़े ब्लॉक कोऑर्डिनेटर ने जाति सूचक गालियां देने और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाया है। आरोप लगाने वाले युवक कुंदन रविदास ने एमडी ऋषभ कुमार के विरुद्ध एससी-एसटी थाना में केस दर्ज कराया है। पीड़ित कुंदन रविदास के मुताबिक भानु ऑर्गेनिक किसान सहायता फाउंडेशन में गत 19 अप्रैल 2025 से जुड़ा हुआ है और ब्लॉक कोऑर्डिनेटर के रूप में काम कर रहा है। इसका मेन ब्रांच गोड्डा नहर चौक पर है और पाकुड़ में ग्यारह महीने के अनुबंध पर कार्यरत हूं।मैंने गत 19 जुलाई को व्हाट्सएप ग्रुप में पंचायत कोऑर्डिनेटर का बकाया भुगतान एवं खाद से संबंधित जानकारी मांगा। इस पर फाउंडेशन के एमडी ऋषभ कुमार ने जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल किया और गाली गलौज करने लगा। इतना ही नहीं एमडी ऋषभ कुमार ने जान से मारने की धमकी भी दी। एमडी ऋषभ कुमार ने गाली गलौज करते हुए कहा कि तुम ज्यादा बोल रहा है, रात भर के अंदर गुंडा लगाकर तुमको जान से मरवा कर फेंक देंगे। इसका सबूत भी मेरे पास मौजूद है। जिस समय मोबाइल से गाली गलौज और धमकी दे रहा था, उस समय मैं मवेशी हटिया के सामने मंदिर के पास बैठा था। भानु ऑर्गेनिक किसान सहायता फाउंडेशन के एमडी ऋषभ कुमार बिहार के मधेपुरा जिला के पोस्ट भान, भाया मतहाही, भवान टेकथी, वार्ड नंबर 01 के निवासी हैं। इसी मामले में कुंदन रविदास ने स्टेट कोऑर्डिनेटर बीरबल शर्मा को भी आरोपी बनाया है। उल्लेखनीय है कि तथाकथित एमडी ऋषभ कुमार पर पाकुड़ सदर प्रखंड के तारानगर एवं ईलामी पंचायत के दर्जनों युवक युवतियों ने सात लाख की ठगी का आरोप लगाया था। आरोप लगाया गया कि एनजीओ में नौकरी दिलाने और खाद दुकान का लाइसेंस दिलाने के नाम एमडी ऋषभ कुमार ने सात लाख रुपए की ठगी कर ली है। इधर एससी-एसटी थाना में केस दर्ज होने के बाद मामले की छानबीन शुरू हो गई है। उधर एमडी ऋषभ कुमार ने केस दर्ज कराने के पीछे कंपनी को नुकसान होने पर निकाल दिए जाने को कारण बताया।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक असेसमेंट में पाकुड़ को राज्य में दूसरा स्थान

पाकुड़ (एप्र)। प्रोजेक्ट जागृति बेहतर स्वास्थ्य की ओर एक कदम, यह एक सूक्ति नहीं है। स्वास्थ्य विभाग पाकुड़ ने इसे सच कर दिखाया है। पाकुड़ जिला ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) असेसमेंट में पूरे राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त कर अपनी स्वास्थ्य सेवाओं की उत्कृष्टता साबित की है। यह सफलता उपायुक्त मनीष कुमार के निदेर्शानुसार और सिविल सर्जन डॉ सुरेंद्र कुमार मिश्रा, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ मनीष कुमार सिन्हा एवं गुणवत्ता नोडल पदाधिकारी डॉ अमित कुमार के मार्गदर्शन में जिला एवं ब्लॉक टीम के समर्पित प्रयासों से संभव हुआ है। भारत सरकार के द्वारा संचालित स्वास्थ्य गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य केंद्र के श्रेणी के अनुसार राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक एवं कायाकल्प में बेहतर कार्य करने हेतु पुरस्कार राशि भी दिए जाते है। इसी कार्यक्रम के क्रम में पाकुड़ जिले में संचालित सभी सीएचसी, पीएचसी, यूपीएचसी एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्तर पर स्वास्थ्य केंद्र को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने एवं साफ-सफाई में बेहतर बनाए रखने हेतु स्वास्थ्य केंद्र को पुरस्कृत किया गया हैं। राज्य द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन 28 जुलाई 2025 को आईपीएच, नामकुम, रांची में माननीय स्वास्थ्य मंत्री, झारखंड सरकार मो. इरफान अंसारी की उपस्थिति में उनके कर कमलों से सम्मान वितरण किया जाएगा। जिसमें राज्य भर से सभी विजेता स्वास्थ्य केंद्र के प्रतिनिधि को आमंत्रित किया गया हैं। जिसमें पाकुड़ जिले के विजेता स्वास्थ्य केंद्र के प्रतिनिधि भी सम्मान समारोह में शामिल होने हेतु उत्सुक हैं। पाकुड़ जिले में कुल 44 आयुष्मान आरोग्य मंदिर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक सर्टिफिकेशन कराने हेतु आवेदन किए गए है। जिसमें अब तक 30 का भारत सरकार के द्वारा नामित नेशनल असेसर टीम द्वारा असेसमेंट किया जा चुका हैं। 14 का एसेसमेंट होना अभी बाकी हैं जिसमें 21 का असेसमेंट परिणाम आ चुका हैं। पूरे झारखण्ड राज्य में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक सर्टिफिकेशन में पाकुड़ दूसरे स्थान पर हैं। कायाकल्प पुरस्कार हेतु पाकुड़ जिले में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़ को प्रथम स्थान मिला है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के लिए पाकुड़ जिले के छोटा सूरजबेड़ा आयुष्मान आरोग्य मंदिर को प्रथम स्थान मिला है। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि पाकुड़ जिले में स्वास्थ्य क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि है। इस उपलब्धि को लेकर उपायुक्त ने सिविल सर्जन डॉ सुरेंद्र कुमार मिश्रा, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ मनीष कुमार सिन्हा, गुणवत्ता नोडल पदाधिकारी डॉ अमित कुमार, गुणवत्ता परामर्शी मो. मोइनुद्दीन शेख, अर्बन के डीआरसीएचओ, डीयूएचएम, प्रबंधक, कंसल्टेंट, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई दी एवं सभी के कार्यों की सराहना की जिन्होंने अपने अथक प्रयासों से केंद्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणन प्राप्त करने में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सामूहिक प्रयास और समर्पण का परिणाम है। जिसने पाकुड़ के स्वास्थ्य केंद्रों को राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरने में सक्षम बनाया। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणन, जो सेवा प्रावधान, रोगी अधिकार, नैदानिक देखभाल और संक्रमण नियंत्रण जैसे क्षेत्रों में उच्च मानकों को सुनिश्चित करता है। पाकुड़ के स्वास्थ्य केंद्रों की विश्वसनीयता और जनता के विश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण है।

कॉनफ्रेंडरेशन ऑफ झारखंड सहोदया के तत्वावधान शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

पाकुड़ (एप्र)। डीपीएस पाकुड़ के सभागार में शिक्षिकों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप पारंगत करने के उदेश्य से कॉनफ्रेंडेरेशन ऑफ झारखण्ड सहोदया (सहोदया स्कूल काम्प्लेक्स गोड्डा,पाकुड़,और साहेबगंज)के तत्वाधान में सी.बी.एस.ई के निदेर्शानुसार एक दिवसीय कार्यशाला का रविवार को आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य विषय ₹सीबीएसई द्वारा निर्देशित विज्ञान,प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एस टी ई एम -डी एल डी) का जिला स्तर पर क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श था।इसके अंतर्गत पाकुड़ के विभिन्न विद्यालयों (डी ए वी,पाकुड़,जवाहर नवोदय विद्यालय महेशपुर एवं हिरणपुर,संत डॉन बॉस्को,एलीट पब्लिक स्कूल,पाकुड़) से आए शिक्षकों ने प्रशिक्षक बनकर सहयोगात्मक लर्निंग के आलोक में विभिन्न विषयों (गणित, कंप्यूटर, हिंदी इंग्लिश,गणित,विज्ञान,साइबर सेफ्टी इत्यादि) से सम्बंधित अपने अपने अनुभव को विभिन्न गतिविधियों द्वारा साझा कर अपने अपने विषयों को रुचिकर बनाने,एक्सपेरिएंशल लर्निंग को बढ़ावा देने हेतु विचार प्रेषित किए।उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीपीएस, पाकुड़ के निदेशक अरुणेंद्र कुमार,वेन्यू डायरेक्टर झारखण्ड सहोदया कॉनफेडरेशन के पाकुड़ जिला के ट्रेनिंग समन्वयक एवम डीपीएस के प्रधानाचार्य जे के शर्मा को - ऑर्डिनेटर एवम रिसोर्स पर्सन सौरिस दत्ता, डीपीएस के स्कूल प्रशिक्षण नोडल समन्वयक (एस टी एन सी) दिनाबंधु सेन, डीपीएस के साथ साथ पाकुड़ के उपरोक्त वर्णित विद्यालय के प्रशिक्षक और शिक्षक मौजूद थे।प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड सहोदया के चेयरमैन प्रणेश सोलेमन ने भी ऑनलाइन कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये भाग लिया और सभी प्रशिक्षकों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीपीएस के निदेशक अरुणेंद्र कुमार ने सभी शिक्षाविदों का शिक्षा के क्षेत्र में दिए जा रहे योगदान के लिए सराहना करते हुए, शिक्षक प्रशिक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज ₹ए आई ₹ के जमाने में सभी शिक्षकों को पारम्परिक शिक्षण पद्दित के साथ साथ नई शिक्षा पद्दित की गुणवत्ता में सुधार और प्रभावी शिक्षण के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। इससे शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण विधियों, कौशल और ज्ञान प्राप्त होता है, जिससे वे छात्रों को बेहतर ढंग से सिखाने में सक्षम होते हैं। उन्होंने शिक्षकों के समक्ष माउंटेन मैन माझी का उदाहरण देते हुए कहा कि जहाँ चाह वहाँ राह।विद्यालय के प्रधानाचार्य जे के शर्मा ने अपने सम्बोधन में नई शिक्षा नीति के खूबियों का वर्णन किया और बताया कि यदि शिक्षकों को अपना कार्य उच्चतम संभव मानक पर करना है।

लचर बिजली आपूर्ति के खिलाफ गोलबंद हुए ग्रामीण, सात दिन का अल्टीमेटम

महेशपुर (एप्र)। महेशपुर प्रखंड क्षेत्र में बिजली कटौती एवं लचर बिजली व्यवस्था के खिलाफ रविवार को प्रखंड के रोलाग्राम गांव में प्रखंड 33 पंचायतों के ग्रामीणों ने एक बैठक किया। बैठक के दौरान बिजली कटौती एवं लाचार बिजली व्यवस्था को लेकर विभाग खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। बैठक में निर्णय लिया कि आगामी सात दिनों के अंदर अगर क्षेत्र में लचर विद्युत व्यवस्था एवं बिजली कटौती में सुधार नहीं हुआ तो ग्रामीण सड़क पर उतरकर जमकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। साथ ही कोयला ढुलाई को भी ठप करेंगे। बैठक में रोहित यादव सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पाकुड़ की कोयला से दूसरे राज्य जगमगा रहे हैं। परंतु यहां के लोग अंधेरे में रहने को मजबूर है। बताया कि लाचार विद्युत व्यवस्था के कारण बच्चों की पढ़ाई, व्यवसाय प्रतिष्ठान पर भारी नुकसान पहुंच रही है। खासकर उमस बड़ी गर्मी के कारण छोटे बच्चे एवं बुजुर्ग ज्यादा परेशान है। 24 घंटे की जगह क्षेत्र के लोगों को महज सात से आठ घंटे ही कट कटकर बिजली मिल रही है। आए दिन ब्रेकडाउन, फॉल्ट एवं डिस पंचर के कारण अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। मेंटेनेंस के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। ग्रामीणों ने इस दौरान बिजली विभाग के खिलाफ जमकर प्रदर्शन भी किया। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है। अगर सात दिनों के अंदर बिजली की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो सड़कों पर उतर कर महा आंदोलन किया जाएगा।

एक नजर

कृषक मित्रों के मानदेय को लेकर सांसद से प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

पथरगामा (एप्र)। कृषक मित्रों के मानदेय लागू किए जाने की मांग को लेकर शनिवार देर शाम प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार भगत के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने गोड्डा लोकसभा सांसद डॉ. निशिकांत दूबे से मुलाकात की। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष श्री भगत ने कृषक मित्रों की समस्याओं और उनके भविष्य को लेकर अपनी चिंता साझा की और लोकसभा में इस मुद्दे को उठाने का आग्रह किया। श्री भगत ने कहा कि हम कृषक मित्र पिछले 15 वर्षों से सरकार की हर योजनाओं का धरातल पर उतरने का कार्य कर रहे हैं पर राज्य सरकार केंद्र की योजना का कर हमेशा टालने का प्रयास कर रही है, जबकि लगातार हम कृषक मित्रों को कार्य दिया जा रहा है और कार्य नहीं करने वाले कृषक मित्रों के ऊपर दबाव भी बनाया जा रहा है। इस अवसर पर सांसद डॉ. दुबे ने आश्वासन दिया कि संसद की कार्यवाही के दौरान वह कृषक मित्रों की आवाज को मजबूती से सदन में उठाएंगे। उन्होंने कृषक मित्रों के भविष्य को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की और कहा कि कृषक मित्रों के साथ अन्याय हो रहा है, हम कृषक मित्रों के साथ हमेशा खड़े हैं। मौके पर जिला अध्यक्ष दुःख भंजन निराकार सहित कई अन्य कृषक मित्र भी उपस्थित रहे।

1.07 लाख श्रद्धालुओं ने किया बाबा का जलार्पण

दुमका (एप्र)। श्रावणी मेला के 17 वें दिन 1,07,900 श्रद्धालुओं ने बाबा बासुकीनाथ पर जलार्पण किया। सामान्य रुट लाइन से 87,895, शीघ्र दर्शनम से 6500 एवं जलार्पण काउंटर से 13505 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया। शीघ्र दर्शनम से 19.50 लाख रुपये एवं अन्य स्रोत से 10897 रुपये प्राप्त हुए।

डीसी एवं एसपी ने लिया रूट लाइन का जायजा

दुमका (एप्र)। तीसरी सोमवारी को लेकर तैयारियों का जायजा लेने हेतु उपायुक्त अभिजीत सिन्हा एवं पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने संपूर्ण रूट लाइन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं सुरक्षाकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए अलर्ट मोड में कार्य करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सोमवारी के दिन बासुकीनाथ में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ उमड़ती है, ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाए कि श्रद्धालुओं को कतार में अधिक देर तक न रुकना पड़े एवं वे सुगमतापूर्वक जलार्पण कर सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि रूट लाइन में कहीं भी विधि-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पूरी सतर्कता एवं निगरानी रखी जाए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने रूट लाइन में पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सुविधा एवं साफ-सफाई की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए हर स्तर पर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया गया कि चिकित्सा टीम पूरी तरह अलर्ट मोड में रहे और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें। उपायुक्त ने सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि पूरे मेला क्षेत्र में नियमित एवं प्रभावी सफाई अभियान चलाया जाए। इसके अतिरिक्त, उपायुक्त ने बैरिकेडिंग, सूचना संकेतक, शेड आदि की स्थिति की जांच कर संबंधित पदाधिकारियों को उन्हें दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षाकर्मियों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश देते हुए कहा कि भीड़ नियंत्रण, मार्ग संचालन एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि उउळश कैमरे एवं अन्य तकनीकी साधनों के माध्यम से मेला क्षेत्र की निरंतर निगरानी की जाए।

हेमंत सोरेन सरकार की वादाखिलाफी के विरुद्ध विधानसभा घेराव का ऐलान

दुमका (एप्र)। विगत विधानसभा चुनाव 2019 के पूर्व कथित माई माटी की हेमंत सरकार ने सहायक अध्यापक सम्प्रति पारा शिक्षकों को सरकार गठन के एक माह में समान काम के समान वेतन देने की संकल्प पत्र जारी किया था। लेकिन पूरा कार्यकाल सम्पूर्ण करने के बाद भी द्वितीय कार्यकाल में लगभग एक साल पूरा होने के बावजूद आश्वासन के सिवा कोई भी सकारात्मक कदम नहीं उठाया। वादाखिलाफी से मजबूर होकर सूबे के समस्त सहायक अध्यापकों ने झारखंड प्रदेश सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले आगामी मानसून सत्र में वेतनमान की मांग लेकर विधान सभा घेराव करने की रणनीति बनायी है। उसी के तहत विगत बीते शनिवार को झारखंड प्रदेश प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ सह संघर्ष मोर्चा प्रखण्ड ईकाई रानीश्वर के द्वारा रानीश्वर में नन्द दुलाल लायेक के अध्यक्षता में विशेष बैठक की। श्री लायेक ने बताया कि दुमका जिले के सभी सहायक अध्यापक राज्य नेतृत्व द्वारा निर्धारित तिथि 5 अगस्त को सामूहिक अवकाश लेकर विधानसभा घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रांची पहुंचेंगे। उन्होंने यह भी बताया मांग पूरी नहीं होने के स्थिति में आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा। बैठक में प्रखण्ड सचिव सेख मोहम्मद आली, सनातन दास, अरशद रशीद, मितन सोरेन, गणेश दुलुई, अमित मंडल, अपर्णा चौधरी, प्रदीप मंडल, मनोज पाल आदि दर्जनों सहायक अध्यापकों ने हिस्सा लिया।

नहीं थम रही कोयला डंपिग यार्ड हटाने की मांग

दुमका (एप्र)। उपराजधानी दुमका के रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिग यार्ड हटाने की मांग को लेकर दो वर्षों से लगातार चल रहे धरना प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को भी स्टेशन परिसर के समीप धरना प्रदर्शन कर लोगों ने अपना विरोध प्रकट किया। धरनार्थियों ने साफ साफ कहा कि एक वर्ष हो या दस वर्ष जब तक दुमका रेलवे स्टेशन से कोयला रैक नहीं हटाया जाएगा चरणबद्ध तरीके से आंदोलन जारी रहेगा। गौरतलब है कि कोयला रैक हटाने की मांग को लेकर कुछ दिनों पूर्व प्रमंडलीय आयुक्त लालचंद डांडेल को भी आंदोलनकारियों ने ज्ञापन सौंपा और यहां से कोयला रैक हटाने के लिए अनुरोध किया। यहां उल्लेखनीय है कि धरना प्रदर्शन में डस्ट से परेशान स्थानीय महिला मंजू गुप्ता ने कहा कि प्रशासन यहां से अविलंब कोयला रैक हटाए अन्यथा हमलोग वोट बहिष्कार का भी निर्णय लेंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मंजू गुप्ता हृदय रोग से पीड़ित हैं और कोयला डस्ट ने उन्हें और बिमार बना दिया है। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि उनके घर में इतना डस्ट रहता है कि उसे साफ करना मुश्किल हो जाता है। बिमार होने के कारण उनसे यह काम नहीं हो रहा है। अतः उनकी सिर्फ एक ही मांग है कि दुमका रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिग यार्ड को स्थांतरित कर कहीं अन्यत्र शिफ्ट किया जाए। यहां बताते चलें कि पूर्व में रेलवे स्टेशन परिसर में ही धरना प्रदर्शन किया जा रहा था लेकिन अचानक धरनार्थियों पर मामला दर्ज कर दवाब बनाया गया। लेकिन अब धरनार्थी स्टेशन परिसर के बाहर ही प्रदर्शन करने लगे। इस मामले में धरनार्थी स्थानीय शासन प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधियों को भी कोस रहे हैं।

छोटे-छोटे बच्चों पर पड़ रहा असर

गौरतलब है कि दुमका रेलवे स्टेशन पर बने कोयला डंपिग यार्ड का असर आस पास के ग्रामीणों के साथ साथ नौनिहालों पर भी पड़ रहा है। कोयला डस्ट से दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, राजकीय पालीटेक्निक, आईटी आई, एसपी कालेज, बेथेल मिशन, एएन कालेज सहित दर्जनों कोचिंग सेंटर में बच्चे पढ़ते हैं जिस पर डस्ट से बूरा प्रभाव पड़ रहा है। धरना प्रदर्शन में रवि शंकर मंडल, संजय मंडल, विष्णु यादव, विमल मरांडी, गोवर्धन मंडल, अभय गुप्ता, डिस्को मंडल, छोटन शर्मा, मिक्कू यादव, रिंकू यादव, लालटू दे, संजीव वर्मा, सस्ती दे, मनोज कुमार, एनएन कुमार, श्याम कापरी, आकाश यादव, प्रदीप शर्मा के साथ दर्जनों लोग उपस्थित थे।

तीसरी सोमवारी को लेकर उपायुक्त व एसपी ने की ब्रीफिंग

अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सतत निगरानी बनाए रखें पदाधिकारी : उपायुक्त

दुमका (एप्र)। राजकीय श्रावणी मेला के तीसरी सोमवारी एवं मंगलवार को श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए रविवार को बासुकीनाथ धाम स्थित मयूराक्षी कला मंच में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा एवं पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार की संयुक्त अध्यक्षता में ब्रीफिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी ओपी प्रभारियों से उनके क्षेत्र की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई तथा आ रही समस्याओं की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी पदाधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सतत निगरानी बनाए रखें एवं आवश्यकता अनुसार त्वरित निर्णय लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुचारु दर्शन व्यवस्था

जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में भीड़ एकत्रित न हो, इसके लिए सभी चेक पॉइंट्स पर विशेष निगरानी रखी जाए। सभी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अपने कर्तव्य स्थल पर अलर्ट मोड में रहें तथा किसी भी असामान्य गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई करें। भीड़ नियंत्रण हेतु बैरिकेडिंग, दिशा-निर्देशक साइनेज, मॉनिटरिंग सिस्टम को सुदृढ़ बनाए रखने एवं नियंत्रण कक्ष के माध्यम से समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया गया। शिवगंगा, रूट लाइन एवं अन्य संवेदनशील स्थलों पर विशेष नजर रखने की बात कही गई। हंसडीहा के रास्ते बड़ी संख्या में डाक बम के आगमन की संभावना को देखते हुए वाहन नियंत्रण पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने सभी सुरक्षा बलों को संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को हर संभव सहयोग दिया जाए ताकि वे बासुकीनाथ से एक सकारात्मक अनुभव लेकर लौटें। उन्होंने श्रद्धालुओं के प्रति सौम्य एवं सहयोगात्मक व्यवहार बनाए रखने पर बल दिया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त, सहायक समाहर्ता, प्रशिक्षु आईएफएस, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य वरीय पदाधिकारी, सभी ओपी प्रभारी, जोनल पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

दुबे बाबा की वार्षिक पूजा को लेकर तैयारियां पूरी

दुमका (एप्र)। जामा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत आसनसोल कुरुवा पंचायत के दुधानी गांव में वार्षिक दुबे पूजा को लेकर सारी तैयारियां पूरी हो गई है, मंदिर की साफ सफाई से लेकर रंग रोहन का कार्य संपन्न हो गया है। सोमवार को पूरे विधि विधान से दुबे पूजा मनायी जाएगी। मान्यता है कि इस क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले विभिन्न गांवों में पनढार के बाद जब तक पूजा संपन्न नहीं हो जाती है तब तक खीर, पुआ आदि नही बनता है और दूध में चीनी,दूध के साथ भात नहीं मिलाया जाता हैं।इस बार यह पूजा सावन के तीसरे सोमवार यानी 28 जुलाई को होगी। जिसको लेकर क्षेत्र भर में लोग उत्साहित है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बाबा की कृपा से इस क्षेत्र में बारिश अच्छी हुई है। जिस कारण अधिकांश लोगों ने धान रोपनी का कार्य कर लिया है, इसलिए धूमधाम से पूजा मनाने की तैयारी है। सोमवार को पूजा से पहले लोग दुबे मंदिर में पूजा अर्चना करते है, और तालाब में स्नान कर पूरे मंदिर की दंडवत परिक्रमा करते हैं। पूजा के दौरान दूध की खीर बनती हैं, जिससे ब्राह्मण भोजन होता हैं। उसके बाद ही लोग अपने घरों में खीर बनाते हैं। पूजा संपन्न होने के साथ ही बली दी जाती हैं, उसके बाद पूजा संपन्न हो जाती है।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोग घायल

कार ने बाइक को मारी टक्कर

दुमका (एप्र)। हंसडीहा-देवघर मुख्य मार्ग स्थित कोरदाहा गांव के समीप रविवार को एक चारपहिया वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान नागधो गांव निवासी रविलाल हांसदा (35), पत्नी मीना मुर्मू (28) और पुत्र रबलदीप हांसदा (12) के रूप में की गई है। बताया गया कि तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कोरदाहा गांव के पास पीछे से आ रही एक अज्ञात कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे सभी घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से एंबुलेंस मंगाकर घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सरैयाहाट भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग पर वाहनों की तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से स्पीड कंट्रोल के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

राज्य विश्वविद्यालय विधेयक पर एबीवीपी ने जताया विरोध

जामा विधायक को सौंपा ज्ञापन

दुमका (एप्र)। राज्य विश्वविद्यालय विधेयक 2025 को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विरोध तेज कर दिया है। रविवार को परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने जामा विधायक डॉ. लुईस मरांडी से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा और विधेयक को स्वीकृति नहीं देने का आग्रह किया। एबीवीपी नेताओं ने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता और अकादमिक स्वतंत्रता को खतरा उत्पन्न होगा। परिषद ने विधेयक में कुलपति की नियुक्ति और विश्वविद्यालय संचालन से जुड़े प्रस्तावित प्रावधानों पर आपत्ति जताई है।

योग्यता नहीं, राजनीति होगी आधार

नगर सह मंत्री विशाल गुप्ता ने कहा कि यदि यह विधेयक पारित होता है, तो राज्य के विश्वविद्यालयों में राजनीतिक हस्तक्षेप और बढ़ेगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कुलपति की नियुक्ति योग्यता व अनुभव के आधार पर होनी चाहिए, न कि राजनीतिक आधार पर। उन्होंने राज्य सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब सरकार जेएसएससी और जेपीएससी जैसी संस्थाओं का संचालन ठीक से नहीं कर पा रही है, तो वह विश्वविद्यालयों के प्रशासन को कैसे संभालेगी।

राज्य सरकार पर उठाए सवाल

परिषद ने राज्य सरकार की नीयत और क्षमता पर सीधा सवाल खड़ा किया। परिषद का कहना है कि इस विधेयक के जरिये शिक्षा के क्षेत्र को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में एबीवीपी ने जामा विधायक से निवेदन किया कि वे इस विधेयक का पुरजोर विरोध करें और राज्य के विश्वविद्यालयों की गरिमा को बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं।

प्रतिनिधिमंडल में ये थे शामिल

ज्ञापन सौंपने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे, नगर सह मंत्री विशाल गुप्ता, विवेक धर, आदित्य जोशी, नगर कार्यालय मंत्री सुमित यादव, सोशल मीडिया प्रमुख शिवम जायसवाल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। सभी ने एक स्वर में विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता की रक्षा करने की मांग उठाई।

गोड्डा और पोड़ैयाहाट खंड में भतोंधा हॉल्ट स्टेशन का हुआ शिलान्यास

गोड्डा (एप्र)। क्षेत्रीय रेल अवसंरचना और यात्री सुविधा में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होते हुए, पूर्व रेलवे के मालदा मंडल के अंतर्गत गोड्डा और पोड़ैयाहाट स्टेशनों के बीच स्थित प्रस्तावित *भतोंधा हॉल्ट स्टेशन* का शिलान्यास सांसद निशिकांत दुबे द्वारा मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष कुमार गुप्ता* तथा अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि यह हॉल्ट दुमका एवं गोड्डा की दिशा में संचालित सभी ट्रेनों के लिए ठहराव बिंदु का कार्य करेगा, जिससे आसपास के क्षेत्र के यात्रियों के लिए आवागमन और सुगम हो जाएगा। सांसद निशिकांत दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि यह नया हॉल्ट न केवल यात्रियों को सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि स्थानीय वस्तुओं के आवागमन को भी सुगम बनाएगा, क्षेत्रीय विकास को गति देगा और गोड्डा, पोड़ैयाहाट खंड में सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने आगे कहा कि स्थानीय नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए यह हॉल्ट स्टेशन हजारों यात्रियों को सीधी और सुविधाजनक रेल सुविधा उपलब्ध कराएगा, जिससे दूरवर्ती स्टेशनों पर निर्भरता कम होगी तथा विद्यार्थियों, कामकाजी

लोगों और व्यापारियों की दैनिक यात्राएँ और अधिक सरल होंगी। प्रस्तावित भतोंधा हॉल्ट का विकास अनुमानित 6.79 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। यात्री सुविधा और सुगम्यता बढ़ाने के लिए भतोंधा हॉल्ट के लिए एक व्यापक विकास योजना तैयार की गई है।

इसकी प्रमुख विशेषताओं में टिकट काउंटर, पृथक शौचालय और टाइलयुक्त फर्श सहित 1,000 वर्ग फुट का प्रतीक्षालय शामिल है। 10 मीटर चौड़ा उच्च-स्तरीय प्लेटफार्म 8 मीटर के तटबंध पर चेकर्ड टाइल्स, कोटाह पत्थर और कंक्रीट की सतह के साथ बनाया जाएगा। सुविधाओं में बोरिंग के साथ एक ओवरहेड पानी की टंकी, 10 शेड बेंच सहित, 4 पेयजल बूथ और 6 गार्डन बेड हैं। कंक्रीट एप्रोच रोड और सकुर्लेटिंग एरिया का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसके अलावा 20 सीलिंग फैन और 46 प्रकाश पोल लगाए जाएंगे ताकि यात्रियों को पर्याप्त रोशनी और आराम मिल सके। इस नये हॉल्ट स्टेशन एंव इसके आसपास के क्षेत्रों में स्टेशन से जहां यात्रियों की यात्रा और आवागमन सुगम होगा, वहीं स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में भी सामाजिक-आर्थिक सुधार होगा। शिलान्यास समारोह में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस परियोजना के प्रति अपने समर्थन और प्रसन्नता को व्यक्त किया।

डहरे करम बेड़हा को लेकर चानकु करम आखड़ा रंगमटिया की बैठक संपन्न

तैयारी को लेकर आगामी बैठक 3 अगस्त को होपनाटोला केरवार परसपानी में

गोड्डा (एप्र)। बृहद झारखंड कला सांस्कृति मंच का पूर्व निर्धारित बैठक चानकु महतो स्मारक स्थल रंगमटिया में प्रकाश महतो के घर पर संपन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता संजीव कुमार महतो ने किया व संचालन बालमुकुंद महतो ने किया। बैठक में डहरे करम बेड़हा 2025 गोड्डा की तैयारी हेतु शहीद चानकु महतो करम आखड़ा का संयोजक का चुनाव किया गया। संयोजक मंडली में रघुवंश महतो, शिव नंदन महतो, बालमुकुंद महतो, गौतम महतो, बजरंग महतो, सोनु महतो, मिथिलेश महतो, राधेश्याम महतो को चुना गया। ये लोग रंगमटिया, रामपुर, माल डुमरिया, नवचक, ढाढ़ाचक, पचरुखी व शामपुर का करम जुलूस का तैयारी करेंगे व डहरे करम बेड़हा 2025 का आरंभ स्थल चानकु महतो स्मारक स्थल रंगमटिया पर आगंतुकों व करम जुलूस के शुभारंभ का तैयारी व

जरुरी सुविधा व्यवस्था करेंगे। वृहद झारखंड कला संस्कृति मंच के बैनर तले यह दूसरी बैठक डहरे करम बेड़हा 2025 के आयोजन का तैयारी को लेकर आज रंगमटिया में किया गया। बृहद झारखंड कला सांस्कृति मंच के द्वारा आगामी 27 अगस्त 2025 (बुधवार) को गोड्डा में करम प्रदर्शनी कार्यक्रम का समय निर्धारित किया गया।डहरे करम बेड़हा में कुड़मी समुदाय के लोग अपने पारम्परिक वेशभूषा में मुख्य रूप से मां बहने लाल पाड़ साड़ी, भाई लोग गंजी, गमछा, धोती व ढोल, नगाड़ा व मांदर की थाप से करम गीतों में नाचेंगे गाते हुए रोड पर चलते हुए आऐंगे। डहरे करम बेड़हा कार्यक्रम हूल विद्रोह के महानायक वीर शहीद चानकु महतो स्मारक स्थल रंगमटिया से लेकर कारगिल शहीद वीर वीरेन्द्र महतो कारगिल चौक होते हुए सरकंडा गोड्डा कॉलेज गोड्डा मैंदान में समापन किया जाएगा। सभी सदस्यो कहा कि पिछले साल के मुताबिक इस साल और भव्य आयोजन कर कार्यक्रम को सफल बनाना है। आगामी तैयारी बैठक पथरगामा पूर्वी क्षेत्र का होपनाटोला चौक केरवार परसपानी में 3 अगस्त रविवार को रखा गया है। आज के बैठक में बृहद झारखंड कला सांस्कृति मंच गोड्डा के संयोजक संजीव कुमार महतो, रजनीकांत महतो, दीपक महतो, दिनेश कुमार महतो, दयानंद महतो राजेश महतो, बालमुकुंद महतो समेत शहीद चानकु महतो करम आखड़ा के प्रो श्याम महतो, रघुवंश महतो, मदन महतो, शिवनंदन महतो, बाबूलाल महतो, पिंटू महतो, सविता नंदन, राधे महतो, गौतम महतो, मिथिलेश महतो, लालजी महतो, जयनाथ महतो, मुन्ना महतो, विकास महतो, बिनोद महतो, मिथिलेश महतो, अनुज महतो, प्रफुल्ल महतो आदि लोग उपस्थित हुए।

सिक्स वीक सर्टिफिकेट कोर्स पूरा कर रौशन ने बढ़ाया गोड्डा का मान

गोड्डा (एप्र)। गोड्डा के राष्ट्रीय पदकवीर पहलवान रौशन कुमार साह ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के पटियाला अवस्थित नेता जी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स से सिक्स वीक सर्टिफिकेट कोर्स इन स्पोर्ट्स कोचिंग इन रेसलिंग को सफलता पूर्वक ग्रेड 'ए ' के साथ कंप्लीट कर जहां एक और उपलब्धि अपने नाम किया वहीं गोड्डा सहित झारखंड का मान बढ़ते हुए कुश्ती के क्षेत्र में कैरियर की ओर एक और मजबूत कदम रख दिया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिला कुश्ती संघ के सचिव सुरजीत झा ने बताया कि रौशन की इस उपलब्धि पर जिला खेल पदाधिकारी डॉ. प्राण महतो, लोक मंच सचिव सर्वजीत झा ₹अंतेवासीर₹, जिला कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, उपाध्यक्ष अखिल कुमार झा एवं आशुतोष झा, संयुक्त सचिव आकाश कुमार, भानु प्रताप सिंह एवं सदस्य प्रीतम कुमार झा, हॉकी गोड्डा के अध्यक्ष मनोज कुमार पप्पु एवं कबड्डी के एनआईएस कोच प्रियव्रत परमेश के अलावा कुश्ती के देवघर जिला सचिव संजीव कुमार झा व जामताड़ा जिला सचिव दीपक कुमार दुबे सहित साथी पहलवान राहुल कुमार, जीत सिंह एवं अंकित टुडू ने अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

सुभाषितम्

सफलता हमेशा के लिए नहीं होती, विफलता कभी घातक नहीं होती यह तो लगे रहने की प्रवृत्ति हैं जो मायने रखती है। - विंस्टन चर्चिल

देश छोड़ भाग रहे हैं अमीर

भारत, जिसे कभी प्रतिभा, परिश्रम और संभावनाओं की धरती कहा जाता था. अब भारत के लोग भारत की नागरिकता छोड़कर अन्य देशों में नागरिकता ले रहे हैं.देश चिंताजनक स्तिथि की ओर बढ़ रहा है। पिछले 6 सालों में 10,00,000 से अधिक भारतीय नागरिकों ने अपनी नागरिकता त्याग दी है। 2023 में ही 2,50,000 से ज्यादा लोगों ने भारत छोड़कर किसी अन्य देश की नागरिकता अपना ली थी। राज्यसभा में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह नेयह जानकारी दी है। वर्ष 2019 में 1,44,017, वर्ष 2020 में 85,256, वर्ष 2021 में 1,63,370, वर्ष 2022 में 2,25,620, वर्ष 2023 में 2,16,219, वर्ष 2024 में 2,06,378 लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है। इनमें से अधिकांश करोड़पति या हाई नेटवर्थ उद्योगपति कारोबारी और प्रोफेशनल हैं। सवाल है, इतनी बड़ी संख्या में नागरिकता छोड़कर लोग विदेश में क्यों बस रहे हैं।यह पलायन क्या केवल टैक्शेसन, दोहरी नागरिकता, बदलती हुई जीवनशैली,कानून व्यवस्था, सरकारी जांच एजेंसियों का भय इसके पीछे है ? देश की गहराती सामाजिक-आर्थिक असमानता, राजनीतिक अनिश्चितता, रोजाना बदलते नियम और कानून, बढ़ती सरकारी निगरानी के कारण लोग भारतीय नागरिकता छोड़कर विदेशी नागरिकता स्वीकार कर रहे हैं? वैश्विक वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत दुनिया का सबसे बड़ा अमीरों वाला देश बन गया है। भारत से ही सबसे ज्यादा धनिक वर्ग विदेश पलायन कर रहा है। यह लोग संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया सिंगापुर और टैक्स हेवन देशों की नागरिकता ले रहे हैं। वहां का टैक्स स्ट्रक्चर आसान है। बिजनेस नीति स्थिर है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं है, सरकार का हस्तक्षेप एक तरह से बिल्कुल कम है। जो भारतीय विदेश में जाकर बस रहे हैं। वह भारत की जांच एजेंसियों और सरकार के डर से भाग रहे हैं? भारतीय नागरिकों के विदेश की नागरिकता लेने से भारत को दोहरा नुकसान हो रहा है। एक तो प्रतिभाएं विदेश में जाकर बस रही हैं। अपनी पूंजी विदेश में लेकर जा रहे हैं। जब एक करोड़पति/अरबपति भारत छोड़ता है। तो वह अपने साथ केवल पैसा नहीं ले जाता है। वह निरंतर मिलने वाले रोजगार के अवसर, निवेश की क्षमता और भविष्य की संभावनाओं पर पलीता लगाकर जाता है। पलायन का बढ़ते ट्रेंड का दूसरा पक्ष आम जनता देश में करोबारियों पर बढ़ता सरकारी नियंत्रण, कर नीति की अस्थिरता, अचानक इनकम टैक्स के नियम और कानून में बदलाव, आयकर विभाग के नोटिस, ईडी,सीबीआई,सेबी पर सरकार का नियंत्रण और अनावश्यक उपयोग, कारोबारियों को बुरी तरह से भयभीत कर रहा है। भारतीय न्यायालयों द्वारा सरकार की दबाव में लंबे समय तक जमानत नहीं देना, झूठे प्रकरण बनाकर संपत्ति को जप्त कर लेना, देश का धनिक वर्ग इस स्थिति को देखते हुए स्वयं को और अपने बच्चों के भविष्य को भारत में असुरक्षित मानने लगा है। यह स्तिथि राष्ट्र के नीति-निमार्ताओं के लिए एक बड़ी चेतावनी है। अगर पलायन इसी तरह जारी रहा। ऐसी स्थिति में भारत मिडिल क्लास और वर्किंग क्लास का देश बनकर रह जाएगा। औद्योगिक एवं व्यापारिक निवेश की संभावनाएं और उद्यमशीलता एक तरह से खत्म हो जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा पोषित कुछ ही कारोबारियों के हित संरक्षण को लेकर सरकार और जांच एजेंसियों द्वारा प्रतिस्पर्धियों को समाप्त किया जा रहा है। यह भी पलायन का एक सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार ह्यमेक इन इंडिया या स्टार्टअप इंडिया जैसे नारों से नहीं चल पाएगी। भारत सरकार को स्थिर पारदर्शी और सुरक्षित कारोबारी माहौल बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। भारत में जो नियम और कानून बनाए जाएं।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैंः हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। ऐसे ही हो तुम, जैसे सामने गंगा बहती हो और किनारे पर खड़े तुम छाती पीटते हो, चिल्लाते होः प्यासा हूं, मैं जल चाहता हूं !ह्न झुको और पीओ! गंगा सामने बहती है। और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है।

अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति की दिशा में मध्य एशिया

- तनवीर जाफरी

इस्त्राईल को लंबे समय से मिल रहे अमेरिकी संरक्षण से वैसे तो पूरी दुनिया भली भांति वाकिफ है। परन्तु अब इस अमेरिकी संरक्षण के चलते इस्त्राईल खासतौर से गजा में जिसतरह मानवता की लगातार बर्बर हत्या करता जा रहा है उसे देखकर दुनिया के अधिकांश देश न केवल इस्त्राईल के खिलाफ होते जा रहे हैं बल्कि उन्हें इस्त्राईल को दिया जाने वाला अमेरिकी संरक्षण भी अब रास नहीं आ रहा है। वास्तव में शांतिप्रिय मध्य एशिया में तबाही,बबार्दी व अशांति की इबारत लिखने वाला अमेरिकी संरक्षित इस्त्राईल ही है। 7 अक्टूबर 2023 को जब से दक्षिणी इस्त्राइल पर हमास द्वारा हमले किये गये और 251 लोगों को बंधक बनाया गया उसके बाद इस्त्राईली सेना (आईडीएफ) ने हमास की आतंकी कार्रवाई के जवाब में जिस तरह गजा पट्टी में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की और आज तक जारी है उसने इस्त्राईल व अमेरिका के अमानवीय चेहरे को पूरी तरह उजागर कर दिया है। गजा में बर्बरता और अत्याचार की हर सीमाओं को इस्त्राईल पार कर चुका है। रिहाइशी बस्तियों अस्पतालों स्कूलों शरणार्थी कैंपों धर्मस्थलों आदि को खंडहर बनाने के बाद अब भूखे निहत्थों को मार रहा है। खबर है कि गजा में गजा ह्यूमनटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) की ओर से बांटा जा रहा खाना बहुत कम लोगों तक पहुंचने के कारण वहां भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। कई बार ऐसी अमानवीय घटना भी घटी कि जब जीएचएफ के भोजन वितरण केंद्र पर मदद लेने के लिए भूख से तड़पते बच्चे व महिलायें भोजन की खातिर आकर लाइन में लगे उसी समय उन पर इसराइली सुरक्षा बलों ने गोलियां चला दीं जिससे दर्जनों लोग मरे गये। कई बार इस्त्राईली सुरक्षा बलों द्वारा भूखे शरणार्थियों को खाना देने के लिये बुलाया गया,बाद में लाइन में खड़े होने के बाद उनपर गोलीबारी कर अनेक लोगों की हत्या कर दी गई । संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार पिछले दो महीनों में भोजन हासिल करने की कोशिश कर रहे एक हजार से अधिक फिलस्तीनी, इस्त्राईली हमलों में मारे जा चुके हैं। इनमें से कम से कम 766 लोगों की मौत उन चार वितरण केंद्रों के आसपास हुई है, जिन्हें जीएचएफ संचालित करता है। इसके अलावा 288 लोगों की मौत संयुक्त राष्ट्र और अन्य सहायता केंद्रों के पास हुई है। सौ से अधिक सहायता संगठनों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि गजा में बड़े पैमाने पर मानव जनित भुखमरी फैल रही है। अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने इन हालात के लिए इस्त्राईल को ज़िम्मेदार ठहराया है क्योंकि वही फिलस्तीनी क्षेत्रों में भेजी जाने वाली सप्लाई को नियंत्रित करता है। आम लोग ही नहीं बल्कि गजा में युद्ध की रिपोर्टिंग करने वाले अनेक स्थानीय व विदेशी पत्रकार व उनका परिवार भी भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। कुछ पत्रकार तो इस हद तक असहाय हो चुके हैं कि वे अपने मासूम असहाय बच्चों व परिवार के लिए भोजन तक नहीं जुटा पा रहे हैं। गजा में काम करने वाले कुछ पत्रकार तो अपनी जान की बाजी लगाकर लाइनों में लगकर चैरिटी किचन से खाना ले रहे हैं। उनके बच्चे दिन में सिर्फ एक बार दाल, चावल या पास्ता खा कर गुजारा करने को मजबूर हैं। कुछ पत्रकारों ने तो यहाँ तक बताया कि उन्होंने भूख दबाने के लिए नमक मिला पानी पीना शुरू कर दिया है। जरा सोचिये जिन पत्रकारों की बदौलत दुनिया को इस्त्राईली सेना के जुल्म और गजा के लोगों की बेबसी व बबार्दी की खबर सुनाई व दिखाई देती थी अगर वही पत्रकार व उनका परिवार सुरक्षित नहीं रहेगा तो अमेरिकी संरक्षित इस्त्राईल के काले करतूत दुनिया तक कैसे पहुंचेंगे ? इन्हीं हालात में अनेक अंतर्राष्ट्रीय राहत संगठन और मानवाधिकार समूह बड़े पैमाने पर भुखमरी फैलने की चेतावनी दे रहे हैं। एक ओर तो इस्त्राईल-अमेरिका फिलिस्तीनियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले हमास को आतंकी संगठन बताकर उसकी आड़ में पूरे फिलिस्तीन पर नियंत्रण हासिल करने की फिराक में है तो दूसरी ओर यही इस्त्राईल-अमेरिकाअहमद हुसैन अल-शरा, जिसे अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है,को सीरिया में बशर अल असद का तख़्ता पलटकर उसे अंतरिम राष्ट्रपति बना देता है। यह वही जुलानी है जिसपर कुछ समय पहले तक अमेरिका ने दस मिलियन डॉलर का ईनाम घोषित कर रखा था। क्योंकि वह अलकायदा से जुड़ा था। 2017 में उसने अन्य कई आतंकी संगठनों के साथ मिलाकर हयात तहरीर अल-शाम ळळर नामक संगठन बना लिया था। अमेरिका ने ळळर को आतंकी लिस्ट में भी रखा था। अब अमेरिका ने उसके संगठन ळळर को आतंकी लिस्ट से भी हटा दिया है । गोया जो व्यक्ति अमेरिका के हर विभाजनकारी इरादों में साथ रहे वह उसके लिए आतंकवादी नहीं और जो उसके और इजरायल के खिलाफ हो या अपनी स्वतंत्र नीति रखता हो वह आतंकवादी घोषित हो जाता है चाहे वह ईरान जैसा संप्रभुता संपन्न राष्ट्र ही क्यों न हो ? बहरहाल, अमेरिका को सर्वशक्तिमान मानने वाले व अमेरिकी रहम ो करम पर जीने वाले कुछ अमेरिकी पिट्ठू देशों की शासकों व तानाशाहों की बात छोड़ दें तो पूरा विश्व खासकर मध्य एशियाई देश इस बात को समझ चुके हैं कि अब समय आ गया है कि किसी भी तरह इस्त्राईल को सबक सिखाया जाये और मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति दिलाई जाये। ईरान का भय दिखाकर सुन्नी शिया मतभेदों को बढ़ावा देना दरअसल अमेरिका की सुन्नी देशों के प्रति हमदर्दी नहीं बल्कि एक बड़ी चाल है जिसे मुस्लिम जगत अब बखूबी समझ चुका है। मुस्लिम जगत जुलानी की आड़ में सीरिया को बर्बाद करने की साजिश को भी समझ रहा है।परन्तु खबर यह भी है कि सीरियाई जनता भी अमेरिका इस्त्राईल के सीरिया के प्रति नापाक इरादों को भांप कर एकजुट होने लगी है। मध्य एशियाई क्षेत्रों को अमेरिका से मुक्त कराने के शुरूआत संकेत मिलने लगे हैं। ईरान ने गत 23 जून को कतर की राजधानी दोहा स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदीद एयरबेस पर मिसाइलें दाग कर तथा इराक और सीरिया में भी अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना कर यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिकी सैन्य अड्डे मध्य एशियाई क्षेत्रों में सुरक्षित नहीं हैं। साथ ही इराक ी प्रतिरोध समूहों, विशेष रूप से कताइब हिजबुल्लाह, ने इराक ी सरकार को यह चेतावनी जारी कर दी है कि वह अमेरिकी सेना को दो महीने के भीतर बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और ऐन अल-असद बेस जैसे इराकी सैन्य ठिकानों, से पूरी तरह से हटने के लिए कहे। इराक ी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी को इस संबंध में पहले से सहमति के आधार पर कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, और अब केवल दो महीने बचे हैं। यानी सितंबर 2025 के अंत तक अमेरिका को इराक छोड़ने की चेतावनी दे दी गयी है। इस चेतावनी में यह भी कहा गया है कि अगर यह कार्रवाई समय सीमा में पूरी नहीं हुई, तो उनकी अलग राय होगी , हालांकि उन्होंने अलग राय को स्पष्ट नहीं किया। इस तरह की अनेक छोटी बड़ी घटनाओं व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो रही गोलबंदी को देखते हुये इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि मध्य एशिया अमेरिकी हस्तक्षेप से मुक्ति के प्रयास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

स्वामी शिवानंद ने बदल दी डॉ. कलाम की जीवन दिशा

-कुमार कृष्णन

तारीख थी 27 जुलाई, साल था 2015... और शाम ढल चुकी थी। भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिलॉन्ग का एक सभागार छात्रों से भरा पड़ा था। मंच से एक जाने-माने शख्स सबको संबोधित कर रहे थे, लेकिन तभी अचानक खामोश हो गए। अचानक लड़खड़ा कर गिरे तो उठ नहीं पाए। बाद में खबर आई तो निधन की। ये कोई और नहीं बल्कि मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम थे, जिन्होंने जीवन भर देश को शक्तिसंपन्न और आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा। स्वामी शिवानंद की मुलाकात ने उनकी जीवन की दिशा बदल डाली। भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मानसिक शांति की खोज में स्वामी शिवानंद के आश्रम पहुंचे।स्वामीजी का भव्य व्यक्तित्व देखकर कलाम बहुत प्रभावित हुए। जब उन्होंने स्वामीजी को अपना परिचय दिया, तो वे बड़े स्नेह से उनसे मिले। कलाम ने उस भेंट के विषय में एक जगह लिखा है- मेरे मुस्लिम नाम की उनमें जरा भी प्रतिक्रिया नहीं हुई।मैंने उन्हें वायुसेना में अपने नहीं चुने जाने की असफलता के विषय में बताया तो वे बोले- इच्छा, जो तुम्हारे हृदय और अंतरात्मा से उत्पन्न होती है, जो शुद्ध मन से की गई हो, एक विस्मित कर देने वाली विद्युत चुंबकीय ऊर्जा होती है। यही ऊर्जा हर रात को आकाश में चली जाती है और हर सुबह ब्रह्मांडीय चेतना लिए वापस शरीर में प्रवेश करती है। अपनी इस दिव्य ऊर्जा पर विश्वास रखो और अपनी नियति को स्वीकार कर इस असफलता को भूल जाओ। नियति को तुम्हारा पायलट बनना मंजूर नहीं था।अतः असमंजस और दुख से निकलकर अपने लिए सही उद्देश्य की तलाश करो।स्वामी शिवानंद के शब्दों ने जादू-सा असर दिखाया और कलाम ने दिल्ली आकर डीटीडीएंडपी जाकर अपने साक्षात्कार का नतीजा पता किया। नतीजा उनके पक्ष में था और वे वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक के पद पर नियुक्त हुए। आगे चलकर वे देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए।कभी इच्छा, संकल्प और प्रयत्न के बावजूद भाग्य साथ नहीं देता है, किंतु इससे निराश होने के स्थान पर स्थिर चित्त से विचार कर कार्य-दिशा कुछ परिवर्तित करते हुए दोगुने उत्साह से प्रयत्नशील होना चाहिए। अंततः सफलता अवश्य मिलती है।डॉ. कलाम ने अपनी किताब अग्नि की उड़ान और माय जर्नीः ट्रांसफॉर्मिंग ड्रीम्स इन टू एक्शन में इस वाकये का जिक्र किया है। राष्ट्रपति बनने के बाद वे दो बार मुंगेर आए और बिहार योग विद्यालय में प्रज्वलित स्वामी शिवानंद जी की अखंड ज्योति का साक्षात्कार किया। वे यहां राष्ट्रपति नहीं एक शिष्य की तरह पधारे। वे आजन्म गुरूओं के शिष्य बने रहे।

कलाम साहब आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं। लेकिन, उनकी आवाज आज भी स्कूलों में, किताबों में, मिसाइल प्रक्षेपणों में और हर उस युवा के सपनों में गूंजती है, जो कुछ बड़ा करना चाहता है।

डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम का पूरा नाम डॉ. अवुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम है। कलाम का जीवन कोई साधारण कहानी नहीं है। यह उस मछुआरे के बेटे की गाथा है, जिसने रामेश्वरम की गलियों से चलकर राष्ट्रपति भवन की दहलीज तक का सफर तय किया और मिसाइल तकनीक से लेकर बच्चों के मन तक में अपनी अमिट छाप छोड़ी। उनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के एक छोटे से गांव रामेश्वरम में हुआ। उनके पिता ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे, लेकिन जीवन की सच्ची शिक्षा कलाम साहब ने उन्हीं से सीखी और वह थी ईमानदारी, परिश्रम और दूसरों की सेवा। कलाम साहब ने अपनी आत्मकथा विंग्स ऑफ फायर में इसका जिक्र भी किया है।

कलाम साहब ने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और फिर अपने जीवन को राष्ट्रनिर्माण के यज्ञ में समर्पित कर दिया। डीआरडीओ में होवरक्राफ्ट पर काम करते हुए उन्होंने जो वैज्ञानिक दृष्टिकोण सीखा, वह आगे चलकर इसरो में एक महान परिवर्तन का कारण बना। वहां उन्होंने भारत का पहला स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 विकसित किया, जिससे 1980 में रोहिणी उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। यह क्षण भारत के अंतरिक्ष इतिहास में मील का पत्थर था। यहीं से कलाम साहब को मिसाइल मैन का नाम मिला, जो उन्हें अमर कर गया। उन्होंने पृथ्वी और अग्नि जैसे स्वदेशी मिसाइल विकसित किए। उन्होंने न सिर्फ भारत को मिसाइल तकनीक में आत्मनिर्भर बनाया बल्कि सामरिक दृष्टि से आत्मगौरव और आत्मविश्वास से भर दिया। 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों में उनकी भूमिका रणनीतिक और निर्णायक रही। एक वैज्ञानिक के रूप में वे केवल प्रयोगशाला के भीतर सीमित नहीं रहे। वे नीति, सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से देश के भविष्य की नींव रख रहे थे।

प्रौद्योगिकी सूचना, पूवार्नुमान और मूल्यांकन परिषद (टीआईएफएसी) के अध्यक्ष और एक प्रख्यात वैज्ञानिक के रूप में, उन्होंने 500 विशेषज्ञों की मदद से देश का नेतृत्व करते हुए प्रौद्योगिकी विजन 2020 पर पहुंचकर भारत को वर्तमान विकासशील स्थिति से विकसित राष्ट्र में बदलने का रोडमैप प्रस्तुत किया। डॉ. कलाम ने नवंबर 1999 से नवंबर 2001 तक कैबिनेट मंत्री के पद पर भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में कार्य किया और कई विकास अनुप्रयोगों के लिए नीतियों, रणनीतियों और मिशनों को विकसित करने के लिए जिम्मेदार रहे। डॉ. कलाम कैबिनेट की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी-सी) के पदेन अध्यक्ष भी थे और उन्होंने इंडिया मिलेनियम मिशन 2020 का नेतृत्व किया।

कलाम साहब की एक और भूमिका भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में रही। 2002 में जब उन्होंने राष्ट्रपति पद की शपथ ली, तब देश को एक ऐसा राष्ट्रपति मिला जो जनता के दिलों में बसता था। उन्होंने राष्ट्रपति भवन को सत्ता का किला नहीं, जनसंपर्क का केंद्र बना दिया। उनकी सादगी, उनके व्याख्यान और आम लोगों के साथ उनके सहज संवाद ने उन्हें जनता का राष्ट्रपति बना दिया।

2007 में राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी उनका सफर थमा नहीं। वे विश्वविद्यालयों में पढ़ाते रहे, छात्रों से संवाद करते रहे, और युवाओं को प्रेरणा देते रहे। उन्होंने कई प्रसिद्ध पुस्तकें लिखीं, जो आज भी युवाओं की सोच को दिशा देती हैं और कलाम साहब के विचारों को जीवित रखती हैं। डॉ. कलाम के विचारों में भारत का भविष्य बसता था। एक ऐसा भारत जो तकनीकी रूप से उन्नत हो, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो, और नैतिक रूप से मजबूत हो।

अपने साहित्यिक प्रयासों के दौरान, डॉ. कलाम की चार पुस्तकें–विंग्स ऑफ फायर, इंडिया 2020–ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम, माई जर्नी और इग्नाइटेड माइंड्स - अनलीशिंग द पावर विदिन इंडिया भारत और विदेशों में रहने वाले भारतीयों के बीच लोकप्रिय हो गई।

मत्तरू जैसे संस्कृत गांव बनाने के लिए मंत्री कर्नाटक के दौरे पर!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

इन दिनों उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ,संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनंद भारद्वाज समेत कई अधिकारी कर्नाटक के शैक्षिक दौरे पर है।उनके इस दौरे का लक्ष्य कर्नाटक की तरह देवभूमि उत्तराखंड में भी संस्कृत गांव बनाना है,हालांकि उत्तराखंड के संस्कृत शिक्षा विभाग ने उत्तराखंड के हर जनपद में एक गांव को संस्कृत गांव विकसित करने के लिए गांव का चयन भी कर लिया है,लेकिन ये गांव मत्तूरु जैसे अभी तक नही बन पाए है।इसी कारण इस दौरे को जरूरी माना गया,ताकि कर्नाटक के अनुभव का लाभ लिया जा सके।मत्तरू गांव में चौबीसों घंटे सिर्फ संस्कृत ही बोली और पढ़ी जाती हैं। मत्तूरु गांव में पिछले छह सौ वर्षों से संस्कृत जिदां है। वहां के लोग दैनिक बातचीत में नियमित संस्कृत का प्रयोग करते हैं। संस्कृत भाषा की जो परंपरा सदियों पहले हुआ करती थी, उस गांव में आज भी यथावत है। मत्तूरु गांव कर्नाटक से करीब 300 किलोमीटर दूर तुंग नदी के निकट बसा है जिसे देश के अंतिम संस्कृत भाषी गांव की उपाधि हासिल है। गांव में रहने वाले प्रत्येक शख्स को संस्कृत बोलनी, लिखनी और पढ़नी अच्छे से आती है। बड़ो से लेकर बच्चे और महिलाएं भी आपस में संस्कृत में ही बातचीत करते हैं। मत्तूर गाँव में 16वीं शताब्दी से संस्कृत बोली जाती है। किसान मजदूरों से लेकर नौकरीपेशा लोग भी संस्कृत में बात करते हैं। इस अनोखे गांव में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी, इंदिरा गांधी,अटल बिहारी वाजपेयी व पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम भी भ्रमण कर चुके हैं। गांव में बाहरी लोगों के लिए कोई होटल या रेस्टोरेंट नहीं है। गांववासी अपने यहां उनके खाने और रूकने की व्यवस्थाएं निःशुल्क करते हैं। संस्कृत प्रेमी जब वहां पहुंचते हैं तो गांव वाले उन्हें पानी और गुड देकर उनका स्वागत करते हैं। मत्तूरु गांव में विभिन्न देशों के लोग संस्कृत सीखने लगातार पहुंचते रहे हैं। संस्कृत भारत की प्राचीन और शास्त्रीय भाषा रही है जिसका इतिहास 3500 साल पुराना है। संस्कृत को देवों की भाषा कहा गया है। संस्कृत के गर्भ से ही संसार की ज्यातार भाषाओं की उत्पत्ति हुई है। वेदों की रचना संस्कृत से ही हुई। संस्कृत को भारत की सर्वाधिक पुरानी भाषाओं में गिना जाता है। सन 1981 में संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए गठित संस्था संस्कृति भारती ने मत्तूर में 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था। इसमें पड़ोसी उडुपी में पेजावर मठ के संत सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया था। जब संत ने संस्कृत को संरक्षित करने के लिए मत्तूर में गांव वालों के उत्साह को देखा, तो उन्होंने तुरंत संस्कृत भाषा को अपनाने की गुजारिश की, जिसे स्थानीय लोगों ने दिल से स्वीकार कर लिया। इसी तरह मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिला मुख्यालय से करीब 45 किमी दूर झिरी गांव ने देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस गांव में रहने वाला हर शख्स संस्कृत में ही बात करता है। यहां के लोगों ने संस्कृत भाषा को पूरी तरह से अपने जीवन में ढाल लिया है। यहां गांव की दीवारों पर संस्कृत में श्लोक लिखे हैं। यहां लोग अपने दिन की शुरूआत गुड मॉर्निंग से नहीं बल्कि नमो नमः से करते हैं।एक हजार की आबादी वाले झिरी गांव में महिलाएं किसान, मजदूर यहां तक की छोटे बच्चे भी संस्कृत में बात करते हैं। इसकी शुरूआत सामाजिक कार्यकर्ता विमला तिवारी ने सन 2002 से की थी। उन्होंने गांव में संस्कृत पढ़ाना शुरू किया।

आज का राशिफल

मेष कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर जाने से आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है।	**तुला** आज आपको जल्दबाजी में कोई भी फैसला लेने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है।
वृषभ किसी काम के परिणाम का इंतजार था तो अब आपको उसका शुभ नतीजा मिल सकता है।	**वृश्चिक** पद के व्यक्ति के साथ निकटता या दोस्ती होने से लाभ प्राप्त हो सकता है।
मिथुन आज जिस भी काम में हाथ लगाएंगे वह बहुत आसानी से पूरा हो जाएगा।	**धनु** कुछ समय से विरोधियों के चलते बाधाओं का सामना कर रहे थे तो अब वे दूर हो सकती हैं।
कर्क आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। हर कार्य में सफलता प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।	**मकर** मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है किसी खास व्यक्ति से उपहार मिलने की भी संभावना है।
सिंह कार्यस्थल पर साम-सम्मान में वृद्धि होगी और व्यापार के मामले में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।	**कुंभ** आज आपको बड़ी मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है। इसी के चलते आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
कन्या आज काम का प्रेशर कुछ ज्यादा रह सकता है, जिससे मानसिक तनाव महसूस होगा।	**मीन** कड़ी मेहनत और भागदौड़ करनी पड़ सकती है। यह आपके लिए लाभकारी भी सिद्ध हो सकती है।

विशेष

रिटायरमेंट की चर्चाएं शुरू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को 75 साल के होने जा रहे हैं। उनके रिटायरमेंट को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। गृहमंत्री अमित शाह ने भी रिटायरमेंट के बाद में वह क्या करेंगे, उन्होंने खुद बता दिया है।सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने 70 साल की उम्र में ही रिटायरमेंट की घोषणा कर दी है। उनका रिटायरमेंट भी चचाओं में है। मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर और कई बड़े केंद्रीय मंत्री और नेताओं को 75 साल की उम्र में घर बैठा दिया गया था।

विपक्ष को हंगामा पसंद

मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो गया है। रोजाना संसद के दोनों सदनों में हंगामा हो रहा है।सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच एक दूसरे के ऊपर दोषारोपण करने की होड़ लगी हुई है। सरकार कहती है, विपक्ष हंगामा करता है। विपक्ष आरोप लगाता है, सरकार स्वयं सदन को नहीं चलाना चाहती है। विपक्ष के सवालों के जवाब से बचने के लिए सत्ता पक्ष सदन के अंदर हंगामा मचाती है।

सरकार के गले में अटका

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में बड़ी रार देखने को मिल रही है।तीसरे दिन सत्ता पक्ष ने 16-16 घंटे की बहस दोनों सदनों में स्वीकार कर ली है। सोमवार से इस पर बहस शुरू होगी। जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप ऑपरेशन सिंदूर को लेकर रोजाना नए-नए दावे कर देते हैं। रही सही कसर सेना प्रमुखों के बयान ने पूरी कर दी है। सरकार को बच निकलने का कोई मौका नहीं मिल रहा है।

कार्टून कोना

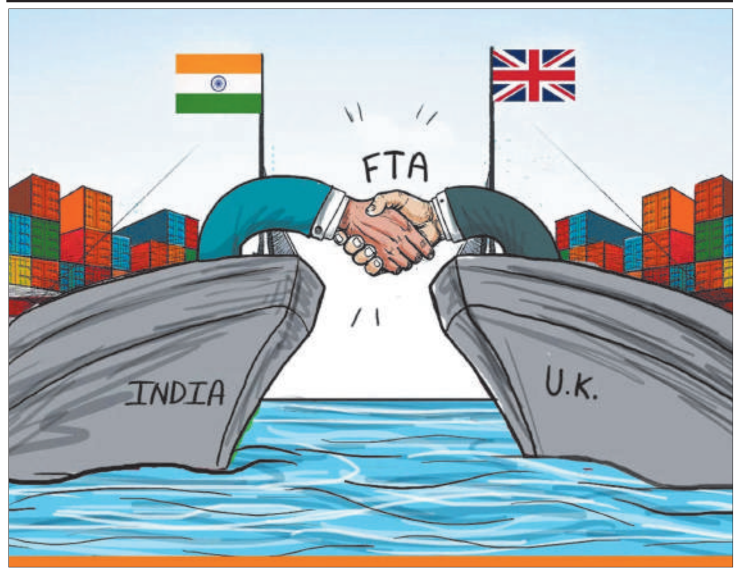

आज का इतिहास

1540: इंग्लैंड नरेश हेनरी अष्टम ने कैथरीन हावर्ड से विवाह किया. 1794: फ्रांस के क्रांतिकारी नेता मैक्सी मिलिएन रावसपियरे को चार सहयोगियों के साथ मौत के घाट उतार दिया. 1821: पेरू ने स्पेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की. 1858: अंगुलियों के निशान का उपयोग पहचान के लिए भारत में पहली बार किया गया. 1868: अमरीका के अश्वेतों को नागरिकता का अधिकार देने का संविधान संशोधन पारित हुआ. 1914: आस्ट्रिया हंगरी ने सर्बिया पर हमला किया. 1914: प्रथम विश्व युद्ध का प्रारंभ हुआ. 1945: अमेरिकी थलसैनिक बी- 25 विमान एम्पायर स्टेट बिल्डिंग, न्यूयार्क से टकराया 14 लोगों की मृत्यु हुई. 1968: जर्मन भौतिक विज्ञानी ओटोहान का निधन हुआ. 1973: अमरीका ने स्काईलैब-2 को तीन यात्रियों के साथ अंतरिक्ष में भेजा जो 59 दिन बाद धरती पर लौटे.

दैनिक पंचांग

28 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

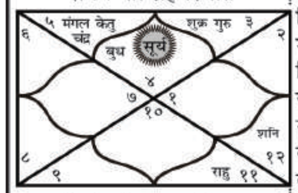

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.59 बजे से
चंद्र	सिंह में	कन्या	09.11 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	11.21 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.36 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.52 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.57 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.44 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.16 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.47 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		वृष	00.27 बजे से
		मिथुन	02.25 बजे से
		कर्क	04.39 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 209 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला **तिथि** चतुर्थी 23.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 17.36 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 02.54 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 10.59 बजे तदनन्तर विष्टि 23.25 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 03.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 58' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872419 **जूलियन दिन** 2460884.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 02 **विशेष** विनायक चतुर्थी, श्रावण सोमवार व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

मारवाड़ी युवा मंच द्वारा भव्य बाल कांवड़ यात्रा का किया आयोजन

जामताड़ा (एप्र)। सावन के पवित्र माह में शिवभक्ति की एक अनुपम मिसाल देखने को मिली जब मारवाड़ी युवा मंच समृद्धि शाखा, जामताड़ा और मारवाड़ी युवा मंच, जामताड़ा के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य बाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने पूरे शहर में श्रद्धा, उमंग और धार्मिक भावना का अद्भुत संचार किया। यात्रा की शुरूआत जामताड़ा के पवित्र अजय नदी से हुई, जहां श्रद्धालु बच्चों ने पारंपरिक विधि से जल भरा और हर-हर महादेव के जयकारों के साथ यात्रा के लिए प्रस्थान किया। बच्चों के कंधों पर सजी कांवड़ और भोलेनाथ की भक्ति में रमे चेहरों ने पूरे माहौल को दिव्यता से भर दिया। यात्रा में भगवान शिव और माता पार्वती की सुंदर झांकी भी निकाली गई, कार्यक्रम के सफल संचालन और समन्वयन में मंच की प्रमुख सदस्यों की अहम भूमिका रही। समृद्धि शाखा की अध्यक्ष सुमन टिबरेवाल, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, सचिव वसुंधरा जटिया, कोषाध्यक्ष खुशबू लोहारुका, सुमित कुमार जालान, वंदना नारनोलिया, नीतू परशुरामका, शिवी पोद्दार, प्रीति अग्रवाल, मिंटू अग्रवाल, रोहित लोहारुका, अंकुर डोकानिया, सूरज अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालु आयोजन में विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य न सिर्फ धार्मिक भावना को सुदृढ़ करना था, बल्कि बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपरा और श्रद्धा की शक्ति से जोड़ना भी था। इस सुंदर और अनुकरणीय आयोजन ने जामताड़ा में धार्मिक चेतना को और प्रखर किया तथा समाज में सौहार्द, भक्ति और संस्कार की भावना को और मजबूत किया।

बेटे की सफलता पर मां ने बांटी मिठाई

नाला (एप्र)। झारखंड पब्लिक सर्विस कमिशन की परीक्षा में महुलबना पंचायत की मुखिया शिलावंती सोरेन के बेटे जगदीप हेम्ब्रम ने झारखंड पब्लिक सर्विस कमिशन 2023 की परीक्षा में सफलता हासिल की है `उन्होंने 66 वां रैंक लाकर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे झारखंड का नाम रोशन किया है। जगदीप हेम्ब्रम महुलबना पंचायत के माधवा गांव का निवासी है। उसकी माता शिलावंती सोरेन महुलबना पंचायत की मुखिया हैं। इस अवसर पर सफलता की जश्न में पंचायत सचिव चंदन गोगराई, गिरीधारी सिंह, संदीप कुमार सिंह, रामाधीन सिंह, संजय सिंह, संतोष कुमार भोक्ता, विश्वनाथ सिंह, भवेश भोक्ता,शेखर सिंह, राजीव सिंह ,अनूप कुमार सिंह, चक्रधर भोक्ता, मोहित भोक्ता, गणेश टुडू परेश हांसदा, बैद्यनाथ बास्की, गणेश महतो, आदि मौजूद थे ।

हाजियों का भव्य स्वागत समारोह

जामताड़ा (एप्र)। जिले के दुमका रोड स्थित धाँधड़ा बालिका मदरसा परिसर में रविवार को एक भव्य और भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हज यात्रा से लौटे हाजियों का शानदार इस्तकबाल किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक एकता, धार्मिक भावना और शिक्षा के महत्व को समर्पित रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मदरसा संयोजक हाफिज नाजीर हुसैन ने की, जिन्होंने सभी हाजियों को शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। इस गरिमामयी आयोजन का संचालन शिक्षक मोहम्मद कुरैश अंसारी ने कुशलतापूर्वक किया। कार्यक्रम में जामताड़ा जिला के नारायणपुर, कमाटांड़, मिहिजाम, कुंडहित समेत कई गांवों से बड़ी संख्या में हाजी और गणमान्य लोग शामिल हुए। मंच से संबोधित करते हुए जिले के प्रमुख उलेमाओं ने हाजियों को बधाई देते हुए समाज में उनके सकारात्मक योगदान की सराहना की।

वाहन जांच कर 6 वाहनों को किया जब्त

करमाटांड़ (एप्र)। पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता के आदेश पर क्षेत्र के करमाटांड़-जामताड़ा मुख्य पथ पर तीन नंबर बागान के समीप वाहन जांच अभियान चलाया। जिसमें थाना के एसआई नीतीश कुमार, एएसआई रघुवंश सिंह पुलिस बल द्वारा 6 मोटरसाइकिल चालकों को बिना हेलमेट का पकड़ा। जिसे जब्त कर थाना लाया गया।सभी जब्त वाहनों की सीजर लिस्ट बनाकर जामताड़ा भेजा गया।

तमिलनाडु में अपहरण के बाद छह मजदूर सकुशल लौटे घर

पुलिस ने सात अपहरणकर्ताओं को किया गिरफ्तार

जामताड़ा (एप्र)। नारायणपुर थाना क्षेत्र के छह मजदूर तमिलनाडु में अपहरण के बाद अब सुरक्षित अपने घर लौट आए हैं। मजदूरों को काम दिलाने के नाम पर बहला-फुसलाकर अपहरण किया गया था। अपहरणकताओं ने परिजनों से फिरौती की मांग की थी। जामताड़ा के छह मजदूर तमिलनाडु के सेलम जिले में काम के लिए गए थे। वहां इनका अपहरण कर लिया गया। अपहरणकताओं ने दो लाख दस हजार रुपये की फिरौती मांगी। परिजनों ने डर के मारे 1.25 लाख रुपये भेजे, जिसमें से 89 हजार रुपये मजदूरों ने अपहरणकताओं

को दे दिए। मजदूरों ने बताया कि हमें काम का लालच देकर ले गए और फिर एक कमरे में बंद कर दिया। बोले कि घर वालों से पैसे मंगवाओ, वरना कुछ भी हो सकता है। लोकेशन की जानकारी मिलने पर तमिलनाडु की पुलिस ने छापा मारकर सात अपहरणकताओं को गिरफ्तार कर लिया। मजदूरों को कोर्ट में पेश किया गया और मजिस्ट्रेट के आदेश पर 70 हजार रुपये की राशि भी उन्हें वापस कर दी गई।रविवार दोपहर ये सभी मजदूर धनबाद स्टेशन पहुंचे और फिर वहां से अपने घर लौट आए। परिजनों ने उन्हें गले लगाकर राहत की सांस ली। फिलहाल मजदूर सुरक्षित हैं और पुलिस बाकी आरोपियों की तलाश में जुटी है। सभी मजदूर नारायणपुर थाना क्षेत्र के हैं एक इरफान अंसारी महतोडीह गांव के हैं,बाकी उल्फत अंसारी, किस्मत अंसारी , जाहिर अंसारी , इरशाद अंसारी और अरबाज अंसारी ये सभी बोरवा गांव के निवासी हैं। ये घटना एक चेतावनी भी है कि काम के नाम पर ठगी और अपराध किस हद तक बढ़ रहे हैं।

गणेश पूजा महोत्सव की तैयारी शुरू

जामताड़ा (एप्र)। जामताड़ा के ऐतिहासिक गांधी मैदान में हर साल की भांति इस वर्ष भी 10 दिवसीय गणेश पूजा महोत्सव की तैयारी शुरू हो गई है बता दें कि पंडाल का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। पंडाल का निर्माण कार्य करने वाले मिस्त्री सभी पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर से आए हैं और इस बार पंडाल का निर्माण कुछ अलग ढंग से किया जाएगा जो देखने लायक होगा। बता दें की गणेश महोत्सव 27 अगस्त से शुरू होगी जो 5 सितंबर तक चलेगा। इस बीच में गांधी मैदान में बच्चों के मनोरंजन के सारे साधन भी उपलब्ध रहते हैं। मेला का भी भव्य आयोजन होता है ।जिसमें सभी प्रकार हस्तशील से लेकर मनिहारी सामान,हर प्रकार की दुकान यहां पर लगाया जाता है और उचित मूल्य पर सभी सामानों की बिक्री होती है और जामताड़ा का यह मेला अपने आप में ही ऐतिहासिक है। जामताड़ा जिले के अलावा अगल-बगल जिले के भी लोग इस महोत्सव को देखने के लिए बड़ी संख्या में आते हैं। काफी भीड़ रहती है। गणेश पूजा महोत्सव के दौरान प्रतिदिन विद्वान पंडित रामानंद पांडेय के द्वारा विधि विधान से गणेश भगवान की पूजा अर्चना 10 दिनों तक निरंतर चलते रहता है अंतिम दिन पूणार्हुति के दिन काफी संख्या में माताएं भाग लेती हैं क्योंकि गणपति बप्पा मोरिया की विदाई का दिन होता है जो पूरा जामताड़ा नगर का माहौल भक्तिमय हो जाता है। जामताड़ा पुलिस प्रशासन के देखरेख में पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाता है। काफी संख्या में लोग इस महोत्सव में भाग लेकर सिद्धि दाता गणेश से मनचाहा फल हेतु प्रार्थना करते हैं।

आर्ट ऑफ लिविंग जामताड़ा द्वारा श्रावण मास में महारुद्राभिषेक का किया आयोजन

आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान का संगम

जामताड़ा (एप्र)। पवित्र श्रावण मास के पावन अवसर पर, आर्ट ऑफ लिविंग परिवार, जामताड़ा के द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी महारुद्राभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक शुद्धि का माध्यम है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान का भी प्रतीक है, जैसा कि आर्ट ऑफ लिविंग के मीडिया को-ऑर्डिनेटर विजय भगत द्वारा रुद्राभिषेक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ₹श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है, और रुद्राभिषेक इस आराधना का सर्वोच्च रूप है। आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक परमपूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के मार्गदर्शन में हम यह आयोजन करते हैं, जिसका उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना और सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करना भी है। उन्होंने संकल्प के महत्व पर विशेष जोर देते हुए बताया कि जब श्रद्धालु पूरे विश्वास और भक्तिभाव से अपनी मनोकामनाओं को लेकर संकल्प लेते हैं, तो बाबा भोलेनाथ उनकी प्रार्थना अवश्य सुनते हैं और मनोकामनाएँ पूर्ण करते हैं। जामताड़ा में होने वाले इस आयोजन में प्रतिवर्ष सैकड़ों लोग उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं, बंगलौर स्थित आर्ट ऑफ लिविंग के अंतराष्ट्रीय आश्रम से पधारे वेदाचार्य के द्वारा उच्चारण मंत्रों को ध्यानपूर्वक सुनते हैं, और अपने मन की इच्छाओं को भोले बाबा के चरणों में समर्पित करते हुए संकल्प लेते हैं। इस वर्ष के महारुद्राभिषेक की अगुवाई आर्ट ऑफ लिविंग वैदिक धर्म संस्थान की जिला प्रमुख, श्रीमती रीना द्विवेदी के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न होगी। श्रीमती द्विवेदी ने बताया, ₹हमारा लक्ष्य है कि जामताड़ा के अधिक से अधिक लोग इस पवित्र आयोजन से जुड़ें और भगवान शिव की कृपा प्राप्त करें। यह अनुष्ठान न केवल व्यक्तिगत शांति प्रदान करता है, बल्कि पूरे समुदाय में सकारात्मकता और सौहार्द का वातावरण भी निर्मित करता है। यह महारुद्राभिषेक जामताड़ा के आध्यात्मिक कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है, जो स्थानीय समुदाय को एक साथ लाता है और उन्हें शांति, समृद्धि और कल्याण की दिशा में प्रेरित करता है।

आयोजन विवरण- दिनांकः 30 जुलाई बुधवार को स्थान- सरस्वती मंदिर, कायस्थपाड़ा, जामताड़ा में समय- संध्या 4 बजे आयोजित होगी। आर्ट ऑफ लिविंग जामताड़ा परिवार ने सभी श्रद्धालुओं को महा रुद्राभिषेक के आयोजन में भाग लेने की अपील की ।

सावन माह में भोले शंकर को जलाभिषेक करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है : शशि शेखर

जामताड़ा (एप्र)। जामताड़ा नगर पंचायत के अंतर्गत राघवन मोहल्ले के एक शिक्षक शशि शेखर सिंह अपने पूरे परिवार के साथ देवों के देव महादेव को लगातार 5 वर्षों से सावन माह प्रथम दिन से लेकर अंतिम दिन तक प्रतिदिन भोले शंकर को सात लीटर जल से जलाभिषेक करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि जल चढ़ाने से भगवान शिव को शीतलता मिलती है। जलाभिषेक करने से सुख, शांति, समृद्धि और धन का आशीर्वाद मिलता है। इसके अतिरिक्त, अकाल मृत्यु का भय समाप्त होता है और मनचाहा जीवनसाथी मिलने की भी मान्यता है।अन्य लाभः इसके अतिरिक्त, भगवान शिव को जल चढ़ाने से रोगों से मुक्ति, मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति भी होती है।

नाला फुटबॉल मैदान में माझी परगना सरदार महासभा की हुई बैठक, लिए गए कई प्रस्ताव

नाला (एप्र)। नाला फुटबॉल मैदान (कालीपाथर) में माझी परगना सरदार महासभा की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया प्रतिनिधि गुपीन सोरेन ने की। इस दौरान विगत बैठक की समीक्षा की गई। इस दौरान विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नाला फुटबॉल मैदान में धूम धाम से मनाने का निर्णय लिया गया ।इस अवसर पर कमिटी गठन भी की गई जिसमें अध्यक्ष के पद पर मंगल सोरेन, सचिव नारायण मरांडी,कोषाध्यक्ष कृष्णा टुडू, संयोजक कमिटी में 44 परगना टू वासुदेव हांसदा,गुपीन सोरेन, अजीत मुर्मू,गणेश्वर सोरेन, पवन मुर्मू,लखिन्दर हेम्ब्रम, सुबोधन हेम्ब्रम, जलेश्वर हेम्ब्रम, उपधन मरांडी,हेमलाल मरांडी,आदि का चयन संचालन हेतु किया गया। इस दौरान पंडाल निर्माण सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई। मौके पर सुफल सोरेन, मनोरंजन हांसदा आदि मौजूद थे।

फतेहपुर-गोविंदपुर मुख्य सड़क पर सूखा पेड़ बनी खतरे की घंटी, हादसे की आशंका बढ़ी

फतेहपुर (एप्र)। फतेहपुर-गोविंदपुर-साहेबगंज मुख्य सड़क पर अगुठिया मोड़ के समीप स्थित एक सूखा पेड़ इन दिनों राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरे का कारण बना हुआ है। यह पेड़ सड़क के बिलकुल किनारे खड़ा है और पूरी तरह से सूख चुका है, जिससे इसके कभी भी गिरने की आशंका लगातार बनी हुई है। स्थानीय ग्रामीणों और यात्रियों का कहना है कि यह पेड़ अब पूरी तरह खोखला हो गया है और तेज हवा या हल्की बारिश में भी इसके गिरने की संभावना बनी रहती है। दिन-रात इस मार्ग से सैकड़ों दोपहिया और चारपहिया वाहन गुजरते हैं। ऐसे में यदि यह पेड़ अचानक गिर जाए, तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। कुछ राहगीरों ने बताया कि कई बार वे बाल-बाल बचे हैं। कुछ वाहनों को इसकी सूखी टहनियों के गिरने से हल्का नुकसान भी हो चुका है। लोगों में भय का माहौल है और हर गुजरने वाला वाहन चालक इस मोड़ पर गति धीमी कर देता है।

11हजार वोल्ट के बिजली तार की चपेट में आने से दो बैलों की मौत

फतेहपुर (एप्र)। फतेहपुर प्रखण्ड क्षेत्र के मालडीहा गांव में रविवार सुबह एक हृदयविदारक हादसे में दो बैलों की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना उस समय घटी जब गांव के निवासी सुनील पावरिया अपने खेत की जुताई के लिए बैलों को लेकर जा रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह लगभग 7:00 बजे रास्ते में 11000 वोल्ट का एक हाई वोल्टेज विद्युत तार पहले से टूटा हुआ और जमीन पर गिरा हुआ था। बैलों के संपर्क में आते ही दोनों को तीव्र करंट लगा और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।पीड़ित किसान ने घटना की जानकारी पशु चिकित्सा पदाधिकारी को एक लिखित आवेदन के माध्यम से दी है, जिसमें मृत बैलों की अनुमानित कीमत ?1,30,000 बताई गई है। उन्होंने प्रशासन से जांच कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है, ताकि इस आर्थिक क्षति की कुछ भरपाई हो सके। आवेदन के साथ मृत बैलों की तस्वीरें और चश्मदीद गवाहों के हस्ताक्षर भी संलग्न किए गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में बिजली व्यवस्था अत्यंत जर्जर है, जिसके कारण इस प्रकार की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से शीघ्र सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की है। इसी बीच, नाला विधानसभा क्षेत्र के भाजपा युवा नेता मनोज गोस्वामी ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ₹बिजली विभाग की लचर व्यवस्था और गांवों में लटकते 11000 वोल्ट के तारों की खस्ताहाल स्थिति ही इस दुर्घटना का मुख्य कारण है। विभाग द्वारा गरीब ग्रामीणों से बिजली बिल वसूली के समय तो कड़ी सख्ती बरती जाती है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई जाती। उन्होंने यह भी कहा कि ₹जब बिजली बिल वसूलने या छापेमारी करनी होती है, तब अधिकारी दलदल जैसी स्थिति में भी गांवों तक पहुंच जाते हैं। लेकिन जब ऐसी जानलेवा दुर्घटनाएं होती हैं, तब कोई न छुट्टी का बहाना बनाता है तो कोई अपने क्षेत्र से बाहर होने की बात कहकर पल्ला झाड़ लेता है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आदिवासी सांवता सुसार आखड़ा के बैनर तले हुई बैठक

नाला (एप्र)। नाला पीडब्ल्यूडी परिसर में आदिवासी सांवता सुसार आखड़ा के बैनर तले बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्षा राधारानी सोरेन ने की। इस दौरान 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस 2025 को वृहद रूप से नाला में मनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर जिप अध्यक्ष राधारानी सोरेन ने कहा कि इस बार नाला में ही भव्य तरीके से विश्व आदिवासी दिवस मनाएंगे। उन्होंने कहा कि कमिटी का भी गठन किया गया साथ ही सभी सदस्यों को कार्यभार भी सौंपा गया। इस दौरान संयोजक मंगल सोरेन ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस इस वर्ष भव्य तरीके से मनाई जाएगी जिसको लेकर संचालन समिति का गठन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से जनता के बीच में अपने विचार को रखेंगे और उनलोगों को इस चीज के लिए प्रोत्साहित करेंगे कि जल जंगल जमीन कैसे बचे, मनुष्य कैसे बचे ,यहां के पर्यावरण को कैसे संतुलित रखे।यही उद्देश्य है विश्व आदिवासी दिवस की। इसको भव्य तरीके के इस वर्ष नाला में मनाने जा रहे हैं। इस अवसर पर संचालन समिति में अध्यक्ष के पद पर दिलीप कुमार हेम्ब्रम, उपाध्यक्ष रंजीत मरांडी,सचिव पानेश्वर किस्कु,सह सचिव सोनामनी हेम्ब्रम, कोषाध्यक्ष अबिता हांसदा,कार्यक्रम संरक्षक राधारानी सोरेन, के अलावे कला संस्कृति संचालन को लेकर भी कमिटि गठन की गई जिसमें प्रमुख बाबुजन टुडू,सहयोगी प्राण मरांडी,सहयोगी गार्गी मुर्मू आदि का चयन किया गया साथ ही कार्यभार सौंपा गया। मौके पर उत्तम हेम्ब्रम, सुशील सोरेन, बासुदेव बेसरा,पानेश्वर किस्कु,अशोक मरांडी, आदि मौजूद थे।

जिला परिषद् सदस्य ने मुखिया के बेटे को जेपीएससी में 66 वीं रैंक आने पर दी बधाई

फतेहपुर (एप्र)। बिंदापाथर थाना क्षेत्र के महुलबोना पंचायत के माधव गांव निवासी जगदीप कुमार हेंब्रम ने झारखंड पब्लिक सर्विस कमिशन 2023 परीक्षा में 66वीं रैंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार और गांव में खुशी की लहर है। स्थानीय जिला परिषद सदस्य वंदना देवी ने जगदीप को बधाई देते हुए कहा, ₹यदि मन में जज्बा और दृढ़ संकल्प हो, तो सफलता अवश्य मिलती है।₹ उन्होंने इस सफलता को पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक बताया। जगदीप के पिता सुरेंद्र हेंब्रम शिक्षा विभाग में पदस्थापित हैं, जबकि माता शिलावंती सोरेन महुलबना पंचायत की मुखिया हैं। एक साक्षात्कार में बताया कि जगदीप प्रारंभ से ही अपने अध्ययन अध्यापन में बड़े ही तन्मयता पूर्वक पढ़ाई करते थे

प्रारंभ से ही उनकी दिली इच्छा थी कि कोई प्रशासनिक सेवा में जाकर अपने राज्य तथा देश की सेवा करें जगदीप कुमार हेंब्रम की प्रारंभिक शिक्षा जामताड़ा स्थित मिशन स्कूल बेवा में हुई है ,वे वर्ग 6 तक मिशन स्कूल बेवा में पढ़ाई की तत्पश्चात आगे की पढ़ाई रांची (जेबीसी) संत जेवियर स्कूल में की वहीं उन्होंने ग्रॉसनर कॉलेज रांची से ग्रेजुएशन की उपाधि प्राप्त की तत्पश्चात उन्होंने रांची यूनिवर्सिटी में लेक्चरर के पद पर भी कार्यरत रहे इधर माता शिलावंती सोरेन भी मुखिया पद पर आसीन होकर पंचायत विकास कार्यों में गरीब गुरबों की सेवा और क्षेत्र के आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मुखिया का पद भी बखुबी निर्वहन कर रही है जगदीप हेंब्रम ने अपनी शिक्षा और मेहनत के बल पर बीडीओ (ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर) का पद हासिल किया है। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है इस सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के युवक युवतियों के लिए जगदीप हेंब्रम की सफलता की कहानी प्रेरणा का स्रोत है जगदीप के इस उपलब्धि से परिवार के अलावे क्षेत्र के लोगों में भी हर्ष है।

जामताड़ा जिला कैरम एसोसिएशन का पुनर्गठन कार्य संपन्न

जामताड़ा (एप्र)। नगर स्थित डायमंड मैरज हॉल दुमका रोड में जामताड़ा जिला कैरम खेल के खिलाड़ीयों एवं खेल प्रेमियों के साथ जामताड़ा जिले पूर्व सीनियर चैंपियन कैरम के वरिष्ठ खिलाड़ी विश्वनाथ तिवारी की अध्यक्षता में बैठक हुई। जहाँ जामताड़ा जिला कैरम एसोसिएशन का पुनर्गठन हुआ ।जिसमें सर्वसम्मति से मुख्य संरक्षक अरुप कुमार मित्रा संरक्षक विश्वनाथ तिवारी , चैयरमेन शिवनाथ घोष , अध्यक्ष रणदीप गुप्ता, उपाध्यक्ष नितेश सेन एवं नरेंद्र नारायण, सचिव सूरज कु.पासवान , संयुक्त सचिव मोहम्मद शाहाबाज, राहुल सिंह , अमित मंडल, जूही मंडल, अमित राय, कोषाध्यक्ष नेहा भारती , कार्यकारिणी सदस्य सौगत महता, सोमनाथ दत्ता, भास्कर चांद, रौनक राज , सौरभ झा , मौसम कुमारी का दायित्व के लिए निर्विरोध चुना गया। जिला स्तरीय कैरम कमेटी के पुनर्गठन में स्टेट कैरम एसोसिएशन ऑफ झारखंड के कोषाध्यक्ष सह अंतरराष्ट्रीय कैरम निर्णायक एवं पर्यवेक्षक सुरजीत झा , स्टेट कैरम एसोसिएशन ऑफ झारखंड के कार्यकारिणी सदस्य दीपक दुबे , जामताड़ा जिला ओलंपिक एसोसिएशन से पर्यवेक्षक के रूप में हॉकी जामताड़ा के सचिव डॉ.भास्कर चांद मुख्य रूप से उपस्थित थे। मौके पर प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरजीत झा ने जामताड़ा जिला कैरम एसोसिएशन के सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयों एवं सदस्य को पौधा देकर सम्मानित किया ।साथ ही उन्होंने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दिए । उन्होंने अपने संबोधन कहा कि आगामी अगस्त माह में जिला स्तरीय कैरम प्रतियोगिता का आयोजित किया जाएगा साथ ही जामताड़ा जिला में कैरम खेल को बढ़ावा देने के लिए जामताड़ा जिला कैरम एसोसिएशन के पदाधिकारी को इस वर्ष 2025 में स्टेट कैरम एसोसिएशन ऑफ झारखंड के 25वां वर्ष एवं सिल्वर जुबली में एक राज्य स्तरीय कैरम प्रतियोगिता का आयोजन जामताड़ा जिला कैरम एसोसिएशन के बैनर तले आयोजित करने का आग्रह किया गया है।

जेपीएससी में 82 वां स्थान प्राप्त करने वाले तन्मय को पूर्व जिप सदस्य ने किया सम्मानित

कुंडहित (एप्र)। जेपीएससी परीक्षा में 82वां स्थान हासिल करने वाले कुंडहित प्रखंड अंतर्गत पाथरचुड़ निवासी सह शिक्षक रोहित कुमार महतो के पुत्र तन्मय महतो जेपीएससी की परीक्षा में 82 वां स्थान लाकर ना सिर्फ प्रखंड वासियों को बल्कि पूरे जिलेवासियों को भी खुश किया है। इसी कड़ी में रविवार को पूर्व जिला परिषद सदस्य भजहरी मंडल तन्मय के आवास पहुंचकर उन्हें अंग वस्त्र देकर सम्मानित करते हुए डायरी और पेन भेंट किया। बताते चले कि शिक्षक रोहित कुमार महतो के बेटे तन्मय कुमार ने जेपीएससी में 82वां स्थान प्राप्त कर डिप्टी कलेक्टर बनने का सपना पूरा किया। तन्मय की प्रारंभिक शिक्षा कुंडहित के आदर्श मध्य विद्यालय से हुई और दसवीं की पढ़ाई सिंहवाहिनी प्लस टु उच्च विद्यालय में हुई तथा 12वीं की परीक्षा डीएवी बोकारो से उत्तीर्ण किया। प्रारंभ में

तन्मय इंजीनियर बनने का सपना रखता था। तो उन्होंने हेरीटेज इंस्टीट्यूट से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की हालांकि कॉलेज के दौरान ही उनका झुकाव अधिकारी बनने का हुआ। वर्ष 2019 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर वे सिविल सेवा की तैयारी में जुट गए। तैयारी लंबी रही, सफर में सफलता के करीब पहुंचकर कई बार हार का सामना करना पड़ा। 7-10 वाँ जेपीएससी में उन्हें 628 मार्क्स मिले थे और बीसी-टू वर्ग का कट ऑफ 618 मार्क्स था लेकिन डॉक्यूमेंट संबंधित कारण से उन्हें बाहर कर दिया गया। उन्होंने 69इँ बीपीएससी का इंटरव्यू भी दिया लेकिन अंतिम सूची में 9 मार्क्स से असफल रहे, उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और निरंतर प्रयास करते रहे। अंततः 11- 13 वाँ जेपीएससी में 82वां स्थान प्राप्त कर डिप्टी कलेक्टर बने। एक साक्षात्कार में तन्मय ने कहा कि दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ भाव से लगे रहने पर सफलता अवश्य मिलती है। जैसे हर रात के बाद सवेरा जरुर होता है। वैसे ही निरंतर प्रयास करने से एक दिन सफलता अवश्य मिलती हैह्व उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने दादाजी सेवानिवृत्त विज्ञान शिक्षक प्रभाकर महतो, पिता रोहित कुमार महतो जो नाला प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय सियरकेटिया के प्रधान शिक्षक हैं,माता विष्णु प्रिया महतो और भाई डॉक्टर चिन्मय कुमार महतो जिन्होंने रिम्स रांची से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की है। उन्होंने अपने दोस्तों को भी इस सफलता का भागीदारी मानते हैं ,फिलहाल वे एक प्राइवेट कोचिंग संस्थान में कंपटीशन एग्जाम की तैयारी करवाते हैं। इस उपलब्धि को लेकर तन्मय के घर में उनके परिजनों का आना-जाना और बधाई देने का सिलसिला लगा हुआ है। साथ ही उन्होंने कहा कि तन्मय से प्रखंड वासियों को सीख लेने की आवश्यकता है। मौके पर शिक्षक राजेश कुण्डू एवं तन्मय के माता-पिता उपस्थित थे।

किसान का बेटा बना उत्पाद निरीक्षक

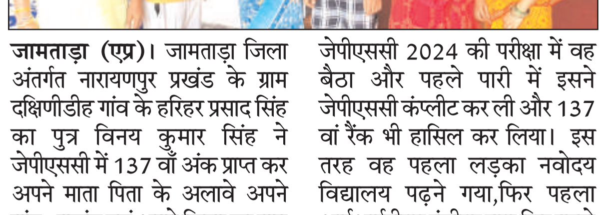

जामताड़ा (एप्र)। जामताड़ा जिला अंतर्गत नारायणपुर प्रखंड के ग्राम दक्षिणीडीह गांव के हरिहर प्रसाद सिंह का पुत्र विनय कुमार सिंह ने जेपीएससी में 137 वाँ अंक प्राप्त कर अपने माता पिता के अलावे अपने गांव , प्रखंड एवं अपने जिला का नाम रोशन किया। बता दें कि विनय कुमार सिंह के पिता एक समृद्ध किसान है। विनय बचपन से ही मेहनती था। उसने प्रारंभिक शिक्षा उत्क्रमित मध्य विद्यालय दक्षिणीडीह से प्राप्त की। 5 वीं क्लास तक वह गांव में पढ़ा, आगे की पढ़ाई जवाहर नवोदय विद्यालय हंसडीहा (दुमका) से की। 2010 में उसने मैट्रिक उत्तीर्ण कर आईआईटी की तैयारी हेतु विशाखापत्तनम पढ़ने के लिए चला गया, उसके बाद 2017 में आईआईटी कंप्लीट कर ली फिर 2 साल नौकरी की। इंजीनियरिंगम इसका मन नहीं लगा और फिर यूपीएससी की तैयारी में जुट गया लेकिन इस बीच में जेपीएससी 2024 की परीक्षा में वह बैठा और पहले पारी में इसने जेपीएससी कंप्लीट कर ली और 137 वां रैंक भी हासिल कर लिया। इस तरह वह पहला लड़का नवोदय विद्यालय पढ़ने गया,फिर पहला आईआईटीयन इंजीयर बना फिर पहले उत्पाद निरीक्षक अभी बना। विनय से पूछने पर उसने बताया कि मेरा उद्देश्य यूपीएससी कंप्लीट करना है। इसकी लगन और मेहनत की चर्चा गांव समाज में जोर-जोर से चल रही है। इसके लिए पूरा ग्रामीण खुश हैं। ग्रामीणों ने कहा कि विनय बचपन से ही मेहनती था और उत्पाद निरीक्षक बनकर गांव का नाम रोशन किया है। इस खुशी के मौके पर विनय के परिजन उनका मुंह मीठा कराया और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां बांटी। मौके पर विनय के माता अंगिरा देवी ,बड़ा भाई सुबोध कुमार सहित पूरा परिवार उपस्थित थे।

एक नजर

पूर्व राष्ट्रपति की पुण्य तिथि पर साइकिल यात्रा एक विचार ने किया पौधरोपण

जमुई (निंस)। साइकिल यात्रा एक विचार द्वारा रविवार को पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइल मैन डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण कर उन्हें हरित श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान मंच के सदस्यों ने कल्याणपुर ग्राम पहुंचकर आमजन को कलाम के विचारों और उनके हरित भारत के सपने को साकार करने का संदेश दिया। यह कार्यक्रम मंच की 499वीं रविवारीय साइकिल यात्रा के तहत आयोजित हुआ। सदस्य लड्डू मिश्रा ने बताया कि डॉ. कलाम सदैव पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण को लेकर संवेदनशील रहे। वे मानते थे कि पौधे न केवल पर्यावरण को संरक्षित करते हैं, बल्कि मानव जीवन में खुशहाली और समृद्धि भी लाते हैं। इस अवसर पर सदस्य अभिनव दुबे ने कहा कि डॉ. कलाम युवाओं को तकनीकी नवाचार के साथ-साथ प्रकृति के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देते थे। उनका मानना था कि विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं और सतत विकास की दिशा में हमें ठोस कदम उठाने चाहिए। सत्यम कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र को नई उर्जा देने वाले महान वैज्ञानिक और विचारक डॉ. कलाम की स्मृति में पौधारोपण कर हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। यह हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह उनके विचारों को आत्मसात कर पर्यावरण रक्षा में योगदान दे। कार्यक्रम में विचार मंच के अन्य सक्रिय सदस्यों गोलू कुमार, हर्ष कुमार सिन्हा, विवेकानंद पांडेय, गणेश कुमार, विजय कुमार सहित कई स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। मंच ने आगे भी हर रविवार को ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

सलूजा गोल्ड इंटरनेशनल स्कूल में सामाजिक विज्ञानं गणित व अंग्रेजी विषयों की प्रदर्शनी

गिरिडीह (निंस)। बेंजामिन फ्रेंक्लिन ने एक बहुत अच्छी बात कही हैं ₹ मुझे बताओ तो मैं भूल जाऊंगा, मुझे सिखाओ तो मैं याद रखूंगा, मुझे

शामिल करो तो मैं सीखूंगा।₹ बेनजमीन फ्रेंक्लिन की महत्वपूर्ण सीख जिसे हम अनुभवात्मक शिक्षा कहते हैं सलूजा गोल्ड इंटरनेशनल स्कूल की सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा पद्धिति हैं। इसी पद्धिति पर आधारित शनिवार को विद्यालय में कक्षा तीसरी से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने सामाजिक विज्ञान, गणित और अंग्रेजी के मॉडल की प्रदर्शनी में भाग लिया। इस प्रदर्शनी में छात्र-छात्राएं ने अपनी अपनी समझ के अनुसार इन विषयों से संबंधित एक से बढ़कर एक मॉडल को प्रदर्शित किया जिसे अभिभावकों ने खूब सराहा। कार्यक्र्म की शुरूआत दीप प्रज्जवलन साथ की गयी, जिसमे मुख्य अतिथि स्कॉलर बीएड कॉलेज की एचओडी हरदीप कौर, विद्यालय की निर्देशक रमनप्रीत कौर, प्राचार्या ममता शर्मा, उप प्राचार्य सूरज कुमार लाला और सीनियर एडमिन्सिट्रेटर रूपा मुद्रा रही। इस बहुआयामी प्रदर्शनी में 85 मॉडल्स प्रदर्शित किये गए, जिसमे विद्यार्थी के ज्ञान के साथ साथ अद्भुत रचनात्मकता देखने को मिली। मुख्य अतिथि ने प्रदर्शित किए गए सभी मॉडल्स का अवलोकन किया एवं रचनात्मकता के आधार पर उन्हे अंक दिए। विद्यालय में आयोजित होने वाली यह प्रदर्शनी छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षिक अवसर थी जिसमे विद्यार्थियों को सामाजिक विज्ञान, गणित और अंग्रेजी विषयों के बारे में अपनी रचनात्मकता के आधार पर समस्या-समाधान कौशल दिखाने का अवसर मिला। बात करें सामाजिक विज्ञान की तो इस प्रदर्शनी में, छात्र छात्राओं ने सिंधु घाटी सभ्यता का नगर योजना, वेदों एवं उनकी शिक्षाओं की प्रतिलिपि, प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय का योगदान और उसकी संरचना तथा नष्ट किये गए प्रतिलिपियों के अवशेष, गंगा एक्शन प्लान, भूगर्भीय संरचना विभिन्न ऐतिहासिक घटनाएं और संस्कृतियों के बारे में मॉडल और प्रस्तुतियों के माध्यम से जानकारी साझा की। इससे विद्यार्थियों को इतिहास, भूगोल, जैसे विषयों को समझने और दूसरों को समझाने में काफी मदद मिली। वहीँ गणित प्रदर्शनी में, छात्र -छात्राओं ने ज्यामितीय पार्क, त्रिकोणमिति पार्क, पाय्थोगोरेम थ्योरम, स्क्वायर, सर्किल, फ्रैक्शन, मल्टीपल्स इत्यादि को प्रदर्शित किया। इस श्रेणी में गणितीय अवधारणाओं, सूत्रों और समस्याओं को दशार्ने वाले मॉडल प्रदर्शित किए गए। वहीं अंग्रेजी प्रदर्शनी में, छात्र अंग्रेजी भाषा, में प्रपोजिशन, कन्जेक्शन, एडजेक्टिव, वर्ड वाल, मोडाल्स, डेटर्मिनेर्स से संबंधित विभिन्न मॉडलों को प्रस्तुत किया। प्रस्तुत किया गए मॉडल्स के लिए विद्यालय के प्रबंध निर्देशक जोरावर सिंह सलूजा ने सभी प्रशंसा की एवं उनकी रचनात्मकता का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षकगण मौजूद रहे। मंच का संचालन चंद्रमल्लिका घोष ने किया।

कारगिल विजय दिवस पर डीएवी पब्लिक स्कूल के छात्रों ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि

गिरिडीह (निंस)। कारगिल विजय दिवस इस बात का परिचायक है की किस प्रकार भारतीय सैनिकों ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों एवं दुर्गम पहाड़ियों पर भी देश के सम्मान की रक्षा एवं सुरक्षा में असाधारण साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए 527 सैनिकों ने अपना सर्वोच्च बलिदान अपने मातृभूमि के लिए दे दिया मगर दुश्मनों को भारत का एक इंच जमीन लेने नहीं दिया। 26 वाँ कारगिल विजय दिवस के अवसर पर डी ए वी पब्लिक स्कूल सीसीएल गिरिडीह के एनसीसी कैडेट ने कई कार्यक्रम प्रस्तुत कर शहीदों को श्रद्धांजलि प्रदान किया। विद्यालय में स्थित कारगिल शहीद स्मारक पर स-सम्मान पुष्प गुच्छ समर्पित कर शहीदों को नम आंखों से याद किया। देशभक्ति से भरा समूह नृत्य कैडेट अनुभूति और ग्रुप, समूह गान कैडेट नसीबा और ग्रुप ने किया। स्वागत भाषण कैडेट सुधांशु चौधरी ने दिया।धन्यवाद ज्ञापन अठड सह शिक्षक सुभाष तिवारी ने दिया। कारगिल विजय दिवस का यह गौरवपूर्ण पल को पूरा विद्यालय प्रबंधन सलाम करता है। विद्यालय आज अंतरराष्ट्रीय मैंग्रोव संरक्षण दिवस भी मनाया। इस अवसर पर विद्यालय के सुपरवाइजरी हेड शबाना रब्बानी ने कहा कि यदि हम अपने मैंग्रोव की रक्षा नहीं करेंगे तो कई जलीय जीव और धरती का जलस्तर अत्यंत दयनीय हो जाएगा।अतः यह हम सब का यह दायित्व है कि हमें मैंग्रोव की रक्षा करनी चाहिए।

इंडिपेंडेंस स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन का जिला स्तरीय चुनाव संपन्न

जमुई (निंस)। इंडिपेंडेंस स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेल्फेयर एसोसिएशन की जमुई जिला इकाई का सांगठनिक चुनाव शनिवार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल,जमुई के सभागार में आयोजित इस जिला स्तरीय बैठक में जिले के सभी दस प्रखंडों से निजी विद्यालयों के नामित शिक्षाविदों ने भाग लिया और संगठन के विभिन्न पदों के लिए निर्विरोध निर्वाचन प्रक्रिया में हिस्सा लिया।चुनाव में ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल,जमुई के निदेशक डॉ. मनोज कुमार सिन्हा को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष चुना गया।वहीं जिला महासचिव का दायित्व वेद प्रकाश को सौंपा गया।विमलेश कुमार को जिला उपाध्यक्ष, अशोक कुमार को कोषाध्यक्ष और मंटू कुमार को उप-कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।इसके अतिरिक्त आनंद लाल पाठक को राज्य सलाहकार,धर्मेंद्र कुमार को राज्य संयुक्त सचिव,ऋतुराज सिन्हा को संयुक्त सचिव,अजीत कुमार मंडल को अंकेक्षक और मिथुन पासवान को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई।नव निर्वाचित पदाधिकारियों का कार्यकाल आगामी दो वर्षों के लिए निर्धारित किया गया है। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी राष्ट्रीय सचिव रंजीत कुमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंदन कुमार और राष्ट्रीय संगठन सलाहकार गोपाल कुमार ने की।इनकी देखरेख में चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुआ। बैठक की शुरूआत दिवंगत शिक्षाविद् डॉ. ग्रेवियल आर.जे. पाराईल के चित्र पर

माल्यार्पण व दो मिनट के मौन श्रद्धांजलि के साथ की गई।इसके पश्चात डॉ. मनोज कुमार सिन्हा,धर्मेंद्र कुमार, विमलेश कुमार,आनंद लाल पाठक,अनूप कुमार सिंह,कुसुम सिन्हा,सिमांतनी जाना हाजरा और प्रेमलता ने संयुक्त रूप से अग्नि प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया।कार्यक्रम का सफल संचालन विदुषी शिक्षिका प्रेमलता ने किया,जिनके संचालन ने उपस्थित जनों से सराहना प्राप्त की।ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने स्वागत गान प्रस्तुत कर आगंतुकों का अभिनंदन किया,जबकि विद्यालय के बैंड ग्रुप की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।गायन और बाजन की सफल प्रस्तुति में शिक्षक अनिल कुमार सिन्हा का सराहनीय योगदान रहा।कार्यक्रम के अंत में स्कूल की सचिव कुसुम सिन्हा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अतिथियों का आदरपूर्वक आभार व्यक्त किया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करना और जिले के निजी विद्यालयों का समुचित विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।उन्होंने सभी विद्यालयों को भारत विकास परिषद से जुड़ने का आह्वान करते हुए बताया कि परिषद द्वारा आयोजित होने वाली हिंदी और संस्कृत गीत प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को मंच मिलेगा।डॉ. सिन्हा ने यह भी घोषणा की कि सितंबर में शिक्षक सम्मान समारोह,अक्टूबर मेंह्यभारत को जानोह्न प्रतियोगिता तथा नवंबर में शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।राष्ट्रीय सचिव रंजीत कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि निजी विद्यालयों की समस्याओं का समाधान संगठन की जिम्मेदारी है।उन्होंने शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इससे संगठन की मजबूती और एकता का परिचय मिलता है।नव निर्वाचित महासचिव वेद प्रकाश, उपाध्यक्ष विमलेश कुमार,राज्य सलाहकार आनंद लाल पाठक सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखते हुए संगठन को मजबूत करने की बात कही।बैठक के बाद प्रखंड स्तर पर भी सांगठनिक चुनाव संपन्न हुए, जिसमें योग्य और सक्रिय कार्यकताओं को विभिन्न जिम्मेदारियों से नवाजा गया।

योगिया ग्राम में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

जमुई (निंस)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमुई के तत्वावधान में जिले के लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत नजारी पंचायत के योगिया ग्राम में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता शिविर का विषय नालसा की आदिवासियों के अधिकारों के संरक्षण एवं प्रवर्तन हेतु विधिक सेवा योजना थी। कार्यक्रम का संचालन पैनल अधिवक्ता राजकुमार यादव तथा अधिकार मित्र/पारा विधिक सेवक प्रेम कुमार मरांडी ने किया। कार्यक्रम में समाज से पिछड़े आदिवासी समुदाय को मुख्य धारा में लाने के लिए तथा उनके लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। पैनल अधिवक्ता ने बताया की आदिवासी समुदाय इस देश के मूल निवासी हैं किंतु आर्थिक एवं सामाजिक रूप से आज मुख्य धारा से कटे हुए हैं।आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए नालसा की विधि सेवा योजनाएं लागू की गई है ताकि उनके अधिकारों का संरक्षण किया जा सके और उन तक सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने वर्तमान में नालसा की तरफ से चलाई जा रही 90 दिवसीय राष्ट्रीय मध्यस्थ अभियान तथा अगले महीने प्रस्तावित चलंत लोक अदालत के विषय में भी लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि न्यायालय में वादों के बढ़ते संख्या को कम करने का यह सार्थक प्रयास है।

ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के साथ समाजसेवा का लिया गया संकल्प

जमुई (निंस)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला पार्षद विकास प्रसाद सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर शनिवार को जिलेभर में भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्त्ताओं एवं समर्थकों ने टिहिया, डहुआ, धोबघट, पाड़ो, लकड़ा, भंडरा,पनपुरवा,नवीनगर, झुन्डो, नीमारंग, बरूअट्टा समेत विभिन्न गांवों में 400 से अधिक पौधे रोपित किए। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण को समर्पित था और इसे ग्रामीणों व युवाओं ने उत्साहपूर्वक संपन्न किया।ग्रामीणों और कार्यकर्त्ताओं ने इस दौरान विकास सिंह को समर्पित भाव से शुभकामनाएं दीं और उन्हें एक जनसेवी नेता बताते हुए कहा कि वे विपरीत राजनीतिक परिस्थितियों में भी भारतीय जनता पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में लगातार लगे रहे हैं। पिछले तीन दशकों से भाजपा को घर-घर पहुंचाने का कार्य वे निःस्वार्थ भाव से कर रहे हैं। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है

कि वे हर कार्यक्रम को सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर करते हैं,जिससे जनता के बीच गहरा जुड़ाव बना है।कार्यकताओं ने बताया कि विकास सिंह न केवल भाजपा के सशक्त स्तंभ हैं, बल्कि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक सक्रिय स्वयंसेवक भी हैं। संघ के विभिन्न कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति नियमित रहती है।वे बजरंग दल, विद्यार्थी परिषद, विश्व हिंदू परिषद जैसी संघ की सहयोगी संस्थाओं को भी लगातार मार्गदर्शन देते रहे हैं। पूर्व जिला पार्षद के रूप में 2011 से 2016 तक खैरा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने जनहित के कई कार्य किए और जनता के सुख-दुख में हमेशा साथ खड़े रहे।कोरोना महामारी के दौरान भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा।लॉकडाउन के दौरान 67 दिनों तक वे जिले के सैकड़ों गांवों व मोहल्लों में पहुंचकर मास्क, खाद्य सामग्री का वितरण करते रहे। उन्होंने डॉक्टर्स, सफाईकर्मियों, पुलिस व अन्य कोरोना योद्धाओं का सम्मान कर उनके मनोबल को भी बढ़ाया। इतना ही नहीं,प्रवासी मजदूरों के लिए बनाए गए कोरेन्टीन सेंटरो-जैसे अमरथ इंजीनियरिंग कॉलेज,खेल भवन खैरा आदि में,आरएसएस के सहयोग से प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास की व्यवस्था कराई, ताकि प्रवासी स्वस्थ और मानसिक रूप से संतुलित रहें। कार्यक्रम के अंत में कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि वे पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्र निर्माण और समाजसेवा के कार्यों में इसी तरह सहभागी बने रहेंगे और विकास सिंह जैसे समर्पित नेताओं से प्रेरणा लेते रहेंगे।

215 बटालियन सीआरपीएफ ने धूमधाम से मनाया 87 वां स्थापना दिवस

बरहट (एप्र)। पुलिस लाईन मलयपुर में रविवार को 215 बटालियन सीआरपीएफ ने कमांडेंट विनोद कुमार मोहरिल के नेतृत्व में धूमधाम से अपना 87 वां स्थापना दिवस मनाया।मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं जवानों ने बल के शहीदों को श्रद्धांजली अर्पित कर उन्हें नमन किया। पश्चात जवानों द्वारा कमान्डेंट को क्वार्टर गार्ड में विशेष सलामी देकर सम्मानित किया गया। कमांडेंट ने विशेष सैनिक सम्मेलन को संबोधित किया तथा बल की उपलब्धियों, विशेषताओं एवं महत्व पर प्रकाश डाला और बल के कार्मिकों को सरकार द्वारा दी जा रही विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजना के बारे में अवगत करवाया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कमांडेंट ने कहा कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की स्थापना स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व 1939 में हुई थी, तथा देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के द्वारा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद इसको वर्तमान स्वरूप में लाया गया। एक बटालियन से शुरू हुए इस बल में आज 246 बटालियन, 10 कोबरा

बटालियन, 6 महिला बटालियन, 5 वीआईपी बटालियन शामिल है। आज सीआरपीएफ बल देश के हर कोने में तैनात है, चाहे उग्रवाद व अलगाववाद से ग्रसित जम्मु कश्मीर हो इमरजेंसी प्रभावित उत्तर पूर्वी राज्य हों, या नक्सलवाद से लड़ रहे मध्य भारत के राज्य हों। देश की आन्तरिक सुरक्षा को बनाये रखने में इस बल ने अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान की है। बल के सैकडों अधिकारियों और जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान भी दिया है। सीआरपीएफ के अधिकरियों व जवानों द्वारा दिखाई गई वीरता, कर्तव्य परायणता, समर्पण व उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सभी सुरक्षा बलों में सर्वाधिक पदकों से सम्मानित किये जाने का भी गौरव प्राप्त है। जवानों ने निकाली साइकिल रैली...... इस उपलक्ष्य में जवानों द्वारा साइकिल रैली भी निकाली गई। कमांडेंट ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।साइकिल रैली सीआरपीएफ कैंप से निकलकर मलयपुर से महावीर चौक होते हुए पुनः पुलिस लाईन मलयपुर पहुंची। जानकारी देते हुए कमांडेंट ने कहा कि भारत सरकार के द्वारा चलाये जा रहे फिट इंडिया अभियान के तहत देश के सभी लागों को फिट रहना बहुत जरूरी है। सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि भारत एक फिट एवं स्वस्थ राष्ट बनें। इस मौके पर संध्या खेल परिसर मैदान में जवानों के बीच मैत्रीपूर्ण वॉली वॉल मैच का भी आयोजन किया गया तथा सभी मैसों में बड़े खाने का भी आयोजन किया गया। मौके पर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रवीण कुमार सुमन, उप कमांडेंट रमेश कुमार सहित सभी अधिकारी व जवान मौजूद थे।

फरार एनबीडब्ल्यू वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बरहट (एप्र)। रविवार को मलयपुर थाना पुलिस ने कई साल से फरार चल रहे एक एनबीडब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कर्मण गांव निवासी राजेश यादव पिता गोपी यादव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार राजेश ने एक फाइनेंस कंपनी से मैजिक वाहन के लिए लोन लिया था। लोन की किश्तें नहीं चुकाने पर कंपनी ने वाहन को जब्त कर लिया। इसके बाद आरोपी द्वारा बकाया राशि का भुगतान नहीं करने पर कंपनी की ओर से मलयपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि एक एनबीडब्ल्यू वारंटी जमुई की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही उन्होंने मलयपुर थानाध्यक्ष को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। इसके बाद थानाध्यक्ष ने गश्ती दल में तैनात एसआई महेश प्रसाद सिंह एएसआइ प्रेमरंजन राय को सूचित किया। जिसके उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पतौना चौक के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी पूर्व में शराब तस्करी के मामले में जेल भी जा चुका है। इस संबंध में मलयपुर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर विकास कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ न्यायालय द्वारा पहले ही गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। उसे पतौना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है और न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

गिद्धौर में दुर्गा मंदिर सौंदर्यीकरण पर रोक का ग्रामीणों ने किया विरोध

गिद्धौर/जमुई (निंस)। गिद्धौर के ऐतिहासिक दुर्गा मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य को रोके जाने के मौखिक निर्देश के खिलाफ रविवार को शारदीय दुर्गा पूजा सह लक्ष्मी पूजा समिति एवं स्थानीय ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राजीव कुमार साव उर्फ पिंकू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समिति सदस्यों और ग्रामीणों ने एकमत से निर्णय लिया कि दुर्गा मंदिर के सौंदर्यीकरण और मरम्मत कार्य को बिना किसी बाहरी दबाव के आगे बढ़ाया जाएगा।ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि वर्ष 1996 में गिद्धौर महाराज बहादुर स्व. प्रताप सिंह द्वारा दुर्गा पूजा एवं लक्ष्मी पूजा का दायित्व पूजा समिति को सौंपा गया था और तब से यह आयोजन समिति के माध्यम से संपन्न होता आ रहा है।

उपायुक्त ने लंगटा बाबा कॉलेज का औचक निरीक्षण किया

गिरिडीह (निंस)। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपायुक्त, रामनिवास यादव के द्वारा विभिन्न विद्यालयों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं और सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला उपायुक्त, रामनिवास यादव जमुआ प्रखंड के मिजार्गंज स्थित लंगटा बाबा कॉलेज पहुंचे, जहां उपायुक्त ने शैक्षणिक गतिविधियां, कॉलेज में शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छता और सुरक्षा, नामांकन, साफ-सफाई और आधारभूत संरचनाओं की स्थिति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने डीटीपी पंजी, रजिस्टर पंजी, कैश बुक आदि का अवलोकन किया और रजिस्टर पंजी को नियमित रूप से संधारित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उपायुक्त ने पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कार्यालय कक्ष, स्टडी रूम आदि का भी जायजा लिया। उन्होंने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया। इसके अलावा स्मार्ट क्लास, साइंस लैब और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया एवं संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देशित किया कि पारदर्शी तरीके से कॉलेज का संचालन सुनिश्चित करें। इसके अलावा उपायुक्त ने तिसरी प्रखंड अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का निरीक्षण किया। खिजुरी पंचायत में मनरेगा अंतर्गत संचालित बागवानी कार्यों का निरीक्षण किया। स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुना और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया और लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। इसके उपरांत मनरेगा अंतर्गत संचालित कुआं का निरीक्षण किया, कुआं के माध्यम से ग्रामीणों को सिंचाई की सुविधा का अवलोकन किया।

गिरिडीह के एक नामचीन व्यवसायी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गिरिडीह (निंस)। जिले के नामचीन व्यवसायी सुदीप कपिसवे ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने आईएमएस रोड कृष्णा अपार्टमेंट में अवस्थित फ्लैट के कमरे में खुदकुशी कर ली है। पुलिस के अनुसार संभवतः रविवार की अहले सुबह व्यवसायी ने आत्महत्या की है। पुलिस के अनुसार मृतक ने सुसाइड करने से पहले सुदीप ने अपने एक मित्र को रविवार की अहले सुबह व्हाट्सएप पर मैसेज किया था, जिसमें उसने आत्महत्या का जिक्र किया था। मित्र ने इसकी सूचना सुदीप के रिश्तेदार को दी थी। जानकारी के अनुसार सुदीप इन दिनों कोलकाता में अपने परिवार के साथ रह रहे थे। वह अपने परिवार को छोड़ गिरिडीह कब आये थे। इसकी किसी को कोई सूचना नहीं थी। जबकि कृष्णा अपार्टमेंट के ठीक पीछे सुदीप का साला अपने परिवार के साथ रहते हैं। उन्हें भी सुदीप के गिरिडीह आने की कोई जानकारी नहीं मिली थी।रविवार सुबह जब सुदीप का एक मैसेज उसके परिवार के सदस्यों के मोबाइल में पहुंचा तो सबके होश उड़ गए। लोग दौड़ते-भागते सुदीप के कृष्णा अपार्टमेंट स्थित आवास पहुंचे। कमरे के भीतर दाखिल होते ही लोगों के पावों तले की जमीन खिसक गई। लोगों ने सुदीप को कमरे में फंदे से झूलता पाया। उसकी मौत हो चुकी थी। सुदीप की यह दशा देख परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। सुदीप के साला ने तत्काल घटना की सूचना अपनी बहन अर्थात मृतक सुदीप की पत्नी को दिया। सूचना मिलते ही सुदीप की पत्नी, बच्चों के साथ कोलकाता से गिरिडीह के लिए निकल चुकी है। इधर सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने सुदीप के कमरे में बेड पर रखे चार पेज का एक सुसाईड़ नोट बरामद की है। समझा जाता है कि मरने से पहले उन्होंने यह सुसाईड़ नोट लिखा था। सुसाईड़ नोट में कई गंभीर व चौकाने वाली बाते लिखी है। पुलिस ने उस सुसाईड़ नोट को जब्त कर पुरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गयी है।

गिद्धौर में सावन महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन

गिद्धौर/जमुई (निंस)। सावन के पावन अवसर पर गिद्धौर में बरनवाल महिला ग्रुप द्वारा कंचन कुमारी के नेतृत्व में भव्य सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में महिलाओं व बच्चों ने मिलकर उत्साहपूर्वक भाग लिया और सावन की हरियाली व उमंग से भरपूर इस अवसर को यादगार बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत सांस्कृतिक प्रस्तुति से हुई, जिसमें समूह की महिलाओं ने पारंपरिक लोकधुनों और सावन स्पेशल गानों पर नृत्य कर समा बांध दिया। इसके बाद सभी ने मिलकर उत्साहपूर्वक केक काटा और सावन के इस पर्व को हर्षोल्लास से मनाया। महोत्सव में महिलाओं और बच्चों के लिए अनेक मनोरंजक गेम्स भी आयोजित किए गए।

हिन्दी दैनिक
श्वेत पत्र
आपकी बात सच के साथ
देवघर, सोमवार, 28 जुलाई, 2025

एक नजर

संसद के दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर 16-16 घंटे होगी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मॉनसून सत्र में सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे लंबी चर्चा की शुरूआत होगी। इस चर्चा की अगुवाई रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दोपहर 12 बजे करेंगे। इसके बाद मंगलवार से राज्यसभा में भी ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर 16 घंटे की बहस होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी चर्चा में शामिल होने की संभावना है। संसद में इस महत्वपूर्ण विषय पर सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस चर्चा के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह और तीनों सेना प्रमुखों के साथ कई बैठकें की हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, चर्चा में गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर और निशिकांत दुबे भी शामिल होंगे। सरकार इस चर्चा को पूरी आक्रामकता के साथ रखने की तैयारी में है। खास बात ये है कि ये बहस करगिल विजय दिवस (26 जुलाई) के ठीक बाद हो रही है, और सरकार इसे विजय दिवस की तरह पेश करने की तैयारी में है। लोकसभा और राज्यसभा में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर खास बहस से पहले कांग्रेस ने सरकार को घेरने की रणनीति बना ली है। पार्टी ने रविवार को ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े उन तमाम घटनाक्रमों को सामने रखा, जो अब तक चर्चा में थे लेकिन औपचारिक बहस से बाहर रहे। खास बात यह रही कि कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को भी मुद्दा बनाया है, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत पर व्यापार रोकने की धमकी देकर ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस ने तुरंत दो दिन का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने तब कोई सुनवाई नहीं की। रमेश ने कहा कि अभी जो 16 घंटे की बहस लोकसभा में और उसके बाद राज्यसभा में होने जा रही है, वह देर से हो रही है लेकिन अच्छा है कि हो रही है।

स्कूली बच्चे खुद को अकेला और दु:खी महसूस कर रहे, स्कूल जाने का मन भी नहीं

भोपाल (एजेंसी)। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 की रिपोर्ट मध्य प्रदेश के स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों की मानसिक स्थिति को लेकर एक गंभीर तस्वीर पेश कर रही है। इस सर्वे के मुताबिक प्रदेश का हर चौथा छात्र खुद को स्कूल में अकेला या दुखी महसूस करता है, जबकि 17 प्रतिशत विद्यार्थियों का स्कूल जाने को मन ही नहीं करता है। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण रिपोर्ट बताती है कि 25 प्रतित बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें परेशानी के समय बात करने वाला कोई नहीं मिलता है। एकाकीपन और संवाद की कमी बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर सीधा असर डाल रही है। वहीं यदि स्कूल के टीचर्स की बात की जाए तो इनमें से 30 प्रतिशत शिक्षक मानते हैं कि बच्चों की भावनाओं को समझना उनकी जिम्मेदारी नहीं है। बताया गया है कि यह सर्वे 5,739 स्कूलों, 17,696 शिक्षकों और कक्षा 3, 6 और 9 के कुल 1,38,526 विद्यार्थियों पर किया गया है। इसमें कक्षा 3 के 40,479, कक्षा 6 के 42,697 और कक्षा 9 के 55,350 छात्रों से प्रश्न पूछे गए थे। करियर गाइडेंस और खेलों की स्थिति खेल के साथ ही साथ करियर गाइडेंस की बात करें तो 13 प्रतिशत छात्र 10वीं के बाद परिवार के साथ काम करने लगते हैं। 8 प्रतिशत छात्र सीधे नौकरी में चले जाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 61 प्रतिशत स्कूलों में ही करियर गाइडेंस उपलब्ध है, जबकि बाकी बच्चों के लिए भविष्य की कोई स्पष्ट दिशा नहीं है। 98 प्रतिशत स्कूलों में खेलकूद की सुविधा है, लेकिन प्रशिक्षित कोच की कमी बनी हुई है। 94 प्रतिशत स्कूलों में सेल्फ-असेसमेंट की व्यवस्था है, पर यह अधिकतर विज्ञान प्रदर्शनी जैसी गतिविधियों तक ही सीमित है। विशेषज्ञों ने कहा- अभिभावक बात करें इस संबंध में मनोवैज्ञानियों व विशेषज्ञों की राय है कि बच्चों के अकेलेपन को नजरअंदाज करना खतरनाक है। स्कूल न जाने की आदत बढ़ रही है और जिन बच्चों की सोशल स्किल्स कमजोर हैं, वे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में अभिभावक पढ़ाई के अलावा बच्चों से रोजाना खुलकर बातचीत करें। बच्चों के लिए ह्यप्लेडेट्सह्ृ (मित्रों के साथ खेलने का समय) तय करें।

महिला एवं बाल विकास विभाग के ऑडिट में खुलासा,1500 के लिए लाडकी बहन बने भैया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं के लिए बनाई गई लाडकी बहन योजना के तहत 14,000 से ज्यादा पुरुषों ने धोखाधड़ी से पैसे लिए। महिला एवं बाल विकास विभाग के एक ऑडिट में यह खुलासा हुआ है। 14,298 पुरुषों को 21.44 करोड़ रुपए दिए गए, जिन्होंने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में हेराफेरी की और खुद को महिला बताकर रजिस्टर करा लिया। यह खुलासा योजना शुरू होने के लगभग 10 महीने बाद हुआ। 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले शुरू की गई यह योजना, भाजपा के नेतृत्व वाले और शिवसेना व राकांपा के महायुति गठबंधन के लिए वोटर्स को लुभाने का जरिया थी। इस योजना के तहत 21 से 65 साल की उम्र की उन महिलाओं को 1500 रुपए हर महीने दिए जाते हैं, जिनके परिवारों की सालाना कमाई 2.5 लाख रुपए से कम है। स्कैम के खुलासे के बाद डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि लाडकी बहन योजना गरीब महिलाओं की मदद के लिए शुरू की गई थी। हम उन्हें दिया पैसा वसूल करेंगे।

क्राइम ब्रांच ने रेव पार्टी पर मारा छापा, 7 लोगों के साथ पूर्व मंत्री एकनाथ के दामाद भी गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी)। पुणे पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने रेव पार्टी पर छापामार कार्रवाई करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर का नाम भी शामिल हैं। रेव पार्टी स्थल से पुलिस ने कोकेन सहित कई नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। पुलिस ने रविवार सुबह बताया कि पुणे शहर के पॉश खराडी इलाके में एक स्टूडियो अपार्टमेंट में रेव पार्टी की सूचना मिली थी, इस पर अपराध शाखा की टीम ने छापामार कार्रवाई की। छापेमारी में पुलिस ने गांजा, शराब और हुक्का जैसे नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। इसी के साथ पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। जानकारी अनुसार प्रांजल खेवलकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) की नेता एडवोकेट रोहिणी खडसे के पति हैं। इंस्टाग्राम प्रोफाइल में प्रांजल एक उद्यमी, समाजसेवी और डॉक्टर भी हैं। एक अन्य जानकारी अनुसार वे व्यवसायी और निमार्ता भी हैं। उन्होंने अपने बैनर समर प्रोडक्शंस के तहत बनाए गए संगीत वीडियो ना होना तुमसे दूर से मनोरंजन उद्योग में भी कदम रखा था। इस पूरे मामले में पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे का कहना है

फूड पॉइजनिंग से 64 छात्राएं अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुरनूल में एक सरकारी बालिका आवासीय स्कूल की 64 छात्राओं को फूड पॉइजनिंग के कारण अस्पताल में भर्ती करवाया गया। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि छात्राओं को उल्टी, दस्त और पेट दर्द के लक्षणों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उनमें से 50 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। अब इस मामले की जांच की जा रही है।

आज के दौर में युद्ध केवल बंदूक और गोलियों से नहीं जीते जाते: रक्षा मंत्री

वडोदरा (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को वडोदरा में गति शक्ति विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सशस्त्र बलों को जुटाने से लेकर सही समय और स्थान पर उपकरण पहुँचाने तक एजेंसियों द्वारा सुचारू रसद प्रबंधन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का एक महत्वपूर्ण कारक था। आज के दौर में, युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं, बल्कि समय पर उनकी आपूर्ति से जीते जाते हैं और ऑपरेशन सिंदूर उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स प्रबंधन का एक जीवंत उदाहरण था। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपना संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स को सिर्फ. सामान पहुँचाने की प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। चाहे सीमा पर लड़ रहे सैनिक हों या आपदा प्रबंधन में लगे कर्मचारी, समन्वय या संसाधनों के उचित प्रबंधन के बिना, मजबूत इरादे भी नाकाम हो जाते हैं। रसद ही वह शक्ति है जो अराजकता को नियंत्रण में बदल देती है। शक्ति का मापदंड न केवल हथियारों से, बल्कि समय पर संसाधन प्रबंधन से भी होता है। चाहे युद्ध हो, आपदा हो या वैश्विक महामारी हो, जो राष्ट्र अपनी रसद श्रृंखला को मजबूत रखता है, वह सबसे अधिक स्थिर, सुरक्षित और सक्षम होता है। उन्होंने 21वीं सदी में भारत की आकांक्षाओं को गति देने में जीएसवी जैसी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। राजनाथ सिंह ने देश की आर्थिक प्रगति में लॉजिस्टिक्स के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे उत्पादन-पूर्व से लेकर उपभोग तक हर चरण को जोड़ने वाले प्रमुख स्तंभों में से एक बताया। उन्होंने भारत के सकल घरेलू उत्पाद में रसद के महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष और

अप्रत्यक्ष योगदान पर प्रकाश डाला, और कोविड के दौरान जब जरूरत के समय लाखों टीके, ऑक्सीजन सिलेंडर और चिकित्सा दल एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाए गए, उस समय उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया था। रक्षा मंत्री ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और इस परिवर्तन की नींव समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण के साथ नीतिगत सुधारों और मिशन मोड परियोजनाओं के माध्यम से रखी गई है। इसका प्रभाव केवल भौतिक संपर्क तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इससे आर्थिक उत्पादकता बढ़ी है, लॉजिस्टिक्स लागत कम हुई है तथा सेवा वितरण में सुधार हुआ है उन्होंने कहा कि पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत, विकास के सात शक्तिशाली स्तंभ अर्थात रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन परिवहन और रसद बुनियादी ढांचा मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था को एक मजबूत आधार प्रदान कर रहे हैं। पीएम गति शक्ति केवल एक योजना नहीं है, बल्कि एक विजन है, जो अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और डेटा-संचालित योजना के माध्यम से बुनियादी ढांचे को भविष्य के लिए तैयार कर रहा है। राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के बारे में रक्षा मंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य एक एकीकृत, कुशल और लागत प्रभावी लॉजिस्टिक्स नेटवर्क बनाना है, जिससे न केवल लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी, बल्कि डेटा आधारित निर्णय लेने को भी बढ़ावा मिलेगा। नीति का उद्देश्य मौजूदा 13-14 प्रतिशत लॉजिस्टिक्स लागत को विकसित देशों के स्तर पर लाना है। इससे घरेलू और वैश्विक बाजारों में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। लॉजिस्टिक्स लागत में कमी से सभी क्षेत्रों में दक्षता बढ़ेगी तथा मूल्य संवर्धन और उद्यम विकास को बढ़ावा मिलेगा। जीएसवी की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में राजनाथ सिंह ने कहा कि जिस गति से युवा देश को सशक्त बना रहे हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स की दृष्टि से देश के सबसे प्रतिष्ठित अध्ययन केंद्रों में से एक, जीएसवी केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि एक विचार और एक मिशन है। यह भारत को तीव्र, संगठित और एकीकृत तरीके से आगे ले जाने की राष्ट्रीय आकांक्षा को ठोस आकार दे रहा है। रक्षा मंत्री ने डिजिटलीकरण, स्वचालन, रीयल-टाइम ट्रैकिंग, एआई-सक्षम लॉजिस्टिक्स पूर्वानुमान और टिकाऊ माल ढुलाई प्रणालियों को आज भारत की राष्ट्रीय आवश्यकताएँ बताया। उन्होंने इन विषयों में प्रगति के लिए जीएसवी और छात्रों के प्रयासों की सराहना की।

कारगिल युद्ध के बाद वाजपेयी सरकार ने गठित की थी समीक्षा समिति, चर्चा भी हुई थी

कांग्रेस सांसद जयराम ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध के बाद पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की ओर से समिति गठित करने का हवाला दिया। रविवार को एक्स पर पोस्ट में जयराम ने कहा कि यह याद दिलाना जरूरी है कि 30 जुलाई 1999 को भारत-पाक युद्ध खत्म होने के तीन दिन बाद अटल सरकार ने चार सदस्यीय कारगिल समीक्षा समिति गठित की थी। इस समिति की अध्यक्षता के सुब्रह्मण्यम ने की थी, जिनके बेटे आज भारत के विदेश मंत्री हैं। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट 15 दिसंबर 1999 को सौंपी। यह रिपोर्ट जरूरी संशोधनों के साथ 23 फरवरी 2000 को संसद में पेश की गई और उस पर चर्चा भी हुई थी, लेकिन तब अलग पीएम थे, सत्ताधारी पार्टी बीजेपी भी अलग तरह की थी और राजनीतिक माहौल भी बिल्कुल अलग था। जयराम ने कहा कि लोकसभा में सोमवार से पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर बहस शुरू होने जा रही है और राज्यसभा में यह बहस मंगलवार को होगी। ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोके जाने के बाद कांग्रेस ने तुरंत दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी, जिसे सरकार ने नजरअंदाज कर दिया। फिर भी देर से आए दुरुस्त आए। जयराम ने कहा कि आइए, इस बहस की पृष्ठभूमि में घटित अहम घटनाओं पर नजर डालें। उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकी हमला 22 अप्रैल 2025 को हुआ था। इस हमले के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार आतंकियों को अब तक न्याय के कटघरे में नहीं लाया गया है। बताया गया है कि ये आतंकी पहले भी पुंछ, गगनगीर और गुलमर्ग में हुए आतंकी हमलों में शामिल थे। कांग्रेस की मांग पर 22 अप्रैल 2025 को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, लेकिन हमारी मांग के मुताबिक इसकी अध्यक्षता पीएम मोदी ने नहीं, बल्कि रक्षा मंत्री ने की। इस बैठक में खुफिया एजेंसियों की चूक पर सवाल उठाए गए थे। जयराम ने कहा कि 30 मई 2025 को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर के पहले दो दिनों में हुई रणनीतिक गलतियों पर अहम खुलासे किए। ये खुलासे सिंगापुर में किए गए थे। 29 जून 2025 को जकार्ता स्थित भारतीय दूतावास में तैनात एक रक्षा अधिकारी ग्रुप कैप्टेन शिवकुमार ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राजनीतिक फैसलों ने सैन्य अभियानों को बाधित किया। उन्होंने भारत के एयरक्राफ्ट की संभावित क्षति की ओर भी संकेत किया। जुलाई 2025 को उप-सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने खुलासा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने चीन से हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दोनों ही स्तरों पर मुकाबला किया। यह एक बिल्कुल नया परिदृश्य था। 14 जुलाई 2025 को जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने सार्वजनिक रूप से माना कि पहलगाम हमला निश्चित तौर पर सुरक्षा तंत्र की विफलता थी। 10 मई से अब तक अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 26 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ही ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाया है। भारत के साथ व्यापार समाप्त करने की धमकी दी। यह भी कहा कि शायद पांच लड़ाकू विमान मार गिराए गए होंगे। उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख को लंच पर बुलाया, जो पहले कभी नहीं हुआ। वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद-रोधी अभियानों में बेहतरीन साझेदार बताया।

एक पत्नी सभी भाइयों के साथ गुजारती है समय

हिमाचल में आज भी प्रचलित है परंपरा

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुछ जनजातीय क्षेत्रों में आज भी सदियों पुरानी बहुपति प्रथा चल रही है। हाल ही में सिरमौर जिले में दो भाइयों की एक ही महिला से शादी की घटना ने इस परंपरा को फिर चर्चा में ला दिया है। पूर्व सीएम वाई एस परमार ने अपनी पुस्तक में इस प्रथा के सामाजिक और आर्थिक कारणों का उल्लेख किया है। उनकी पुस्तक में यह परंपरा मुख्य रूप से उन गरीब परिवारों में रही है जो संसाधनों के बंटवारे से बचना चाहते हैं। एक ही पत्नी सभी भाइयों की जिम्मेदारियां निभाती है और यह तय करती है कि कब किसके साथ समय बिताना है। परमार किताब में लिखते हैं कि यदि घर में एक से ज्यादा कमरे हों, तो पत्नी जिस भाई के साथ होती है, कमरे के बाहर उसकी टोपी या जूता रख दिया जाता है। यह संकेत होता है कि उस समय अंदर जाना मना है। परमार के मुताबिक गरीब परिवारों में जहाँ केवल एक कमरा होता है, पत्नी को रात में खुद तय करना होता है कि वह किस पति के साथ रहेगी। वह बारी-बारी से सभी भाइयों को बराबर समय देती है, जिससे ईर्ष्या या विवाद पैदा न हो सके। पत्नी ही घरेलू कार्य, खेती और मवेशियों की देखभाल की जिम्मेदारी निभाती है। जरूरत पड़ने पर वह परिवार में दूसरी महिला लाने का सुझाव भी दे सकती है, लेकिन परंपरा के मुताबिक वह भी सभी भाइयों के बीच साझा होती है। हाल ही में आईटीआई कर चुकी युवती ने सिरमौर जिले में दो भाइयों से परंपरा का पालन करते हुए शादी की। तीनों ने कहा कि उन्होंने यह फैसला बिना किसी दबाव के लिया है और इसे अपनी संस्कृति का हिस्सा मानते हैं। यह परंपरा आज भी सामाजिक जिज्ञासा का विषय बनी हुई है, विशेषकर इस सवाल को लेकर कि एक पत्नी अपने कई पतियों के बीच समय और संबंधों को कैसे संतुलित करती है।

गोरखपुर में अपहरण के सबसे ज्यादा मामले ज्यादातर लड़कियों का हो रहा अपहरण

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में 64 अपहरण के मामले दर्ज हुए हैं। वहीं, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर व महराजगंज में यह आंकड़ा 117 तक पहुंच गया है। पुलिस का दावा है कि 60 फीसदी से ज्यादा मामलों में पीड़ित को बरामद किया है, लेकिन कई मामले ऐसे भी हैं जहां पुलिस की लापरवाही उजागर हुई है। जनवरी 2025 से अब तक गोरखपुर में 64, कुशीनगर में 40, महराजगंज में 7 और देवरिया में 6 अपहरण के मामले दर्ज किए गए। इनमें से ज्यादातर मामलों में नाबालिग लड़कियों के गायब होने की शिकायत है। जांच में कई मामले प्रेम-प्रसंग से जुड़े निकले, जबकि कुछ मामलों में परिजन की सूचना पर जबरन अपहरण की एफआइआर दर्ज कराई गई है। पुलिस रिकार्ड के मुताबिक अब तक कुल मामलों में से करीब 60 फीसदी ही वर्कआउट हो सके हैं। गोरखपुर में सबसे अधिक 64 मामले दर्ज हैं, जिनमें 39 मामलों में बरामदगी की हुई है। शेष 25 मामले अब भी अधूरे हैं या विवेचना लंबित है। कुछ मामलों में पीड़ित पक्ष ने थानों में लापरवाही का आरोप भी लगाया। रामगढ़ताल क्षेत्र से लापता किशोरी की लोकेशन मुंबई में मिलने पर दारोगा ने पिता व रिश्तेदारों को भेज दिया। चार दिन मुंबई में भटकने के बाद वह लौट आए। किरकिरी होने पर अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम भेजी गई। बता दें फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आज भले कम हो गई हों, लेकिन एक दौर था जब डॉक्टर, उद्योगपति और नामी लोग सुरक्षित नहीं थे। 1999 से लेकर 2010 तक हर साल कोई न कोई वारदात सामने आई जिसमें अपहरण कर फिरौती मांगी गई, कई लोगों को पुलिस ने बड़ी मशक्कत से छुड़ाया, ऐसे लोग भी हैं जो फिरौती देकर छूटे। एक समय ऐसा था जब अपहरण शब्द लोगों के जेहन में बैठ गया था। 1999 में गोरखनाथ के प्रसिद्ध डाक्टर का अपहरण हुआ। तीन साल बाद फिरौती के लिए बदमाश एक उद्योगपति को उठा ले गए। 2007 में शहर के दो डॉक्टरों का अपहरण हुआ। अपहर्ता उन्हें बिहार उठा ले गए जहां दियारा व सीमावर्ती गांवों में उन्हें छिपाकर रखा गया।

आयुष्मान स्कूल मिशन अब देश में लागू होगा

26 करोड़ स्कूली बच्चों को फायदा 30 हजार स्कूलों में ट्रायल हो चुका

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश के 26 करोड़ स्कूली बच्चों की मानसिक और शारीरिक सेहत स्कूल में ही जांचने जा रही है। आयुष्मान भारत स्कूल स्वास्थ्य मिशन का पहला ट्रायल त्रिपुरा में सफल रहा है। इसके तहत 30 पैरामीटर पर स्कूल में ही 18 साल तक के बच्चों की स्वास्थ्य मॉनिटरिंग की गई। इनमें चोट, हिंसा, बेइज्जती, असुरक्षित संबंध, मानसिक और भावनात्मक डिसऑर्डर, आक्रामकता, हड्डियों के विकार, दुबलापन-मोटापा, आंखों की रोशनी, त्वचा रोग, खून की कमी आदि की जांच-परख हुई। इससे बच्चों की समय पर काउंसलिंग और मेडिकल जांचों की राह खुली। इसलिए अब इसे देशभर में लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है। हालांकि 34 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 388 जिलों के 30 हजार स्कूलों में 1.50 करोड़ बच्चों पर भी ट्रायल चल रहे हैं। इसके परिणाम आने हैं। यह मिशन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय की संयुक्त पहल है, जिसे चरणबद्ध रूप से देशभर के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में लागू किया जाना है। शुरूआत छोटे राज्यों से होगी।

इन राज्यों में इसी वित्त वर्ष में लागू होगी योजना

दोनों मंत्रालयों से जुड़े अधिकारियों की मानें तो कुछ छोटे राज्यों जैसे पुदुचेरी, चंडीगढ़, मेघालय और मिजोरम जैसे राज्यों में चालू वित्त वर्ष के दौरान यह योजना लागू होगी, क्योंकि इन राज्यों में स्कूलों की मैपिंग आसान है। देशभर में इसे लागू करने से पहले कुछ तकनीकी व व्यवहारिक समस्याएं दूर की जानी हैं। जैसे- हेल्थ एंड वेलनेस एंबेसडर नामित करने में कहीं महिला और पुरुष शिक्षकों की पर्याप्त संख्या में कमी, वांछित उम्र (45 साल तक) का नहीं होना, वेलनेस डे (मंगलवार) का संतुलन नहीं बनना आदि।

क्या है आयुष्मान स्कूल मिशन

आयुष्मान स्कूल मिशन के तहत देशभर के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ? वाले बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच की जाती है। इसमें आंखों, दांतों, त्वचा, पोषण और अन्य सामान्य रोगों की जांच शामिल होती है। प्रत्येक छात्र की एक डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड प्रोफाइल तैयार की जाती है, जिससे उसकी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को ट्रैक किया जा सके। अगर किसी छात्र में कोई बीमारी या कमी पाई जाती है, तो उसे नजदीकी सरकारी अस्पताल या विशेषज्ञ केंद्रों में रेफर किया जाता है, ताकि समय पर इलाज मिल सके। मिशन के तहत बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छता, पोषण और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी दी जाती है, जिससे वे खुद जागरूक बनें।

अधिकारी सुधर जाएं, जनता की शिकायत सुनें वर्ना परिणाम भयंकर होंगे

यूपी के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने एक ऑडियो को लेकर कर्मचारियों को चेताया

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में बिजली की बदतर हालत और जनता की शिकायतें न सुनने की प्रवृत्ति पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा नाराज हो गए। मंत्री शर्मा ने एक उपभोक्ता और बिजली विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के बीच हुई बातचीत का ऑडियो एक्स पर शेयर करते हुए विस्तार से अपनी बात कही है। मंत्री के मुताबिक यह ऑडियो उन्हें एक पूर्व सांसद ने भेजा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अधिकारी

सुधर जाएं वरना परिणाम भयंकर होंगे। बता दें हाल ही में बिजली अधिकारियों के साथ एक बैठक में ऊर्जा मंत्री ने उनकी कार्यशैली पर सख्त नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि अफसरों ने उन्हें बदनाम करने की सुपारी ले ली है। एक्स पर पोस्ट में ऊर्जा मंत्री शर्मा ने लिखा- कई बार सांसद रह चुके एक वरिष्ठ राजनेता ने एक पढ़े-लिखे नागरिक की बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के साथ हुई बातचीत का ऑडियों मुझे कार्यवाही करने के लिए भेजा है। मंत्री ने लिखा- यही बात मैंने तीन दिन पहले यूपीपीसीएल के चेयरमैन, एमडी और अन्य अधिकारियों को कही थी। कड़े शब्दों में कहा था कि 1912 की टोल फ्री व्यवस्था या अन्य टेक्नोलॉजी आधारित व्यवस्था मानवीय व्यवस्था की पूरक हो सकती है; विकल्प नहीं। उन्होंने लिखा- मैंने कहा था कि ऐसे कई गलत, असामयिक और अव्यवहारिक निर्देशों के कारण जनता परेशानी हो रही है। अधिकारी फोन नहीं उठा रहे हैं। तितलौकी थी ही, अब नीम पर चढ़ गई। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अनेक ऐसे गलत निर्णय हमारे बार-बार लिखित/मौखिक रूप से मना करने के बावजूद हुए हैं। ऊर्जा मंत्री ने अपनी पोस्ट में बिजली के अधिकारियों, कर्मचारियों को चेताते हुए यह भी लिख- एक बार फिर कह रहा हूं कि जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें। उनसे त्वरित और सही भाषा में बातचीत करें और समस्या का निराकरण करें। अन्यथा परिणाम भयंकर होंगे।

एक नजर

अहमदाबाद विमान हादसे के 166 मृतकों के परिजनों को एयरलाइन ने दिया मुआवजा

अहमदाबाद (एजेंसी)। एअर इंडिया का कहना है कि उसने फ्लाइट एआई-171 हादसे में मारे गए 166 यात्रियों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा दे दिया है। इसके साथ ही एयरलाइन ने शेष 52 मृतकों के परिवारों को भी जल्द मुआवजा राशि प्रदान करने की बात कही है। गौरतलब है कि अहमदाबाद विमान हादसा 12 जून को हुआ था। अहमदाबाद में विमान क्रैश होने से 270 लोगों की मौत हो गई थी। विमान में 242 यात्री सवार थे, जिनमें से एक ही जीवित बचा। इसके अलावा, जिस बी.जे. मेडिकल कॉलेज हॉस्टल की छत पर विमान गिरा, वहां 29 लोगों की जान गई थी। टाटा समूह ने इस घटना के बाद ह्यएआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट का गठन किया है। ट्रस्ट ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने और बी.जे. मेडिकल कॉलेज हॉस्टल के पुनर्निर्माण में सहयोग का आश्वासन दिया है। साथ ही, हादसे के बाद राहत-बचाव कार्य में शामिल फ्रंटलाइन वर्कर्स और मेडिकल स्टाफ की मदद भी की जाएगी। इस बीच, कुछ अंतरराष्ट्रीय कानूनी फर्मों ने एयरलाइन पर मुआवजा प्रक्रिया में देरी और वित्तीय जानकारी मांगने को लेकर आपत्ति जताई है। हालांकि, एअर इंडिया ने इन आरोपों से इनकार किया है। बहरहाल अहमदाबाद विमान हादसा न केवल विमानन सुरक्षा पर बल्कि मुआवजा और जवाबदेही से जुड़े सवालों को लेकर देश और विदेश में भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

कोल्हापुरी चप्पल की वैश्विक पहचान को मिला क्यूआर कोड

कोल्हापुर (एजेंसी)। भारत की पारंपरिक हस्तकला का गौरव, कोल्हापुरी चप्पल, अब तकनीक और कानूनी सुरक्षा के नए युग में प्रवेश कर चुकी है। महाराष्ट्र के चमड़ा उद्योग विकास निगम (लिडकॉम) ने इस प्रसिद्ध हस्तनिर्मित चप्पल के लिए क्यूआर कोड आधारित प्रमाणीकरण शुरू किया है, जिससे इसकी प्रामाणिकता और कारीगर की पहचान को ट्रैक किया जा सकेगा। यह पहल नकली चप्पलों की बिक्री पर रोक लगाने, उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाने और पारंपरिक कारीगरों को उचित पहचान दिलाने के उद्देश्य से की गई है। क्यूआर कोड स्कैन कर ग्राहक यह जान सकेंगे कि उत्पाद कहां बना, किसने बनाया, कौन-सी शिल्प तकनीक और कच्चा माल उपयोग हुआ, और यह जीआई प्रमाणित है या नहीं। इस बीच इटली के मशहूर फैशन ब्रांड प्रादा विवादों में घिर गया है। हाल ही में उनके 2026 फैशन शो में प्रदर्शित पुरुषों की एक सैंडल डिजाइन को कोल्हापुरी चप्पल से मिलता-जुलता पाया गया, जिसे लेकर भारतीय कारीगरों ने जीआई अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया। प्रादा ने माना कि यह डिजाइन भारतीय हस्तशिल्प से प्रेरित है, लेकिन इसका व्यावसायिक उत्पादन शुरू नहीं हुआ है। ब्रांड की एक विशेषज्ञ टीम ने कोल्हापुर का दौरा कर स्थानीय निर्माण प्रक्रिया को भी देखा। 12वीं शताब्दी से कोल्हापुर, सांगली और सोलापुर जिलों में तैयार होने वाली कोल्हापुरी चप्पल, छत्रपति शाहू महाराज के समर्थन से आत्मनिर्भरता और स्वदेशी गौरव का प्रतीक बन गई थी। आज क्यूआर कोड जैसी पहल इस धरोहर को आधुनिक पहचान देने का काम कर रही है।

एनएलसी इंडिया विदेशों से दुर्लभ खनिज खरीदने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड विदेशों से दुर्लभ खनिज की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय हो गई है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार के खान और कोयला मंत्रालय के निर्देश पर कंपनी ने अफ्रीकी देशों में निवेश की संभावनाएं तलाशनी शुरू कर दी हैं। एनएलसी ने माली में लिथियम खदानों और कांगो गणराज्य में तांबा और कोबाल्ट खनिज के लिए शुरूआती स्तर की बातचीत की है। उन्होंने बताया कि इन देशों में खनन से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर इस महीने एक गैर-प्रकटीकरण समझौता होने की उम्मीद है। समझौते के बाद विस्तृत अध्ययन और आगे की रणनीति तय की जाएगी।

इस हफ्ते 100 से अधिक कंपनियां देंगी डिविडेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं और डिविडेंड इनकम को पसंद करते हैं, तो आपके लिए यह हफ्ता बेहद खास रहने वाला है। 28 जुलाई से 1 अगस्त के बीच 100 से ज्यादा कंपनियां अपने निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही हैं। डिविडेंड की राशि 0.07 से लेकर 512 प्रति शेयर तक हो सकती है, जो कंपनियों की वित्तीय स्थिति और लाभांश नीति पर आधारित है। इस लिस्ट में बड़ी और मिड-कैप कंपनियां शामिल हैं, जिनमें विप्रो, बोस्क, मारुति सुजुकी, आरईसी, क्रिसिल, डीएलएफ, हाकिंग्स कुकर्स, पीएनबी हाउसिंग और अपार इंडस्ट्रीज जैसी जानी-मानी कंपनियां शामिल हैं। खास बात यह है कि बोस्क 512, मारुति सुजुकी ने 135 और आयसर मोटर्स ने 70 प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड घोषित किया है। इसके अलावा विप्रो, एसआरएफ, केपीआईटी टेक्नोलाजी और श्याम मेटलिक्स जैसी कंपनियां अंतरिम डिविडेंड भी देने जा रही हैं। निवेशकों को यह ध्यान रखना होगा कि डिविडेंड पाने के लिए एक्स-डिविडेंड डेट से पहले शेयर खरीदना जरूरी है। एक्स-डिविडेंड डेट के बाद खरीदे गए शेयर पर डिविडेंड का लाभ नहीं मिलेगा।

छोटी कंपनियों को राहत: सेबी ने ईएसएम निगरानी नियमों में किए बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और स्टॉक एक्सचेंजों ने 1,000 करोड़ रुपये से कम मार्केट कैप वाली कंपनियों के लिए इनहेंस्ड सवेर्लेंस मैकेनिज्म (ईएसएम) निगरानी ढांचे में अहम बदलाव किए हैं। यह संशोधित ढांचा 28 जुलाई 2025 से प्रभावी होगा, जिससे 28 कंपनियों को निगरानी सूची से बाहर निकलने का मौका मिल सकता है। हाल ही में हुई एक संयुक्त बैठक में सेबी और एक्सचेंजों ने यह निर्णय लिया। नए नियमों के तहत अब ईएसएम स्टेज 1 में किसी कंपनी को शामिल करने के लिए केवल पारंपरिक मानदंडों पर ही नहीं, बल्कि पिछले तीन महीनों में शेयर की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी को भी आधार बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य यह जांचना है कि क्या किसी शेयर में असामान्य रूप से निवेशकों की रुचि बढ़ रही है। इसके अलावा, स्टेज 1 से स्टेज 2 में स्थानांतरण के लिए अब प्राइस टू अर्निंग्स (पीई) रेशियो को भी जोड़ा गया है। अगर किसी कंपनी का पीई रेशियो निफ्टी 500 इंडेक्स के औसत से दोगुना या अधिक है, तो उसे स्टेज 2 में ले जाया जा सकता है।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता जारी, ब्रिटेन संग एफटीए को मिली मंजूरी: वित्त मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि अमेरिका और ब्रिटेन के साथ भारत की व्यापार वाताएं सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि उनका प्रशासन 1 अगस्त से देश-विशेष टैरिफ लागू कर सकता है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका अधिकांश देशों के साथ अपने व्यापार समझौते अंतिम रूप देने के करीब है और संबंधित देशों को पत्र भेजे जाएंगे, जो समझौते की पुष्टि माने जाएंगे। राष्ट्रीय राजधानी में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान सीतारमण ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। उन्होंने इस पर सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया जा रहा है।

कंपनियों के तिमाही नतीजों, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर से तय होगी बाजार की दिशा

वैश्विक बाजार के रुझान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्थानीय शेयर बाजार में इस सप्ताह भारी उतार-चढ़ाव की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार की दिशा कई अहम कारकों पर निर्भर करेगी, जिनमें प्रमुख कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां शामिल हैं। इसके अलावा औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण पीएमआई, मासिक वाहन बिक्री के आंकड़े और वैश्विक बाजार के रुझान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विशेष रूप से अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारत सहित कई देशों पर लगाए गए जवाबी शुल्क पर एक अगस्त को लगी रोक समाप्त हो रही है, जो बाजार की नजर इस पर भी रहेगी। इसके साथ ही थाइलैंड और कंबोडिया के बीच भू-राजनीतिक तनाव भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। बाजार के जानकारों ने बताया कि

जुलाई महीने के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी, सन फार्मा और आईटीसी जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे सामने आएंगे, जो बाजार की मजबूती और कंपनियों के प्रदर्शन का संकेत देंगे। एक बाजार के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि इन नतीजों से यह स्पष्ट होगा कि बाजार को भविष्य में समर्थन मिलेगा या नहीं। उन्होंने बताया कि निवेशक विदेशी कोषों के प्रवाह और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर भी ध्यान देंगे। पिछले सप्ताह सेंसेक्स में 294 अंक और निफ्टी में 131 अंक की गिरावट आई है। एक कंपनी के शोध प्रमुख ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की अनिश्चितता, मिले-जुले तिमाही नतीजे और बढ़ती एफआईआई निकासी के कारण बाजार कमजोर रहेगा। इस प्रकार इस सप्ताह निवेशकों के लिए सतर्कता और सूझ-बूझ के साथ बाजार की गतिविधियों को समझना बेहद जरूरी है।

आईफोन 17 सीरीज को लॉन्च करने की चल रही तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक बाजार में एप्पल अपनी आईफोन 17 सीरीज को लॉन्च करने की तैयारी जारी है। इस सीरीज में चार मॉडल शामिल होंगे झआईफोन 17, आईफोन 17 एयर, आईफोन 17 प्रो और आईफोन 17 प्रो मैक्स। कंपनी आईफोन 17 लाइनअप को सितंबर 2025 के मध्य में लॉन्च कर सकती है। इस सीरीज की आधिकारिक घोषणा 8 से 10 सितंबर के बीच संभावित है। प्री-ऑर्डर 12 सितंबर से शुरू हो सकते हैं और बिक्री 19 सितंबर से शुरू होने की संभावना है। आईफोन 17 की शुरूआती कीमत भारत में लगभग रुपए 79,900 हो सकती है। अमेरिका में इसकी कीमत लगभग डालर 899 और यूएई में एईडी 3,799 के आसपास बताई जा रही है। वैश्विक स्तर पर कीमतों में थोड़ी वृद्धि भी हो सकती है, जिसका

कारण निर्माण लागत और अमेरिका-चीन व्यापार तनाव जैसे आर्थिक कारक माने जा रहे हैं। एप्पल इस बार प्लस वर्जन को हटाकर उसकी जगह नए और पतले डिजाइन वाला आईफोन 17 एयर लॉन्च करेगा, जो हल्का और स्टाइलिश होगा। आईफोन 17 सीरीज में वाय-फाय 7 चिप दी जाएगी, जो बेहतर और तेज वायरलेस कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी। बेस मॉडल में 6.3 इंच की ओलेड स्क्रीन और 120एचझेड रिफ्रेश रेट का सपोर्ट हो सकता है, हालांकि प्रोमोशन टेक्नोलॉजी सिर्फ प्रो वेरिएंट्स तक सीमित रहेगी। कैमरा सेक्शन में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आईफोन 17 का फ्रंट कैमरा अब 24एमपी का होगा, जिससे सेल्फी और वीडियो की गुणवत्ता बेहतर होगी। रियर कैमरे की बात करें तो बेस मॉडल में 48एमपी का डुअल कैमरा सेटअप मिलेगा, जबकि प्रो मैक्स में तीनों लेंस झ मेन, अल्ट्रा-वाइड और टेलीफोटो झ 48एमपी के होंगे, जो 8के वीडियो रिकॉर्डिंग को भी सपोर्ट करेंगे। आईफोन 17 सीरीज एप्पल के लिए अब तक का सबसे बड़ा डिजाइन और कैमरा अपग्रेड लेकर आ सकती है, जो भारतीय यूजर्स के लिए भी खासा रोमांचक साबित होगा।डिजाइन की बात करें तो एप्पल इस बार एल्यूमिनियम फ्रेम को सभी मॉडल्स में वापस ला रहा है, यहां तक कि हाई-एंड प्रो और प्रो मैक्स वेरिएंट्स में भी। अब तक टॉप मॉडल्स में स्टेनलेस स्टील या टाइटेनियम का उपयोग होता था। यह बदलाव सभी वेरिएंट्स को एक जैसी डिजाइन लैंग्वेज देने और वजन कम करने की दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

कोटक महिंद्रा बैंक की पहली तिमाही में मुनाफा घटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोटक महिंद्रा बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 40 फीसदी की गिरावट के साथ 4,472.18 करोड़ का समेकित शुद्ध मुनाफा दर्ज किया। पिछले साल इसी अवधि में बैंक ने 7,448.16 करोड़ का मुनाफा कमाया था। इस गिरावट का प्रमुख कारण पिछले साल कोटक जनरल इंश्योरेंस (केजीआई) में हिस्सेदारी बेचने से प्राप्त 3,013 करोड़ का एकमुश्त लाभ था, जो इस तिमाही में नहीं मिला। हालांकि, यदि केजीआई सौदे को अलग कर देखें, तो बैंक का समेकित मुनाफा मामूली रूप से 1 फीसदी बढ़कर 4,472 करोड़ रहा, जो पिछले साल 4,435 करोड़ था। बैंक के स्टैंडअलोन नतीजों में भी कमजोरी दिखी। केजीआई सौदे को हटाकर देखा जाए तो शुद्ध मुनाफा 6.8 फीसदी घटकर 3,282 करोड़ रहा। शुद्ध ब्याज आय 6 फीसदी बढ़कर 7,259 करोड़ रही, लेकिन शुद्ध ब्याज मार्जिन घटकर 4.65 फीसदी हो गया, जो पिछले साल 5.02 फीसदी था। एनपीए और प्रावधानों में तेज बढ़ोतरी चिंता का कारण है। इस तिमाही में नए स्लिपेज 1,812 करोड़ रहे, जो साल-दर-साल 33 फीसदी ज्यादा हैं। प्रावधान 100 फीसदी से अधिक बढ़कर 1,208 करोड़ हो गए। बैंक का सकल एनपीए 1.48 फीसदी और शुद्ध एनपीए 0.34 फीसदी रहा।

इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार साइबरस्टर भारत में लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार साइबरस्टर को जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने भारत में लॉन्च कर दिया है। कार की बिक्री देशभर के 13 शहरों में मौजूद एमजी सलेक्टर प्रीमियम शोरूम्स के जरिए की जाएगी। पहले से बुकिंग करा चुके ग्राहकों के लिए इसकी एक्स-शोरूम कीमत रुपए 72.49 लाख रखी गई है, जबकि नई बुकिंग करने वालों को यह कार 74.99 लाख में मिलेगी। यह दो दरवाजों वाली ओपन रूफ ड्रॉप-टॉप कार अपने अनोखे डिजाइन और दमदार परफॉर्मेंस के लिए चर्चा में है। साइबरस्टर में 77 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो सिंगल चार्ज पर लगभग 580 किलोमीटर की रेंज देती है। इसमें दो इलेक्ट्रिक मोटर लगे हैं और यह ऑल व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ आती है। स्पीड के शौकीनों के लिए यह कार किसी सपने से कम नहीं, क्योंकि यह महज 3.2 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसके कैंची की तरह ऊपर की ओर खुलने वाले दरवाजे, ट्रिपल स्क्रीन वाला डिजिटल कॉकपिट, बोस साउंड सिस्टम और प्रीमियम सीट मटीरियल इसे एक फ्यूचरिस्टिक अनुभव बनाते हैं। कंपनी के एमडी अनुराग मेहरोत्रा ने कहा कि साइबरस्टर उन लोगों के लिए है जो रोडस्टर को सपना मानते थे, लेकिन अब यह सपना हकीकत बन गया है। यह कार इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और खुली सड़क की आजादी का शानदार मेल है। सेफ्टी के लिहाज से भी साइबरस्टर शानदार है। इसमें लेवल-2 अडास, ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम और मजबूत एच-फ्रेम बॉडी दी गई है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे सुरक्षित कारों में से एक बनाती है। कंपनी कार के पहले मालिक को लाइफटाइम बैटरी वारंटी और 3 साल की अनलिमिटेड किलोमीटर वारंटी दे रही है।

फेड बैठक से पहले ट्रंप ने पॉवेल पर बढ़ाया दबाव, ब्याज दरों पर रहेगी सबकी नजर

फेड की बैठक के साथ-साथ अमेरिका सरकार भी तीन बड़े आर्थिक आंकड़े जारी करेगी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल और उनके सहयोगी मंगलवार से दो दिवसीय बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में ब्याज दरों को लेकर फैसला लिया जाएगा। यह बैठक ऐसे वक्त हो रही है जब अमेरिका पर राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है, व्यापार नीतियों में बदलाव हो रहे हैं और आर्थिक संकेतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इस हफ्ते खास बात यह है कि फेड की बैठक के साथ-साथ अमेरिका सरकार भी तीन बड़े आर्थिक आंकड़े जारी करेगी, जीडीपी, रोजगार और महंगाई से जुड़ा आंकड़ा, जिसे फेड खास तौर पर देखता है। ज्यादातर जानकारों को

उम्मीद है कि फेड इस बार भी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और उन्हें स्थिर रखेगा। अनुमान जताया जा रहा है कि अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका की आर्थिक गतिविधियों में बढ़त देखने को मिल सकती है, जिसकी मुख्य वजह व्यापार घाटे में तेज गिरावट हो सकती है। हालांकि, जुलाई महीने में रोजगार की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है। वहीं, जून महीने की महंगाई दर में मामूली तेजी आने के संकेत हैं। अमेरिका की जीडीपी की सरकारी अनुमान रिपोर्ट में इस तिमाही के लिए सालाना आधार पर 2.4 फीसदी की वृद्धि दिखने की संभावना है, जबकि जनवरी-मार्च तिमाही में अर्थव्यवस्था में 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, बुधवार को जारी होने वाली रिपोर्ट से साफ हो सकता है कि घरेलू मांग और कारोबारी निवेश में अभी भी ज्यादा तेजी नहीं आई है। एक सर्वे में विश्लेषकों का अनुमान है कि इस तिमाही में उपभोक्ता खर्च केवल 1.5 फीसदी बढ़ेगा, जो कोविड-19 महामारी की शुरूआत के बाद से लगातार दो तिमाहियों में सबसे कमजोर प्रदर्शन हो सकता है। साथ ही कमजोर हाउसिंग मार्केट का असर भी दूसरी तिमाही की आर्थिक गतिविधियों पर पड़ा है। हफ्ते के अंत में आने वाली जुलाई की जॉब रिपोर्ट से संकेत मिल सकता है कि कंपनियां अब नई भर्तियों को लेकर अधिक सावधानी बरत रही हैं।

अमेरिकी बाजार से अपने उत्पाद वापस मंगा रही हैं भारतीय दवा कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के दवा नियामक यूएसएफडीए की रिपोर्ट के अनुसार भारत की प्रमुख दवा कंपनियों सन फार्मा, ल्यूपिन और डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज को विनिर्माण संबंधी खामियों और उत्पाद मिश्रण के कारण अमेरिका से अपनी दवाएं वापस मंगानी पड़ी हैं। सन फार्मा ने लिसडेक्साफेटामाइन डाइमीसाइलेट (60 मिलीग्राम) कैप्सूल की 5,448 बोतलों को वापस मंगाया है। यह दवा कंपनी की प्रिंसटन (अमेरिका) इकाई से जुड़ी है, और वापसी की प्रक्रिया 16 जून 2025 से शुरू की गई थी। वहीं

ल्यूपिन ने उच्च रक्तचाप के इलाज में उपयोग की जाने वाली लिसिनोप्रिल और हाइड्रोक्लोरोथीयाजाइड (20/12.5एमजी) टैबलेट की 58,968 बोतलों को वापस बुलाया है। यह दवा नागपुर स्थित संयंत्र में बनाई गई थी। वापसी का कारण एक विदेशी टैबलेट का बोतल में पाया जाना था, जिसकी पहचान अटेजेनाविर और रिटोनेविर (300/100एमजी) के रूप में हुई, जो एचआईवी के इलाज में प्रयोग होती है। इसके अतिरिक्त, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने पेट की बीमारियों में उपयोगी ओमेप्राजोल डिलायड रीलिज कैप्सूल की 1,476 बोतलों को वापस मंगाया है। यह दवा तेलंगाना के बाचुपल्ली संयंत्र में बनी थी और इसकी वापसी 30 जून 2025 से शुरू की गई। ये घटनाएं भारतीय दवा कंपनियों के लिए वैश्विक स्तर पर गुणवत्ता नियंत्रण की गंभीर चुनौती को रेखांकित करती हैं, और नियामक मानकों के प्रति सतर्कता बनाए रखने की आवश्यकता को दर्शाती हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार में 6.5 फीसदी से अधिक वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत गति से आगे बढ़ रही है और 2025-26 में इसके 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धि दर प्राप्त करने में कोई बड़ी चुनौती नहीं होगी। यह बात भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने रविवार को एक साक्षात्कार में कही। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की स्थिति बेहतर है। जबकि एक-तिहाई से अधिक देशों को ऋण संकट और धीमी आर्थिक गतिविधियों का सामना करना पड़ रहा है, भारत की वृद्धि घरेलू खपत और निवेश पर आधारित होने के कारण स्थिर बनी हुई है। कुमार ने उम्मीद जताई कि न केवल चालू वित्त वर्ष बल्कि अगले कुछ वर्षों में भी भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 से 7.5 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। पिछले वित्त वर्ष में भी जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मुद्रास्फीति के बारे में उन्होंने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति जून में घटकर 2.1 प्रतिशत पर आ गई है, जो आरबीआई की सख्त मौद्रिक नीति का नतीजा है। हालांकि, आगे ब्याज दरों में कटौती मुद्रास्फीति और अन्य आर्थिक संकेतकों पर निर्भर करेगी। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हुई है। 2024-25 में यह 81 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। हालांकि, शुद्ध एफडीआई प्रवाह थोड़ा कम रहा क्योंकि भारत से बाहर भी निवेश बढ़ा है।

एनएसडीएल का आईपीओ 30 जुलाई से खुलेगा

मुंबई (एजेंसी)। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) ने अपने 4,011 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 760 से 800 प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह आईपीओ 30 जुलाई से 1 अगस्त 2025 तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशक 29 जुलाई को ही बोली लगा सकेंगे। आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल पर आधारित है, जिसमें 5.01 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इससे कंपनी को कोई नया पूंजी निवेश नहीं मिलेगा। शेयर बेचने वालों में एनएसई, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, आईडीबीआई बैंक, यूनियन बैंक शामिल हैं। इस निर्गम के प्रमुख प्रबंधकों में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल, एचएसबीसी और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स शामिल हैं। उदाहरण के लिए, एनएसडीएल में शुरूआती निवेशकों को काफी लाभ हो सकता है, जबकि बाद के निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। एनएसडीएल में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले आईडीबीआई बैंक ने औसतन 2 रुपए प्रति शेयर की लागत पर अपनी हिस्सेदारी हासिल की थी, जो 39,000 प्रतिशत से अधिक के आश्चर्यजनक रिटर्न में तब्दील हो गई; इसकी हिस्सेदारी का मूल्य अब 4,176 करोड़ रुपए है, जो शुरूआती निवेश 10.44 करोड़ रुपए से अधिक है। बाजार विशेषज्ञ खुदरा निवेशकों को बताते हैं कि जब अनलिस्टेड प्राइस अपेक्षित आईपीओ मूल्य पर कोई बड़ी छूट नहीं देता है तो अतिरिक्त जोखिम उठाना उचित नहीं है।

रेनो क्विड ईवी को लेकर ग्राहकों की बढ़ती जा रही उत्सुकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेनो भारत कंपनी की अपकमिंग कार क्विड ईवी को लेकर उत्सुकता बढ़ती जा रही है। यह कार ग्लोबल मार्केट में पहले ही डेसिया स्प्रिंग ईवी के नाम से जानी जाती है और अब इसे ब्राजील में बिना किसी कवर के टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। खास बात यह है कि यही मॉडल भारत में भी कई बार टेस्टिंग के दौरान नजर आ चुका है और इसके 2025 के अंत या 2026 की शुरूआत तक भारतीय बाजार में लॉन्च होने की संभावना जताई जा रही है। क्विड ईवी का डिजाइन डेसिया स्प्रिंग ईवी जैसा ही रहेगा और यह 26.8 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक से लैस होगी, जिससे एक बार चार्ज करने पर करीब 220 से 305 किलोमीटर की रेंज मिलने की उम्मीद है। इसमें 65 बीएचपी का मोटर होगा, जो 125एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। फीचर्स की बात करें तो इसमें ट्रैफिक साइन रिकग्निशन, लेन वॉच असिस्ट, डुअल डिजिटल स्क्रीन, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और साइड टर्न इंडिकेटर के साथ इलेक्ट्रिक ओआरवीएम शामिल हो सकते हैं। एसयूवी लुक के लिए साइड क्लैडिंग भी दी जाएगी। इसके बजट सेगमेंट को ध्यान में रखते हुए इसमें एलॉय व्हील की बजाय व्हील कवर और पुल-अप टाइप डोर हैंडल दिए गए हैं। भारत में लॉन्च होने के बाद यह टाटा टियागो ईवी, एमजी कॉमेट ईवी और सिट्रोन ईसी3 को कड़ी टक्कर दे सकती है। इसकी संभावित एक्स-शोरूम कीमत करीब 7 लाख रुपये हो सकती है, जिससे यह देश की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कारों में से एक बन जाएगी। बता दें कि रेनो भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कार पोर्टफोलियो को तेजी से विस्तार देने की तैयारी कर रही है।

एक नजर

महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया टी ऐप इन दिनों आखिरकार चर्चा में क्यों

लंदन (एजेंसी)। इन दिनों एक एप चर्चा में है, जो महिलाओं के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है। हम बात कर रहे हैं टी एप की, जिस पर महिला चुपके से पुरुषों को रेट और रिव्यू करती हैं। इस एप पर महिलाएं बिहेवियर, लॉयैलिटी और डेटिंग अनुभव के आधार पर पुरुषों को रेट करती हैं। महिलाएं उन पुरुषों को रेट करते हैं, जिससे उन्होंने मुलाकात की होती है। पिछले कुछ दिनों से टी एप एक डेटा ब्रीच को लेकर चर्चा में है। टी एप एक बड़े डेटा लीक का शिकार हुआ है, जिसमें 72 हजार तस्वीरें लीक हुई हैं। इसमें 13 हजार सेल्फी या सेल्फी फोटो आईडी शामिल हैं, जिन्हें यूजर्स ने अकाउंट वेरिफिकेशन के लिए समिट किया था। वहीं 59 हजार फोटोज ऐसी हैं, जो पोस्ट, कॉमेंट या डायरेक्ट मैसेज की है, जो एप पर उपलब्ध है। टी महिलाओं के लिए एक्सक्लूसिव एप है। इस पर वे उन पुरुषों को रेट और रिव्यू कर सकती हैं, जिनसे वे मिली हैं या फिर डेट कर चुकी हैं। एप पर महिलाएं एक-दूसरे को टी स्पिल यानी रियल-लाइफ रिव्यू शेयर करती हैं। इन रिव्यूज के जरिए दूसरी महिलाओं को पता चलता है कि वे जिस शख्स से मिली हैं, वहां भरोसेमंद है या नहीं। या सिर्फ टाइमपास करता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टी एप का डेटा एक थर्ड पार्टी क्लाउड से लीक हुआ है। लीक में महिलाओं के नाम, ईमेल और प्रोफाइल डीटेल्स तक शामिल हैं। इसके अलावा रेट किए गए पुरुषों की जानकारी और रिव्यू, फोटो और दूसरी डिटेल्स लीक हुई हैं। कंपनी ने कहा है कि यूजर्स के ईमेल और नंबर लीक नहीं हुए हैं। इस डेटा लीक का असर सिर्फ उन यूजर्स पर पड़ेगा, जिन्होंने फरवरी 2024 से पहले साइन-अप किया था।

कमला हैरिस ने 2024 के चुनाव अभियान में पैसे लिए, उन पर चले मुकदमा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिर कमला हैरिस पर भड़क गए। उन्होंने कमला हैरिस के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग कर दी। ट्रंप ने कहा कि हैरिस और कुछ अन्य शीर्ष अमेरिकी सेलेब्स ने 2024 के चुनाव अभियान में पैसे लिए। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से गैरकानूनी है। इससे चुनावी अभियान के आर्थिक कानूनों का उल्लंघन हुआ है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा है। बता दें इस वक्त ट्रंप खुद एप्सटीन मामले को लेकर विवादों में हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने आरोप लगाया कि कमला हैरिस ने गायिका बियॉन्से, टीवी होस्ट ओपरा विन्फ्रे, और सिविल राइट्स एक्टिविस्ट अल शार्पटन जैसे सितारों के समर्थन के बदले लाखों डॉलर खर्च किए। उन्होंने कहा कि यह समर्थन अभियान असली नहीं, थे बल्कि पैसे देकर हासिल किए थे। ट्रंप ने लिखा क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि क्या होगा यदि नेता सभी समर्थन करने वालों को पैसे देना शुरू कर दें? उन्होंने कहा कमला और उन सभी ने जिन्होंने पैसे लिए उन्होंने कानून तोड़ा है। इन सभी पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। बता दें ट्रंप ने यह हमला उस वक्त किया है जब वह खुद जेफ्री एप्सटीन मामले से घिरे हुए हैं। ट्रंप ने एप्सटीन केस में जांच को राजनीति से प्रेरित बताया है। ट्रंप ने लिखा कि यह लेफ्ट डेमोक्रेट्स लोगों का ध्यान भटकाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि उनकी कोशिश है कि लोग पिछले छह महीने की हमारी शानदार सेवा को भुला दें। कई लोग हमारे इन छह महीनों को अमेरिकी इतिहास के किसी भी राष्ट्रपति के छह महीनों से बेहतर बता रहे हैं।

वॉलमार्ट में खरीदारी कर रहे लोगों पर एक शख्स ने चाकू से किया हमला, 11 हुए घायल

वाशिंगटन (एजेंसी)। वॉलमार्ट स्टोर उस वक्त आतंक का केंद्र बन गया, जब वहां अचानक चाकूबाजी की घटना सामने आई। इस दर्दनाक हमले में कम से कम 11 लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये घटना अमेरिका के मिशिगन राज्य के ट्रैवर्स सिटी नामक छोटे शहर में शनिवार की शाम को हुई है। मिशिगन स्टेट पुलिस के मुताबिक, आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और फिलहाल इस घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। स्थानीय प्रशासन ने इलाके को घेर लिया है और लोगों से अपील की है कि वे जांच पूरी होने तक इस क्षेत्र से दूर रहें। नॉर्थ मिशिगन के सबसे बड़े हॉस्पिटल मन्सन हेल्थकेयर ने पुष्टि की है कि उनके आपातकालीन विभाग में घायलों का इलाज किया जा रहा है। अस्पताल ने अपने आधिकारिक फेसबुक पोस्ट में लिखा कि ह्यहमारे पास सामान्य से कहीं अधिक मरीज आए हैं, हमारी टीम पूरी क्षमता से काम कर रही है। ग्रैंड ट्रैवर्स काउंटी शेरिफ ऑफिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। हालांकि अस्पताल के अनुसार यह संख्या 11 हो सकती है। सोशल मीडिया पर भी इस हादसे से जुड़ी तस्वीरें और खबरें तेजी से वायरल हो रही हैं। ट्रैवर्स सिटी, जहां यह हादसा हुआ, वह मिशिगन का एक शांत और छोटा सा शहर है, जिसकी आबादी महज 16,000 के करीब है। यह शहर डेट्रॉइट से लगभग 410 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है और आमतौर पर अपने खूबसूरत लेक व्यू और पर्यटन के लिए जाना जाता है। लेकिन अब यह शहर एक ऐसी भयावह घटना की चपेट में है, जिसने पूरे अमेरिका को झकझोर दिया है। वहीं वॉलमार्ट की ओर से जारी बयान में कहा गया कि कंपनी पुलिस के साथ पूरी तरह सहयोग कर रही है। उन्होंने मीडिया से आग्रह किया कि घटना से जुड़ी जानकारी के लिए सीधे पुलिस से संपर्क किया जाए।

बच्चों में स्मार्टफोन से मानसिक सेहत पर गंभीर असर: शोध

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जिन बच्चों को 12 वर्ष या उससे कम उम्र में स्मार्टफोन मिला, उनमें 18 से 24 साल की उम्र तक आते-आते आत्मघाती विचार, आक्रामकता, भावनात्मक अस्थिरता और आत्मसम्मान की कमी जैसी मानसिक समस्याएं अधिक देखी गईं। एक वैश्विक अध्ययन के अनुसार, इसमें दुनिया भर के एक लाख से अधिक युवाओं का डेटा शामिल है। अध्ययन के मुताबिक, कम उम्र में स्मार्टफोन मिलने से बच्चे जल्दी ही सोशल मीडिया से जुड़ जाते हैं, जिससे साइबरबुलिंग, नींद की गड़बड़ी और पारिवारिक रिश्तों में दूरी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। अमेरिका स्थित सैपियन लैब्स की संस्थापक और न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. तारा थियागराजन ने बताया कि डेटा स्पष्ट रूप से संकेत करता है कि कम उम्र में सोशल मीडिया और स्मार्टफोन का उपयोग युवावस्था में मानसिक असंतुलन का बड़ा कारण बन सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि ये समस्याएं सामान्य मानसिक स्वास्थ्य जांच में अक्सर नजर नहीं आतीं क्योंकि इनमें अवसाद या चिंता जैसे पारंपरिक लक्षण नहीं होते। शोधकताओं ने स्मार्टफोन को शराब और तंबाकू की तरह नियंत्रित करने की वकालत की है और सुझाव दिया है कि 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए इसके उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल साक्षरता को अनिवार्य किया जाना चाहिए और टेक कंपनियों को युवाओं की मानसिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार ठहराना जरूरी है। इस अध्ययन में ह्यमाइंड हेल्थ कोशेंटह्न नामक टूल के जरिए युवाओं के सामाजिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य का मूल्यांकन किया गया। नतीजों से यह स्पष्ट हुआ कि कम उम्र में स्मार्टफोन पाने वाली लड़कियों में अविश्वास और भावनात्मक अस्थिरता अधिक देखी गई, जबकि लड़के अधिक असंतुलित, क्रोधित या उदासीन व्यवहार करने लगे।

पाकिस्तान हुआ पानी-पानी: मलबे में तब्दील हुए हजारों घर, चौतरफा फैली तबाही

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में इन दिनों चौतरफा तबाही दिखाई दे रही है। यहां हर जगह पानी है और मौसम विभाग में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। हजारों की संख्या में घर मलबे में तब्दील हो गए है। न बिजली है और न ही खाने की लिए राशन। लोगों का कहना है कि उनके पास कुछ बकरे और मुर्गे थे वो भी बारिश में बह गए। जो बचे थे उनका गोस्त खा लिया। अब भूखे मरने की नौबत आ गई है। कई इलाकों में घर, खेत, खलिहान और बुनियादी बिल्डिंग तबाह हो गई हैं। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तान ग्लेशियल बाढ़ की चेतावनी जारी की है। लोगों को भय सताने लगा है कि कहीं 2022 के जैसा विनाशकारी बाढ़ ना आ जाए। पाकिस्तान के बाबूसर हाईवे पर बचाव अभियान जारी है। यहां अचानक आई बाढ़ से 9 गांवों को प्रभावित किया है। पीओजीबी क्षेत्र के एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल फेयरी मीडोज से फंसे हुए पर्यटकों को निकालने के लिए हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। खैबर पख्तूनख्वा पर्यटन विभाग के अब्दुल समद ने कहा कि शुक्रवार रात बादल फटने के बाद भूस्खलन और सड़कें बंद होने के बाद नारन से 500 से ज्यादा पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया। मलबा हटाने और पहुंच मार्गों को फिर से खोलने के लिए भारी मशीनरी का इस्तेमाल किया जा रहा है। पाकिस्तान के प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता अनवर शहजाद ने बताया कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले साल की तुलना में काफी अधिक

बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने चेताया है कि हिमनद झील बाढ़ की विस्फोट (जीएलओएफ) की संभावना बढ़ गई है। इसकी वजह से निचली इलाकों में भारी बाढ़ की संभावना है। मौसम विभाग ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि एक तरफ मूसलाधार बारिश दूसरी ओर उच्च तापमान दोहरी खतरा बढ़ गई है। लगातार उच्च तापमान से बर्फ और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने की संभावना बढ़ गई है। इसकी वजह से मौसम संबंधी आपदाएं भी आ सकती हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान (पीओजीबी) में तो और भी बुरा हाल है। वहां की सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फिराक ने कुछ इलाकों में व्यापक तबाही की सूचना दी है। बताया जा रहा है कि घरें, बुनियादी ढांचे, कृषि भूमि और व्यवसायों को नुकसान भारी नुकसान हुआ है। पीओजीबी में बाढ़ प्रभावित समुदायों को टेंट, भोजन और दवा सहित आपातकालीन आपूर्ति वितरित की है। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को बादल फटने से इस क्षेत्र में बाढ़ और भूस्खलन हुआ, जिसके परिणामस्वरूप तीन लोगों की मौत हो गई। 200 से ज्यादा पर्यटक अस्थायी रूप से फंस गए हैं। इलाके में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रमुख जाकिर हुसैन ने कहा कि मौसम संबंधी चेतावनियां जोखिम वाले क्षेत्रों में पर्यटकों की संख्या कम करने में मदद तो करती हैं, लेकिन ये हमेशा पर्याप्त नहीं होतीं। हुसैन ने अल जजीरा को बताया, ह्यआम तौर पर, पर्यटक हमारी चेतावनी सूचनाओं पर ध्यान देते हैं। जो लोग फिर भी आना चुनते हैं, वे या तो वे होते हैं जिन्होंने चेतावनी नहीं देखी होगी या जिन्हें आने की कोई जल्दी होती हैह्न इस साल का मानसून की बारिश से सितंबर तक बारिश का दौर जारी रहा तो तबाही आना तय है। अब तक पूरे पाकिस्तान में 260 लोगों की जान जा चुकी है। 2022 की बाढ़ ने देश के एक तिहाई हिस्से को जलमग्न कर दिया था। इस तबाही में 1,700 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। 3 करोड़ से ज्यादा लोग विस्थापित हुए थे। ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर सबसे ज्यादा 7,000 से ज्यादा ग्लेशियरों का घर होने के बावजूद, पाकिस्तान दुनिया के सबसे ज्यादा जलवायु-संवेदनशील देशों में से एक बना हुआ है।

चीन में फिर से कॉमरेड शब्द की वापसी क्या हैं इसका राजनीतिक संदेश

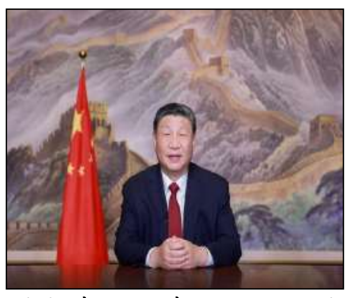

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में हाल के वर्षों में कॉमरेड शब्द का प्रयोग फिर से बढ़ रहा है। पहले यह शब्द कम्युनिस्ट शासन के शुरूआती दौर में आम अभिवादन में प्रयोग होता था, लेकिन 1980 के दशक के बाद इसके उपयोग में गिरावट आई थी। अब यह दोबारा आधिकारिक भाषणों, दस्तावेजों और कुछ अनौपचारिक बातचीत में दिखाई दे रहा है। बात दें कि 1949 की चीनी क्रांति के बाद कॉमरेड (जिसका अर्थ है साथी या मित्र) पार्टी सदस्यों, सरकारी अधिकारियों और आम नागरिकों के बीच एक सामान्य संबोधन था। यह शब्द समानता और एकजुटता के क्रांतिकारी आदर्शों का प्रतीक माना जाता था। लेकिन 1980 के दशक में आर्थिक सुधारों और वैश्विक खुलेपन के साथ, लोग अधिक व्यक्तिगत और पेशेवर अभिवादनों का उपयोग करने लगे–जैसे श्याओजी (मिस) या लाओशी (शिक्षक)। धीरे-धीरे ह्यकॉमरेडह्न का प्रयोग आम बोलचाल से लगभग गायब हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव कम्युनिस्ट पार्टी की विरासत को मजबूत करने, चारधारात्मक एकजुटता बढ़ाने, और क्रांतिकारी मूल्यों की याद दिलाने का प्रयास है। इस वापसी को चीन के राजनीतिक वातावरण का सूचक माना जा रहा है। यह केवल भाषाई बदलाव नहीं, बल्कि एक ऐसा कदम है, जो वर्तमान नेतृत्व द्वारा पार्टी की ऐतिहासिक जड़ों और सामूहिकता पर जोर देने की ओर इशारा करता है।

179 यात्रियों से भरे विमान में लैंडिंग के दौरान लगी आग, बाल-बाल बचे यात्री

वॉशिंगटन (एजेंसी)। 179 यात्रियों से भरा विमान लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार होते होते बच गया। डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट एए 3023 के लैंडिंग गियर में आग लग गई। यह घटना उस समय हुई जब विमान टेकऑफ की तैयारी ही कर रहा था। विमान में सवार सभी 173 यात्री और 6 क्रू सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। हालांकि, एक यात्री को मामूली चोट के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य पांच यात्रियों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया।बता दें कि अमेरिकन एयरलाइंस के साथ डेनवर में यह दूसरी बड़ी घटना है। मार्च 2025 में, इसी एयरलाइन के एक अन्य विमान में इंजन में खराबी

आने के कारण आपात लैंडिंग करनी पड़ी थी। अमेरिकन एयरलाइंस ने यात्रियों को मियामी ले जाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की, जिसने शाम को उड़ान भरी। यह घटना शनिवार दोपहर लगभग 2:45 बजे (अमेरिका के समय के मुताबिक) हुई, जब फ्लाइट एए 3023 डेनवर से मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एमआइए) के लिए उड़ान भरने वाली थी। विमान रनवे 34एल पर टेकऑफ की तैयारी में था, तभी लैंडिंग गियर में एक टायर में खराबी सामने आई। इसके कारण उसमें आग लग गई। डेनवर फायर डिपार्टमेंट और एयरपोर्ट प्रशासन ने तुरंत मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। सभी यात्रियों को आपातकालीन स्लाइड्स के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला गया। अमेरिकन एयरलाइंस ने इस घटना की पुष्टि की है कि विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था और उसमें टायर से संबंधित तकनीकी समस्या आई थी। एयरलाइन ने कहा कि प्रभावित विमान को सेवा से हटा दिया गया है और पूरी जांच की जाएगी। विमान को गेट सी34 से रवाना होना था और निर्धारित समय दोपहर 1:12 बजे था। एफएए (फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन) ने इसे संभावित लैंडिंग गियर की खराबी के रूप में रिपोर्ट किया है। इस घटना के चलते डेनवर एयरपोर्ट पर दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक ग्राउंड स्टॉप लागू किया गया, जिससे 87 उड़ानों में देरी हुई। हालांकि शाम तक सभी सेवाएं सामान्य रूप से शुरू हो गई थीं।

मेलबर्न में भारतीय मूल के युवक पर जानलेवा हमला, रीढ़ की हड्डी में फेक्चर, सिर में भी गंभीर चोट

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में भारतीय मूल के सौरभ आनंद पर पांच लोगों ने हमला कर दिया। यह हमला 19 जुलाई की शाम करीब 7:30 बजे एलटोना मीडोज के सेंट्रल स्क्वायर शॉपिंग सेंटर के बाहर हुआ, जब वह दवा लेकर घर लौट रहे थे। सौरभ ने बताया कि वह फोन पर एक दोस्त से बात कर रहे थे, तभी कुछ हलचल हुई। उन्होंने बताया कि मैंने कुछ नहीं सुना...कुछ ही सेकंड में उन्होंने उसे घेर लिया। एक ने उनकी जेब टटोली, दूसरा उनके सिर पर मारता रहा और तीसरे ने माचेते निकालकर गले पर रख दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सौरभ आनंद ने बताया कि वह चेहरे को बचाने के लिए हाथ उठाया, लेकिन माचेते ने मेरी कलाई को काट

दिया। दूसरा वार हाथ को चीर गया और तीसरा हड्डी के आर-पार चला गया। हमले में उन्हें पीठ और कंधे पर भी गहरी चोटें आईं। रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ, हाथ की हड्डियां टूटीं और सिर में भी गंभीर चोट आई है। गंभीर रूप से घायल सौरभ किसी तरह बाहर निकले और मदद के लिए चिल्लाए। कुछ अजनबियों ने उन्हें संभाला और ट्रिपल जीरो कॉल कर-के एंबुलेंस बुलवाई। रॉयल मेलबर्न हॉस्पिटल में डॉक्टरों को लगा कि उनका बायां हाथ काटना पड़ेगा, लेकिन कई घंटों की इमरजेंसी सर्जरी के बाद हाथ जोड़ दिया गया। उनकी कलाई और हाथ में स्क्रू लगाए गए हैं। पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से एक 14 साल के लड़के पर गंभीर चोट पहुंचाने, लूट और गैरकानूनी हमले का आरोप लगा है। उसे 15 अगस्त को जुविनाइल कोर्ट में पेश किया जाएगा। दो 15 साल के युवकों को बेल पर रिहा किया गया है, जबकि चौथे आरोपी पर समन के जरिए चार्ज लगाया जाएगा। सौरभ ने जमानत मिलने पर नाराजगी जताई और कहा कि वह न्याय चाहता हैं। उन्होंने कहा कि अब वो घर लौटने से डरते हैं। यह घटना विक्टोरिया राज्य में बढ़ते अपराध और के बीच हुई है। सरकार ने माचेते पर एक सितंबर से बैन लगाने और बेल नियमों को सख्त करने की घोषणा की है।

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष जारी तोपों की आवाज से लोग दहशत में

नोम पेन्ह (एजेंसी)। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहा सीमा विवाद रविवार को भी जारी था। संघर्ष विराम की अपीलों के बावजूद दोनों देशों की सेनाओं के बीच भारी गोलाबारी जारी हो रही है। रविवार सुबह सीमा क्षेत्र में तोपों की आवाजें आती रहीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार तड़के बॉर्डर पर संघर्ष शुरू हुआ। कंबोडिया के सम्रोंग शहर में तोपों की आवाज ने लोगों के बीच दहशत का माहौल पैदा कर दिया। यह शहर बॉर्डर से करीब 20 किलोमीटर दूर है, इसके बावजूद धमाकों की आवाज वहां तक पहुंच रही है। सीमा पर हालात तनावपूर्ण हैं। यह झड़पें ऐसे समय हो रही हैं जब दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की संभावनाओं को लेकर कूटनीतिक प्रयास तेज हो गए हैं। रविवार सुबह गोलाबारी से साफ है कि जमीनी स्तर पर स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद सालों से चला आ रहा है। मुख्य रूप से उन क्षेत्रों को लेकर विवाद है जहां ऐतिहासिक मंदिर स्थित है। दोनों देश इन स्थलों पर अपना-अपना दावा करते हैं। दोनों देशों के बीच 817 किलोमीटर लंबी सीमा रेखा को लेकर विवाद है। विशेषकर यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित प्रीह विहेयर मंदिर को लेकर तनाव है। 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने यह मंदिर कंबोडिया को सौंप दिया था, लेकिन थाईलैंड ने उस फैसले को पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया।

कंबोडिया-थाइलैंड में सीजफायर करवाने उतरे ट्रंप बोले- तो नहीं करेंगे व्यापार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। शांति का नोबल पुरस्कार लेने के लिए जद्दोजहद में लगे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कंबोडिया-थाइलैंड में सीजफायर करवाने का श्रेय लेने में जुट गए हैं। उन्होंने दोनों देशों को धमकाते हुए कहा कि यदि जंग नहीं रुकी तो इन देशों के साथ कोई व्यापार नहीं करेंगे। राष्ट्रपति का कहना है कि इन दोनों देशों के संघर्ष में अभी तक 33 लोगों की मौत हो चुकी है। वह दोनों देशों के नेताओं के साथ सीमा विवाद को खत्म करने को लेकर बात की है। इसके साथ ही ट्रंप ने दोनों देशों को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक शांति नहीं हो जाती तब तक इन दोनों देशों के साथ व्यापार करना गलत होगा। इसके बाद ट्रंप ने एक और पोस्ट करके जानकारी दी कि दोनों पक्ष शांति के लिए तैयार हैं।

अमेरिका का वफादार बनने की कोशिश कर रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस वक्त पाकिस्तान पूरी तरह से अमेरिका की चरणवंदना में लगा हुआ है। इसके लिए वो कुछ भी करने को तैयार है। पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने शांति के नोबल पुरस्कार की मांग की और अब एक भव्य समारोह में अमेरिकी सेन्ट्रल कमांड (सेंटकॉम) के प्रमुख जनरल माइकल ए. कुरिल्ला को ह्यनिशान-ए-इम्तियाज (मिलिट्री)ह्न से नवाजा गया है। शनिवार को पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अमेरिकी जनरल को ये सम्मान दिया। ये सेंट्रल कमांड अमेरिकी सेना का वही हिस्सा है जो ईरान और यमन के हूती विद्रोहियों पर हमले करने के लिए जिम्मेदार है। इसके अलावा वह मिडिल ईस्ट को कंट्रोल करता है। यह कमांड इजरायल की रक्षा भी करता है। ऐसे में पाकिस्तान की ओर से उसी कमांड के प्रमुख को एक बड़ा सम्मान देना, बहुत कुछ कहता है। बता दें कि ह्यनिशान-ए-इम्तियाजह्न पाकिस्तान का एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान है, जो वहां की सरकार सैन्य और असैन्य दोनों क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वालों को देती है। यह देश का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान माना जाता है, लेकिन जब इसे ह्यमिलिट्रीह्न कैटेगरी में दिया जाता है, तो यह सेना या रक्षा सहयोग में अहम भूमिका निभाने वालों को सम्मानित करने के लिए होता है। जनरल कुरिल्ला के पाकिस्तान दौरे के दौरान उन्हें राष्ट्रपति भवन में तीनों सेनाओं की गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वो न केवल पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मिले, बल्कि एक अहम सम्मेलन का भी हिस्सा बने जिसमें अमेरिका, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारी शामिल थे।

पूरी रात दागी मिसाइलें और ड्रोन, सुबह होते ही यूक्रेन के 2 और गांवों पर कर लिया कब्जा

मॉस्को (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन की जंग को लंबा समय हो गया है। शांति का कहीं कोई रास्ता नहीं निकल रहा है। इसी बीच रूस लगातार यूक्रेन के गांवों पर कब्जा कर रहा है। बीती रात रूस ने पूरी रात यूक्रेन पर मिसइलें दागी और ड्रोन छोड़े, इसके बाद सुबह होते ही दो गांवों पर कब्जा कर लिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना ने यूक्रेन के पूर्वी इलाके में दो और गांवों पर कब्जा कर लिया है, जिनमें से एक ड्नीप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में है। यह क्षेत्र उन पांच इलाकों में शामिल नहीं है जिन पर रूस ने आधिकारिक रूप से दावा किया है। यूक्रेन ने इन गांवों के हाथ से जाने की पुष्टि नहीं की है, लेकिन वहां भीषण लड़ाई चलने की बात कही है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि 1000 किलोमीटर लंबी युद्ध रेखा पर सबसे अधिक लड़ाई पोक्रोव्स्क शहर के आसपास हो रही है, जो एक अहम लॉजिस्टिक हब है। उन्होंने यह भी कहा कि सूमी क्षेत्र में यूक्रेनी सेना को कुछ सफलताएं मिली हैं। यह इलाका उत्तर में रूसी सीमा से सटा है, जहाँ हाल ही में रूस ने अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। रूस ने दावा किया है कि डोनेत्स्क क्षेत्र में जेलेनी हाई और ड्नीप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में मलीव्का गांव पर उसका कब्जा हो गया है। यूक्रेनी सेना ने कहा कि इन गांवों पर रूसी हमलों को रोका गया है। दोनों देशों के बीच हाल ही में तुर्की में तीसरी बार सीधी बातचीत हुई, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर पर तीन घंटे की अवधि में 4 गाइडेड हवाई बम, 2 बैलिस्टिक मिसाइल और 15 ड्रोन से हमला हुआ। एक पोस्ट में, खार्किव के मेयर इहोर तेरेखोव ने कहा कि ऊंची आवासीय इमारतें, स्थानीय व्यवसाय, सड़कें और संचार नेटवर्क हमले में क्षतिग्रस्त हो गए। वायुसेना की रिपोर्ट के मुताबिक कुल मिलाकर रूस ने रात भर यूक्रेन को 208 ड्रोन और 27 मिसाइलों से निशाना बनाया। प्रारंभिक आंकड़े बताते हैं कि वायु रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध ने 183 ड्रोन और 17 मिसाइलों को गिरा दिया या रोक लिया लेकिन 10 मिसाइलों और 25 ड्रोन से नौ स्थानों पर हमले दर्ज किए गए। रातभर चले हवाई हमलेरूस और यूक्रेन ने रात भर हवाई हमले किए, जिसमें दोनों देशों में दो-दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेन के दक्षिणी ड्निप्रो और उत्तरपूर्वी सुमी क्षेत्रों पर संयुक्त रॉकेट और ड्रोन हमले हुए। स्थानीय अधिकारियों ने मुताबिक ड्निप्रो क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख सेरही लिसाक ने कहा कि कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 5 लोग घायल हो गए।

आर. एन .आई रजि0 न0 JHAHIN/2006/24924 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक कमलेश तुलस्यान एस बी राय रोड देवघर द्वारा प्रकाशित तथा आदित्य पब्लिकेशन हाउस, बंधा बाय-पास रोड,बंधा, देवघर (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक-कमलेश तुलस्यान (मो0 9431132132)। कार्यकारी संपादक- श्याम कुमार श्रृंगारी' (इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)। फोन नं. 7004539007 फैक्स नं. (06432) 275355, डाक पंजीयन संख्या : SP-13/09 Email : shwetpatra10@gmail.com

हिन्दी दैनिक
श्वेत पत्र
आपकी बात सच के साथ
देवघर, सोमवार, 28 जुलाई, 2025

एक नजर

मोईन अली ने बताया शुभमन गिल को भविष्य का मजबूत कप्तान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोईन अली का मानना है कि भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल भविष्य में एक बहुत ही शानदार कप्तान के रूप में उभर सकते हैं। मोईन के मुताबिक गिल ने न सिर्फ बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया, बल्कि मैदान पर अपने आक्रामक रवैये और नेतृत्व कौशल से यह साबित भी कर दिया है कि उनमें नेतृत्व की पूरी क्षमता है। इंग्लैंड दौरे के दौरान गिल ने लगातार शानदार पारियां खेलीं, जिससे न सिर्फ भारत को मजबूती मिली बल्कि उन्होंने खुद को भी एक मैच विनर के तौर पर स्थापित किया। मोईन अली ने कहा कि गिल बल्ले से आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व कर रहे हैं और एक भारतीय कप्तान के लिए यह बहुत जरूरी गुण है। गिल ने इस सीरीज में कई बार इंग्लैंड के गेंदबाजों को मुश्किल में डाला, खासकर लीड्स और बर्मिंघम में। उन्होंने दो टेस्ट में तीन शतक लगाए, जिनमें एक 269 रनों की पारी भी शामिल रही, जो उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारी थी। इन दो मैचों में उन्होंने कुल 458 रन बनाए, जो उनके आत्मविश्वास और निरंतरता को दर्शाता है। तीसरे टेस्ट में जब मुकाबला थोड़ा तनावपूर्ण हुआ, तो गिल उस माहौल के केंद्र में नजर आए। इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों के बीच तीखी जुबानी जंग हुई, जिसमें गिल ने आक्रामक अंदाज में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मोईन अली के मुताबिक इस तरह का मुकाबला लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट में देखने को नहीं मिला था। उन्होंने कहा कि यह सीरीज मनोरंजक, आक्रामक और सम्मानजनक खेल का बेहतरीन उदाहरण रही है। उनके अनुसार दोनों टीमें युवा हैं, प्रतिभाशाली हैं और मैदान पर कड़ी मेहनत कर रही हैं। मोईन को लगता है कि शुभमन गिल जैसे युवा खिलाड़ी न केवल क्रिकेट के भविष्य हैं बल्कि भारतीय टीम का नेतृत्व भी मजबूत हाथों में होगा।

टीम शुभमन की, इसलिए वे ही लें चयन पर अंतिम फैसला : गावस्कर

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि अंतिम ग्यारह के चयन का पूरा अधिकार कप्तान शुभमन गिल के पास होना चाहिये न कि कोच गौतम गंभीर के पास। गावस्कर ने कहा कि टीम कप्तान की होती है कोच की नहीं। इसलिए कप्तान की राय सबसे अहम होती है। विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद कई लोगों ने नई भारतीय टेस्ट टीम को गंभीर की टीम करार दिया, जबकि चयनकताओं ने शुभमन को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया था। इससे सवाल ये भी उठ रहा है कि ड्रेसिंग रूम में कप्तान की पकड़ है या कोच हावी हैं? टेस्ट के चौथे दिन जब, गावस्कर से सीधे तौर पर पूछा गया कि क्या यह भारतीय टीम शुभमन या गंभीर की है। इसपर गावस्कर ने कहा कि उन्हें अपनी कप्तानी के दिनों में कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा, क्योंकि उस समय कोई मुख्य कोच नहीं था। इसकी जगह पर उन्होंने प्रबंधकों या सहायक प्रबंधकों से सुझाव मांगे, जो अक्सर पूर्व खिलाड़ी होते थे। गावस्कर ने कहा, हमारे पास कोच नहीं थे। हमारे पास सिर्फ पूर्व खिलाड़ी ही मैनेजर या सहायक मैनेजर के तौर पर थे। वे ऐसे लोग थे जिनके पास जाकर आप बात कर सकते थे, लंच के समय, दिन के खेल के अंत में या मैच से पहले और वे केवल अपनी सलाह देते थे, फैसला हमें लेना होता था। इसलिए, मेरे लिए कप्तान और कोच के संयोजनप को समझना कठिन है। जब मैं कप्तान था, तब हमारे पास कोई भी पूर्व खिलाड़ी नहीं था। गावस्कर ने कहा कि टीम चयन में अंतिम फैसला कप्तान का ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्पिनर कुलदीप यादव को अभी तक शुभमन के चाहते के बाद भी अवसर नहीं मिला है। इसके अलावा शार्दुल ठाकुर को सीरीज के पहले मैच के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था पर नीतीश रेड्डी की चोट के बाद फिर शामिल कर लिया गया। उन्होंने साथ ही कहा, वह कप्तान हैं। लोग उनके और उनकी कप्तानी के बारे में बात करेंगे। इसलिए उन्हें फैसले करने चाहिये। साथ ही कहा कि आजकल सभी चयन कप्तान की इच्छा से नहीं होते केवल ऐसा दिखाया जाता है कि व सहमत है जिससे लगे कि सब ठीक है।

एशिया कप में पाकिस्तान से न खेले भारतीय टीम : अजहरुद्दीन

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा है कि एशिया कप में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच नहीं खेला जाना चाहिये। अजहरुद्दीन के अनुसार पाक के खिलाफ किसी भी स्तर पर नहीं खेलना चाहिये। अन्य खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने भी पाक से खेलने का विरोध किया है। इससे पहले एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि भारत की मेजबानी में एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। इसमें दोनो ही टीमों के बीच मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। अजहरुद्दीन ने कहा मैं हमेशा कहता हूं कि या तो सबकुछ होना चाहिए या कुछ भी नहीं होना चाहिए। साथ ही कहा कि अगर आप द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलते तो फिर अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंट्स में भी नहीं खेलना चाहिये। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि मोहम्मद अजहरुद्दीन ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाक के खिलाफ मुकाबले से भारतीय दिग्गज खिलाड़ियों के हटने पर को लेकर कि यह बोर्ड और सरकार का मामला है। इसका कारण है कि लीजेंड्स लीग आधिकारिक नहीं है क्योंकि उसे आईसीसीस और भारतीय बोर्ड से मंजूरी नहीं है। वहीं एशिया कप एसीसी के तहत होने वाला आधिकारिक टूनार्मेंट है। 14 सितंबर से शुरू होने जा रहे एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में है और इन दोनों टीमों के 21 सितंबर को भी सुपर फोर मैच में मुकाबला होगा। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 10 सितंबर को यूएई से खेलेगी। उसके सभी मैच दुबई में खेले जाएंगे। इसमें भारत, पाकिस्तान और ओमान को ग्रुप ए में रखा गया है जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग ग्रुप बी में हैं।

निया की 31 क्रिकेट लीग में भारतीयों की हिस्सेदारी

अमेरिका बना दूसरा सबसे बड़ा केंद्र, पहला स्थान भारत का

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट अब सिर्फ टेस्ट खेलने वाले 12 देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह खेल 23 देशों तक फैल चुका है और इसकी सबसे बड़ी ताकत बनी हैं फ्रेंचाइजी लीग्स। इनमें भारत की भूमिका बेहद अहम है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 48 क्रिकेट लीग्स आयोजित होती हैं, जिनमें से 31 में किसी न किसी रूप में भारत का योगदान है। इनमें आईपीएल सबसे बड़ी और सबसे सफल लीग के रूप में जानी जाती है, जिसने विश्व क्रिकेट की आर्थिक संरचना को ही बदल दिया है। भारतीय क्रिकेटर्स भले ही विदेशी लीगों में खेलने से वंचित हों, लेकिन पूर्व खिलाड़ी, अभिनेता, ब्रॉडकास्टर, निवेशक और भारतीय मूल के क्रिकेटर दुनिया की कई लीग में सक्रिय हैं। भारत के बाद अमेरिका क्रिकेट लीग्स का दूसरा सबसे बड़ा हब बन गया है, जहां कुल 11 लीग्स खेली जाती हैं। भारत में 21 लीग्स और अमेरिका में 11 लीग्स होने का यह आंकड़ा इस बात की गवाही देता है कि भारत का क्रिकेट से जुड़ा निवेश वैश्विक हो चुका है। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के को-फाउंडर सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर जैसे दिग्गज इसमें अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। अभिषेक बच्चन यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में हिस्सेदार हैं, तो युवराज सिंह कनाडा, शिखर धवन नेपाल और सुरेश रैना कतर की लीग में खेल चुके हैं। इस तरह भारतीयों की मौजूदगी मैदान के भीतर और बाहर दोनों जगह दिखती है। आईसीसी द्वारा मान्यता प्राप्त केवल 12 टेस्ट नेशन हैं, लेकिन क्रिकेट का व्यावसायिक स्वरूप 23 देशों तक पहुंच चुका है, जिसमें स्पेन, मलेशिया, हॉन्गकॉन्ग, कतर जैसे नाम शामिल हैं। भारत में भी आईपीएल के बाद से 15 राज्य स्तरीय टी20 लीग्स की शुरूआत हुई है, जिससे घरेलू प्रतिभाओं को मंच और दर्शकों को रोमांच मिल रहा है। इन लीग्स की सफलता और भारत की हिस्सेदारी यह साबित करती है कि भारत अब क्रिकेट का सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि ग्लोबल इनोवेशन हब बन चुका है।

द्रविड जैसे दिग्गज के साथ नाम देखकर उत्साहित हूं : रूट

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने कहा है कि दिग्गज क्रिकेटरों रिकी पोंटिंग, कुमार संगकारा और ब्रायन लारा के साथ अपना नाम देखकर उन्हें हैरानी होती है। रुट मैनचेस्टर टेस्ट के तीसरे दिन 150 रन बनाकर टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में 13,409 रन बनाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। उन्होंने इस दौरान राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और रिकी पोटिंग को पीछे छोड़ दिया है। रूट से आगे अब केवल सचिन तेंदुलकर 15,921 रन ही हैं। दूसरे नंबर पर पहुंचने के बाद रूट ने कहा, मैं बचपन से पोंटिंग, संगकारा और लारा जैसा बनना चाहता था। ऐसे में अब इन दिग्गजों के साथ अपना नाम देख निश्चित ही अच्छा लग रहा है। यह मेरे लिए थोड़ा हैरान करने वाला भी है। मैंने अपनी उपलब्धियों के बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरा ध्यान इंग्लैंड को मैच जिताने पर रहा है। अब देखना है कि क्या रूट सचिन के सबसे अधिक टेस्ट रनों का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे? इसके लिए उन्हें करीब तीन हजार रन चाहिये। इस पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने कहा, रूट का औसत लगभग 85 रन प्रति टेस्ट मैच है, इसलिए उन्हें सचिन तक पहुंचने के लिए करीब 30 टेस्ट मैच खेलने होंगे। अभी वह 34 साल के हैं और उनके पास तीन से चार साल का समय है। वह काफी अच्छे फॉर्म में हैं और खेल के प्रति उनके प्यार और इच्छा में कोई कमी नहीं आई है। वहीं अगर वह फिट बने रहते हैं तो सचिन का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। रुट ने अब तक 157 टेस्ट मैचों की 286 पारियों में 38 शतक और 66 अर्धशतक लगाते हुए 13,409 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 262 रन है। उनके नाम छह दोहरे शतक भी हैं। रूट से आगे केवल सचिन तेंदुलकर हैं। 200 टेस्ट मैचों की 329 पारियों में 51 शतक और 68 अर्धशतक लगाते हुए सचिन ने 15,921 रन बनाए हैं।

शुभमन ने सीरीज में चौथा शतक लगाया

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के अंतिम दिन दूसरी पारी में शतक लगाने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया हे। शुभमन ने इस सीरीज में अब तक चार शतक लगा दिये हैं जिसमें एक दोहरा शतक भी है। शुभमन ने इसी के साथ ही सर डॉन ब्रैडमैन, सुनील गावस्कर और विराट कोहली के रिकार्ड की बराबरी की है। इन सभी ने टेस्ट में एक सीरीज में खिलाड़ी और कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा 4 शतक लगाए हैं। गिल ने 228 गेंदों पर 100 रन बनाते हुए अपना शतक पूरा किया जिसमें 12 चौके शामिल थे। उन्होंने क्रिस वोक्स की गेंद पर एक रन पूरा करते ही अपना शतक लगाया। इसी के साथ ही शुभमन के इस सीरीज में 700 से अधिक रन और टेस्ट में कुल 9 शतक हो गए हैं।

क्रिकेट से दूर रहकर भी करोड़ों की कमाई कर रहे हैं चहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया से लगभग दो साल से बाहर चल रहे अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह क्रिकेट नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी है। हाल ही में चहल इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते नजर आए और उसके बाद वह अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड आरजे महवश के साथ लंदन की सड़कों पर घूमते दिखाई दिए। दोनों की एकसाथ कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिससे उनके रिश्ते की चचाएं और तेज हो गई हैं। क्रिकेट से दूर रहने के बावजूद चहल की कमाई में कोई कमी नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 35 वर्षीय चहल की कुल संपत्ति करीब 45 करोड़ रुपये है। वह बीसीसीआई के सालाना अनुबंध में ग्रेड सी के तहत थे, जिससे उन्हें एक करोड़ रुपये तक की सैलरी मिलती थी, हालांकि अब वह उस कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा नहीं हैं। फिर भी, विज्ञापन और निजी निवेशों के जरिए चहल हर महीने लाखों की कमाई कर रहे हैं। वह इनकम टैक्स विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर भी कार्यरत हैं, जहां उनकी सैलरी करीब 44,900 से 1,42,400 रुपये मासिक मानी जाती है। चहल का गुरुग्राम में एक आलीशान घर भी है जिसकी कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये है। इसके अलावा उन्होंने हाई टाइम्स सॉल्यूशंस की चेकमेट सर्विस, ग्रिप फिटनेस ऐप और यूजो फैशन ब्रांड में भी निवेश कर रखा है। चहल ने 13 अगस्त 2023 को आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। उन्होंने अपने करियर में 72 वनडे में 121 और 80 टी20 में 96 विकेट झटके हैं। वहीं, आईपीएल में वह अब तक 174 मैचों में 221 विकेट ले चुके हैं, जो एक रिकॉर्ड है। चहल ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स, आरसीबी और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेला है।

टूर डी फ्रांस इटापे 20 साइकिल रेस में भाग लेते हुए प्रतियोगी।

करुण को इस कारण चौथे टेस्ट में शामिल नहीं किया गया : कोटक

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बल्लेबाज करुण नायर को चौथे टेस्ट से बाहर करने का कारण खराब फार्म नहीं था बल्कि उनपर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए उन्हें आराम दिया गया। इससे पहले कहा जा रहा था कि आठ साल बाद वापसी के बाद भी शुरूआती तीनों ही मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण इस बल्लेबाज को टीम से बाहर किया गया है। प्रशंसकों का मानना था कि करुण अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये जिस कारण उन्हें अपनी जगह खोनी पड़ी। नायर को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रेफर्ड में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में शामिल न करते हुए उनकी जगह पर साई सुदर्शन को अवसर दिया गया। सुदर्शन ने अवसर का लाभ उठाते हुए पहली पारी में अर्धशतक लगाया था। वह हालांकि, दूसरी पारी में रन नहीं बना पाये। कोटक ने कहा कि करुण को खराब प्रदर्शन नहीं बल्कि इस कारण बाहर किया गया जिससे कि वह दबावमुक्त रहें। उन्होंने कहा था कि प्रबंबधन नायर का समर्थन करता रहेगा क्योंकि अगर आप इस सीरीज में उनका प्रदर्शन देखें तो उन्होंने हर समय अच्छी शुरूआत की, ये सही है कि वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये। कई बार टीम प्रबंधन को लगता था कि नायर पर दबाव बढ़ रहा है, इसलिए टीम में बदलाव किया गया। इसका ये मतलब नहीं निकाला जाना चाहिये कि टीम प्रबंधन उनका सहयोग नहीं कर रहा। नायर ने इस सीरीज की छह पारियों में 131 रन बनाए हैं जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 40 रन रहा है। वह अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में बदल नहीं पाये। अब देखना ये होगा कि नायर को आने वाले मैचों या सीरीजों में अवसर मिलता है या नहीं। इस बल्लेबाज ने साल 2016 में टेस्ट मैच में तिहरा शतक लगाया था।

गर्लफ्रेंड की मौजूदगी में बेन डकेट ठोकते हैं ज्यादा रन

मैनचेस्टर (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर कई बार ऐसा होता है जब खिलाड़ी सिर्फ खेल नहीं, बल्कि निजी भावनाओं से भी जुड़ जाते हैं। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट इस वक्त कुछ इसी वजह से चर्चा में हैं। बेन का बल्ला तब और ज्यादा रन उगलता है जब उनकी गर्लफ्रेंड पैगी ओगबॉर्न स्टेडियम में मौजूद होती हैं। मैनचेस्टर में खेले गए हालिया टेस्ट मैच में जब पैगी स्टैंड्स में नजर आईं, तो डकेट ने भारत के खिलाफ 100 गेंदों में 94 रनों की विस्फोटक पारी खेली। यह पहला मौका नहीं था जब उनका प्रदर्शन पैगी की मौजूदगी में निखरा हो, इससे पहले लीड्स टेस्ट की चौथी पारी में भी जब पैगी वहां थीं, डकेट ने शानदार शतक ठोका था और भारत को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन जब ऐजबेस्टन और लॉर्ड्स में पैगी मौजूद नहीं थीं, तो डकेट का बल्ला खामोश रहा और वे दोनों टेस्ट में फ्लॉप रहे। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि पैगी मैदान में उनके लिए किसी लकी चार्म से कम नहीं हैं। इस सीरीज में अब तक डकेट ने 4 मैच की 7 पारियों में कुल 365 रन बना लिए हैं। बेन डकेट और पैगी की प्रेम कहानी की शुरूआत 2021 के अंत में हुई थी, जब दोनों पहली बार मिले और फिर धीरे-धीरे एक-दूसरे के करीब आ गए। दोनों ने शुरू में ही अपने रिश्ते को सोशल मीडिया और सार्वजनिक जगहों पर साझा करने में हिचक नहीं दिखाई। डकेट अब अक्सर यह मानते हैं कि पैगी की मौजूदगी उन्हें मानसिक सुकून देती है और उनका आत्मविश्वास बढ़ाती है। मैदान पर इस प्रेम का असर साफ तौर पर उनके बल्ले की चमक में नजर आता है, जो जब-जब पैगी स्टैंड्स में होती हैं, तब-तब गेंदबाजों की खूब धुनाई करता है।

अंतिम दिन शुभमन पर रहेंगी नजरें सचिन जैसी पारी दोहरा पायेंगे ?

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल पर आज सभी की नजरें लगी रहेंगी। मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ यहां चौथे टेस्ट मैच के अंतिम दिन उन्हें टीम को हार से बचाने के लिए कप्तानी पारी खेलनी होगी। इससे पहले साल 1990 में ओल्ड ट्रैफर्ड के इसी मैदान पर सचिन तेंदुलकर ने अपना पहला टेस्ट शतक लगाकर भारतीय टीम को हार से बचाया था। ऐसे में अब देखना होगा कि शुभमन सचिन की तरह भारतीय टीम को बचा पाते हैं या नहीं। शुभमन अभी 78 रन और के राहुल 87 रन बनाकर खेल रहे हैं। दोनों के बीच 373 गेंद पर 174 रन की साझेदारी हुई है। इस मैच में अगर मेजबान टीम जीतती है तो सीरीज पर उसका कब्जा हो जाएगा। वहीं ड्रॉ रहने पर भारतीय टीम के पास पांचवे मैच को जीतकर सीरीज बराबरी पर रखने का अवसर रहेगा। 35 साल पहले ओल्ड ट्रैफर्ड में लगाये गये सचिन के मैच बचाने वाले शतक की तरह ही शुभमन भी शतक लगाना चाहेंगे।

तेंदुलकर के दिमाग में आज भी उस पारी की यादें ताजा है। तब भारतीय टीम को मैच बचाने के लिए अंतिम दिन परे समय बल्लेबाजी पर शुरूआत में ही अजहरुद्दीन और कपिल देव आउट हो गये। ऐसे में मनोज प्रभाकर और सचिन ने बल्लेबाजी कर मैच बचाने के प्रयास किये जो सफल रहे। इन दोनो ने तब मैच बचाने के लिए जरूरी है कि छोटे लक्ष्य निर्धारित किए सचिन ने प्रभाकर के साथ बड़ी साझेदारी की और अपना पहला शतक भी लगाया। अब ओल्ड ट्रैफर्ड में शुभमन को भी सचिन जैसी पारी खेलनी होगी हालांकि उनके लिए दिन के 90 ओवर निकालान बेहद कठिन रहेगा। शुभमन ने अब तक इस सीरीज में लीड्स और बर्मिंघम में जबरदस्त बल्लेबाजी की थी। ऐसे में उनके पास एक बड़ी पारी खेलकर सचिन की बराबरी करने का अवसर है।